बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट

सोमवार 28 जुलाई 2025

श्रावण शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2082

वर्ष 16, अंक 303

पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

फूड पॉइजनिंग से 64 छात्राएं अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद। तेलंगाना के नागरकुरनूल में एक सरकारी बालिका आवासीय स्कूल की 64 छात्राओं को फूड पॉइजनिंग के कारण अस्पताल में भर्ती करवाया गया। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि छात्राओं को उल्टी, दस्त और पेट दर्द के लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उनमें से 50 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। अब इस मामले की जांच की जा रही है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौघरी को हत्या की धमकी दी गई है। अपराधियों ने उनके समर्थक के नंबर पर मैसेज भेजा। इसमें अपराधी ने डिप्टी सीएम को अगले 24 घंटे के अंदर गोली मारने की धमकी दी है। घटना के बाद सियासी गलियारे में हडकंप मच गया। फौरन पुलिस को इस मामले की जानकारी दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इधर, इस मामले में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जिसको जो करना है कर लें। मैं इस तरह की धमकी से डरने वाला नहीं हूं। बिहार की जनता के लिए काम करता हूं और करता रहूंगा। बिहार की जनता जानती है कि मैं राज्य के विकास में लगा हूं और लगा ही रहूंगा। बताया जा रहा है कि डिप्टी सीएम के समर्थक के व्हाट्सएप पर मैसेज आया। इसमें लिखा है कि हेलो सर। 24 घंटे के अंदर सम्राट चौधरी को मैं अंदर गोली मार दूंगा। सच बोल रहा हूं। समर्थक ने इस बात की जानकारी फौरन डिप्टी सीएम और उनके सुरक्षाकर्मियों को दी।

क्राइम ब्रांच ने रेव पार्टी पर मारा छापा, 7 लोगों के साथ पूर्व मंत्री एकनाथ के दामाद भी गिरफ्तार

पुणे। पुणे पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने रेव पार्टी पर छापामार कार्रवाई करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर का नाम भी शामिल हैं। रेव पार्टी स्थल से पुलिस ने कोकेन सहित कई नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। पुलिस ने रविवार सुबह बताया कि पुणे शहर के पॉश खराडी इलाके में एक स्टूडियो अपार्टमेंट में रेव पार्टी की सूचना मिली थी, इस पर अपराध शाखा की टीम ने छापामार कार्रवाई की। छापेमारी में पुलिस ने गांजा, शराब और हुक्का जैसे नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। इसी के साथ पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। जानकारी अनुसार प्रांजल खेवलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) की नेता एडवोकेट रोहिणी खडसे के पति हैं।

हरिद्वार-मनसा देवी मंदिर में भगदड़, 6 की मौत, 29 घायल

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह 9ः15 बजे भगदड़ मच गई। अब तक 6 की मौत हो गई है। 29 लोग घायल हैं। गढ़वाल डिवीजन के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि मंदिर में भारी भीड़ जुटने से हादसा हुआ। चश्मदीद संतोष कुमार ने बताया, मंदिर पहुंचने के लिए करीब 25 सीढियां बची थीं, तभी हादसा हुआ। ज्यादा भीड़ होने के चलते लोग तार पकडक़र आगे बढने् लगे। कुछ तार छिल गए, उनमें करंट आ गया। अफरा-तफरी मच गई।

वहीं, पुलिस ने करंट फैलने की बात को अफवाह बताया। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने कहा- मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में हमें 35 लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। इन लोगों को तत्काल अस्पताल लाया गया। इनमें से 6 लोगों की मौत हो गई। बाकी घायलों का इलाज चल रहा है। मनसा देवी मंदिर हरिद्वार में शिवालिक पहाडियों पर बिल्व पर्वत पर स्थित है। यह हर-की-पौड़ी से लगभग 3 किमी दूर स्थित है और यहां 1.5 किमी की चढ़ाई वाले रास्ते से या रोपवे के माध्यम से पहुंचा जा सकता है।

सीएम धामी ने मनसा देवी भगदड़ की मजिस्ट्रियल जांच के दिए आदेश

मनसा देवी मंदिर मार्ग पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या 6 हो गई है। गंभीर घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस घटना पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही मृतक के परिवारजनों और घायलों के परिवारवालों के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया है।

सीएमओ से जारी बयान में कहा गया है कि प्रदेश सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही घटना के मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश भी दिए हैं।

सीएमओ ने अपने बयान में कहा है कि सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। हरिद्वार के जिला मजिस्ट्रेट को घटना की मजिस्ट्रियल जांच करने का आदेश दिया गया है और उन्हें तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की जा रही है।

इससे पहले सीएम ने कहा कि एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है जिसमें मनसा देवी मंदिर में एक अफवाह के कारण मची भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए हैं। बचाव अभियान जारी है जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घायलों की मदद के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तराखंड सीएमओ ने बताया कि मुख्यमंत्री रविवार दोपहर हरिद्वार जिला अस्पताल का दौरा किया। सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने बताया कि मनसा देवी मंदिर में हुई घटना की जानकारी के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं। घटना में मृतक, घायलों के बारे में जानकारी के लिए हेल्पलाइन नम्बरों पर संपर्क किया जा सकता है।

हेल्पलाइन नम्बरों की सूची - जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र, हरिद्वारः 01334-223999, 9068197350, 9528250926, राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, देहरादूनः 0135-2710334, 2710335, 8218867005 058441404 जारी किए हैं।

सीढी पैदल मार्ग पर करंट फैलने की अफवाह से मची भगदड

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंशा देवी मन्दिर सीढी पैदल मार्ग पर आज सुबह करीब 9 बजे बिजली की तारों में स्पार्किग होने से करंट फैलने की अफवाह से भगदड मच गयी। बताया जा रहा हैं कि उस वक्त सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड मां मंशा देवी मन्दिर जाने के लिए लाइन में लगे थे। करंट फैलने की अफवाह से अपनी जान बचाने के जद्दोजहद के चलते एक के ऊपर एक श्रद्धालु गिरते चले गये। जिनको उठने का मौका नहीं मिला। घटना से मौके पर चीख पुकार मच गयी। भगदड की सूचना पर मन्दिर परिसर में अफरा-तफरी मच गयी। मन्दिर परिसर में मौजूद और आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। जिन्होंने दबे हुए लोगों को बामुश्किल बाहर निकाल कर उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कम्प मच गया। डीएम मयूर दीक्षित, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल समेत तमाम आलाधिकारी और आसपास के थानों की फोर्स जिला अस्पताल पहुंची।

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का संदेश दुनिया को दिया है- शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत ने पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का स्पष्ट संदेश दिया है। आज के परिवेश में भारत में भारत अब नई और उभरती प्रौद्योगिकियों, स्टार्ट-अप्स, हरित ऊर्जा और नवाचारों में विश्व में अग्रणी है।

भारत सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके साथ ही देश के सामने चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। हमें और अधिक सतर्क रहना होगा और समस्याओं का समाधान अधिक जागरूकता के साथ करना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का बढ़ता कद आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ाएगा। इन चुनौतियों से बेहतर समन्वय के माध्यम से निपटने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने रणनीति विकसित करने, उन्हें लागू करने और उनकी निगरानी के लिए केंद्र और राज्य एजेंसियों की समरूप टीमों के गठन का निर्देश दिया। साथ ही वास्तविक समय में डेटा साझा करने के लिए एक विश्वसनीय पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित किए जाने की बात कही।

नई दिल्ली में आठवां राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2025 गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों और बीएसएफ के प्रयासों को सलाम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ संकल्प और देशवासियों के समर्थन ने दुनिया भर में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का एक कड़ा संदेश दिया है।

शाह राष्ट्रीय चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने और उनके समाधान तैयार करने के लिए प्रत्येक राज्य के युवा पुलिस अधिकारियों को शामिल करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन वरिष्ठ अधिकारियों को युवा अधिकारियों का मार्गदर्शन करने, उन्हें चुनौतियों से परिचित कराने और समाधान खोजने का मार्ग दिखाने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लोकसभा में आज ऑपरेशन सिंदूर पर होगी महाबहस

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र में सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे लंबी चर्चा की शुरुआत होगी। इस चर्चा की अगुवाई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोपहर 12 बजे करेंगे। इसके बाद मंगलवार से राज्यसभा में भी ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर 16 घंटे की बहस होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी चर्चा में शामिल होने की संभावना है। संसद में इस महत्वपूर्ण विषय पर सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस चर्चा के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह और तीनों सेना प्रमुखों के साथ कई बैठकें की हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, चर्चा में गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर और निशिकांत दुबे भी शामिल होंगे। सरकार इस चर्चा को पूरी आक्रामकता के साथ रखने की तैयारी में है। खास बात ये है कि ये बहस करगिल विजय दिवस (26 जुलाई) के ठीक बाद हो रही है, और सरकार इसे विजय दिवस की तरह पेश करने की तैयारी में है।

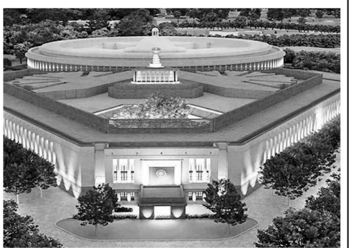

लोकसभा और राज्यसभा में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर खास बहस से पहले कांग्रेस ने सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है। पार्टी ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े उन तमाम घटनाक्रमों को सामने रखा, जो अब तक चर्चा में थे लेकिन औपचारिक बहस से बाहर रहे। खास बात यह रही कि कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को भी मुद्दा बनाया है, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत पर व्यापार रोकने की धमकी देकर ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस ने तुरंत दो दिन का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने तब कोई सुनवाई नहीं की। रमेश ने कहा कि अभी जो 16 घंटे की बहस लोकसभा में और उसके बाद राज्यसभा में होने जा रही है, वह देर से हो रही है लेकिन अच्छा है कि हो रही है।

विपक्ष मांग रहा जवाब

ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर विपक्ष भी सरकार से जवाब मांग रहा है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी ने इस बहस के लिए समय निर्धारित किया। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वो ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तार से चर्चा के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि सरकार देश के सामने सभी सच्चाई रखने को तैयार है। जयराम रमेश ने बताया कि 30 मई को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में स्वीकार किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के पहले दो दिन रणनीतिक चूकें हुईं। इसके बाद 29 जून को इंडोनेशिया में भारतीय रक्षा अधिकारी ग्रुप कैप्टन शिव कुमार ने संकेत दिया कि राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते ऑपरेशन प्रभावित हुआ और भारतीय वायुसेना को भी नुकसान उठाना पड़ा।

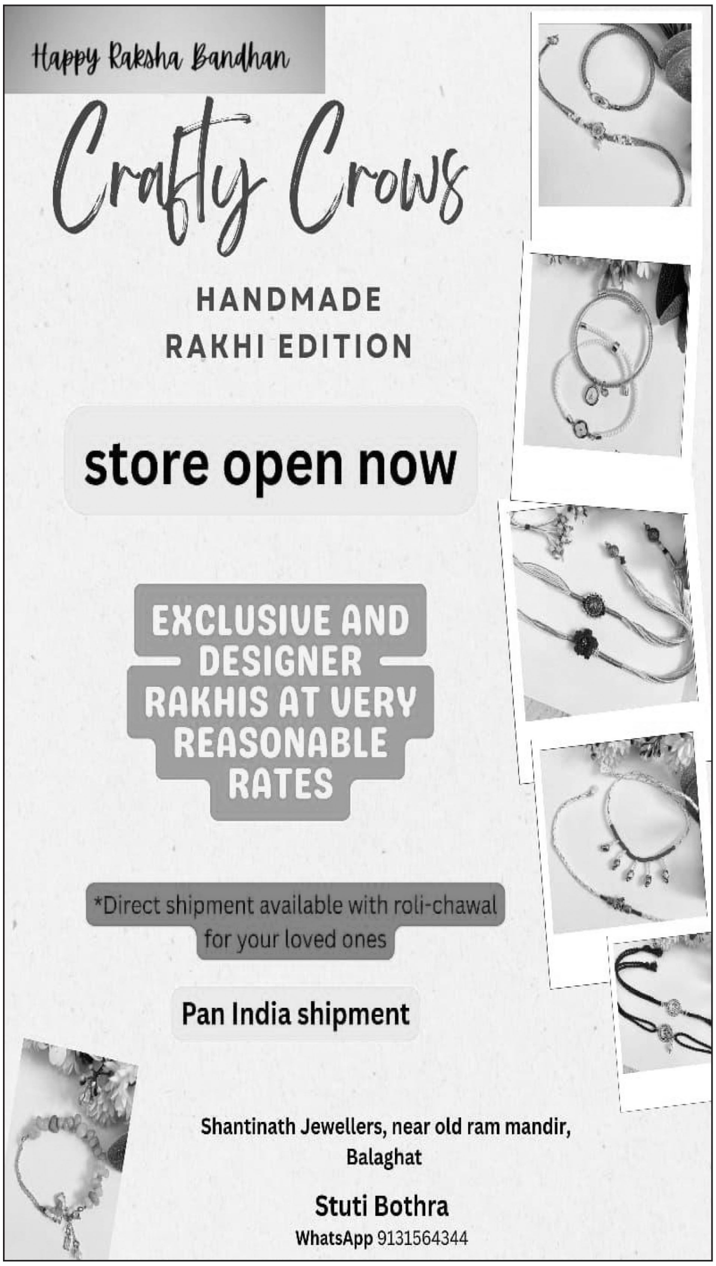

बिहार में एसआईआर का पहला चरण पूरा, 65 लाख मतदाताओं के कटेंगे नाम

7.90 करोड़ में से 7.23 करोड़ के फॉर्म हुए जमा, डिजिटल रूप से किया अपलोड

पटना। चुनाव आयोग के निर्देश पर बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का पहला चरण शनिवार को पूरा हो गया। पुनरीक्षण को लेकर बीएलओ या आम मतदाताओं द्वारा ऑनलाइन गणना फॉर्म अपलोड किए जाने को लेकर चुनाव आयोग का विंडो ईसीआई नेट बंद कर दिया गया है। बिहार में 24 जून से 26 जुलाई तक एसआईआर का पहला चरण पूरा हो गया है। इसमें चुनाव मशीनरी के साथ 12 मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों एवं नगर निकाय के कर्मियों एवं अन्य लोगों का सहयोग लिया गया।

चुनाव आयोग के मुताबिक शुक्रवार तक बीएलओ एवं बीएलए की रिपोर्ट के तहत 65.2 लाख मतदाताओं के नाम कटने तय हैं। बिहार के 99.8 फीसदी मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण में शामिल हुए। राज्य में 7.90 करोड़ मतदाताओं में से 7.23 करोड़ के फॉर्म जमा हो चुके हैं और इन्हें डिजिटल रूप से अपलोड किया जा चुका है। इन सभी 7.23 करोड़ मतदाताओं के नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे।

चुनाव आयोग के मुताबिक एसआईआर के पहले चरण का कार्य पूरा होने के बाद प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन की तैयारी शुरू हो गई है। इसके तहत कंट्रोल टेबुल पर स्थित आंकड़ों को अपडेट किया जाएगा। इसके तहत बूथवार आंकड़ों को अद्यतन किया जाएगा। इसके बाद एक अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। अब चुनाव आयोग द्वारा एक से 30 अगस्त के बीच दावा-आपत्ति प्राप्त करने, दस्तावेज अपलोड करने और दावा-आपत्ति के निबटारे का कार्य किया जाएगा। इसके तहत जिन मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची में शामिल नहीं हो सकेंगे, उन्हें भी नए सिरे से निर्धारित फॉर्म भरकर आवेदन करना होगा और उसके साथ दावा करते हुए जरुरी दस्तावेज देने होंगे। यह प्रक्रिया ऑनलाइन और बीएलओ दोनों माध्यमों से पूरी की जाएगी।

अंडर 16 जुनियर ब्वायज नेशनल फुटबाल चैंपियनशीप

हिमाचल, असम, बिहार और अरुणाचल प्रदेश ने जीता मैच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खेल के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना चुके बालाघाट जिले में शनिवार 26 जुलाई से राष्टीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज किया गया है।जहा नगर के अलग अलग मैदान में अंडर -16 राष्टीय फुटबाल प्रतियोगिता विभिन्न राज्यो से आई टीमो के बीच कराई जा रही है।इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार को 08 प्रदेशो की टीम के मध्य 04 मैच सम्पन्न कराए गए। जिसमे हिमाचल, असम, बिहार और अरुणाचल प्रदेश ने मैच जीतकर अपनी पकड़ मजबूत की।

अंडमान निकोबार को हराकर, हिमाचल ने जीता पहला मैच

नगर में आयोजित इस राष्टीय फुटबॉल प्रतियोगिता में दूसरे दिन का पहला मैच हिमाचल प्रदेश बनाम अंडमान निकोबार के मध्य खेला गया।नगर के रेंजर कालेज में खेले गए इस मैच में हिमाचल प्रदेश की टीम ने अपने पैरों का जादू दिखाते हुए निर्धारित समय में एक के बाद एक 04 गोल दागे और मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी।जबकि अंडमान निकोबार टीम के खिलाड़ी मैदान में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन नही कर सके।जो लाख जद्दोजहद के बावजूद भी हिमाचल टीम के खिलाफ निर्धारित समय मे एक गोल भी नही दाग सके। इस तरह हिमाचल की टीम ने यह मैच 4-0 के अंतर से अपने नाम किया और प्रतियोगिता में अपनी पकड़ मजबूत कर अलगे राउंड में प्रवेश किया।

असम ने राजिस्थान को हराकर जीता मैदान

उधर अंडर -16 राष्टीय फुटबाल प्रतियोगिता के दूसरे दिन का दूसरा मैच असम बनाम राजिस्थान के मध्य खेला गया।रेंजर कालेज मैदान में खेले गए इस मैच में असम की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राजिस्थान के विरुद्ध लगातार 03 गोल दागे, वहीं डिफेंड मोड में रही राजिस्थान की टीम अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन नही कर सकी।जो लाख जद्दोजहद के बावजूद भी असम के खिलाफ एक भी गोल दागने में कामयाब नही हो सकी।इस तरह यह मैच असम ने 3-0 से अपने नाम पर प्रतियोगिता में बढ़त बनाई।

उधर बिहार ने सिक्किम को पछाड़ा

उधर प्रतियोगिता में दिन का तीसरा मैच बिहार बनाम सिक्किम के मध्य खेला गया।जिसमे अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए बिहार ने यह मैच जीत लिया।नगर के पुलिस लाइन मैदान में बिहार बनाम सिक्किम के बीच खेले गए इस मैच में बिहार की टीम ने अपने पैरों का जादू दिखाते हुए निर्धारित समय मे 05 गोल दागे, उधर सिक्किम की टीम ने भी टक्कर का मैच खेला लेकिन वह निर्धारित समय मे महज 01 गोल ही कर पाई। इस तरह बिहार की टीम ने भी यह पहला मैच 05-01 से अपने नाम कर प्रतियोगिता में बढ़त बनाई।

उत्तराखंड को हराकर अरुणाचल प्रदेश ने जीता मैच

नगर में आयोजित इस राष्टीय फुटबॉल प्रतियोगिता में दूसरे दिन का चौथा व अंतिम मैच उत्तराखंड बनाम अरुणाचल प्रदेश के मध्य खेला गया।नगर के मुलना स्टेडियम मैदान में खेले गए इस मैच में अरुणाचल की टीम ने अपने पैरों का जादू दिखाते हुए निर्धारित समय में एक के बाद एक 03 गोल दागे और मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी।जबकि अरुणाचल प्रदेश टीम के खिलाड़ी मैदान में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन नही कर सके।जो लाख जद्दोजहद के बावजूद भी उत्तराखंड टीम के खिलाफ निर्धारित समय मे महज एक गोल ही दाग सके। इस तरह अरुणाचल प्रदेश की टीम ने यह मैच 3-1 के अंतर से अपने नाम किया और प्रतियोगिता में अपनी पकड़ मजबूत कर अलगे राउंड में प्रवेश किया।

प्रणाली बनीं अमेज़न में डेटा साइंटिस्ट रोबोटिक्स विशेषज्ञ

बालाघाट की बेटी ने वैश्विक तकनीकी जगत में रचा इतिहास

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के एक छोटे से विद्यालय, जीएसवी स्कूल से प्री-प्राइमरी शिक्षा की शुरुआत करने वाली प्रणाली राहंगडाले ने अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक और तकनीकी कौशल के बल पर वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनी अमेजन

(यूएसए) सिएटल में डेटा साइंटिस्ट रोबोटिक्स के पद पर नियुक्त होकर जिले और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है।बताया गया कि प्रणाली ने आईआईटी खड़गपुर से बी.टेक एवं एम.टेक की उपाधि प्राप्त करने के बाद यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया से डेटा एनालिटिक्स में एमएस किया था। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने अमेज़न में इंटर्नशिप की, जहाँ उनकी उच्च कार्य दक्षता और प्रतिभा के आधार पर उन्हें रोबोटिक्स डिवीजन में डेटा साइंटिस्ट के पद पर नियुक्त किया गया।

सांदीपनि विद्यालय बालाघाट के प्राचार्य डॉ. युवराज रहांगडाले की बेटी है प्रणाली

आपको बताए कि प्रणाली सांदीपनि विद्यालय बालाघाट के प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले एवं द बालाघाट पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती चित्ररेखा राहंगडाले की सुपुत्री हैं। उनके बड़े भाई यूनिक राहंगडाले गूगल में रिलायबिलिटी साइंटिस्ट रह चुके हैं तथा वर्तमान में रीवियन कंपनी में स्टाफ डिज़ाइन फॉर रिलायबिलिटी इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं।रविवार को प्रणाली के जन्मदिन के अवसर पर उनके पिता डॉ. युवराज राहंगडाले ने यह गौरवशाली समाचार साझा करते हुए कहा कि यह सफलता सभी बेटियों के लिए प्रेरणादायक है। परिवारजनों, शैक्षणिक संस्थानों और समाज के सभी शुभचिंतकों ने प्रणाली को ढेरों शुभकामनाएं और आशीर्वाद भेजे हैं।

ग्राम सोनपुरी में मनाया गया दक्ष प्रजापति जयंती

उकवा(पद्मेश न्यूज)। विगत दो वर्षो से ग्राम सोनपुरी में दक्ष प्रजापति की जयंती मनाई जा रही हैं कुंभकार समाज के युवाओं के द्वारा शानदार तरीके से इस उत्सव को मनाया जा रहा है जिसे देखकर समाज के वरिष्ठ राम सजीवन जी की आंखें खुशी से डब डबाआ गई साथ ही समाज के नारी शक्ति और युवाओं में काफी उत्साह देखा गया बच्चे भी काफी प्रफुल्लित मुद्रा में नजर आए और सभी ने मिलकर बहुत ही उत्साह के साथ राजा दक्ष प्रजापति जी की जयंती का आनंद ले रहे हैं दक्ष प्रजापति, जिन्हें अक्सर केवल दक्ष कहा जाता है, हिंदू पौराणिक कथाओं में एक प्रमुख पात्र हैं। वे प्रजापति हैं, सृष्टिकर्ता ब्रह्मा के मानस पुत्रों में से एक, और एक पूर्वज और दिव्य राजा के रूप में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं । वे सती के पिता भी हैं, जो बाद में भगवान शिव की पत्नी बनीं। जहां इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ग्राम पंचायत सरपंच सुनील उइके, समाज सेवी संदीप गजभिये, आर्यन तिलासे,कुंभकार समाज अध्यक्ष राजेश ग्रेसिया, सुरेश सेंदरे दिपक प्रजापति,किशोर रक्षा, राहुल, अजय शनिचरे,नंदकिशोर, लखन, मिथुन रक्षा,विनय,शकर विमल, सुरेद गसिया, दिलीप, हिरामन एवं समस्त कुंभकार समाज एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर बामसेफ द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

राष्टमाता सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास में ध्वजारोहणकर नगर में निकाली गई रैली

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर बामसेफ जिला इकाई एवं आफसुट विंग्स बालाघाट द्वारा भव्य क्लस्टर अधिवेशन का आयोजन किया गया।बालाघाट एवं सिवनी जिले के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को नगर मुख्यालय स्थित राष्टमाता सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास बिरसा मुंडा चौक में आयोजित इस क्लस्टर अधिवेशन की शुरूवात ध्वजारोहण के साथ की गई जहां ध्वजारोहण के पश्चात नगर में एक रैली निकाली गई। यह रैली जिला अस्पताल के सामने से बस स्टैंड वहां से कालीपुतली चौक वहां से अहिंसा द्वार होती हुई यह रैली सीधे हनुमान चौक पहुंची। वहां से यह रैली वापस अंबेडकर चौक और वहां से बीजेपी कार्यालय के सामने से होती हुई यह रैली सीधे जय स्तंभ चौक से वापस छात्रावास पहुंची।जहां क्लस्टर अधिवेशन का आयोजन किया गया।जिसमें दोनों जिलों के सामाजिक संगठन, युवा प्रतिनिधि तथा संविधान प्रेमी नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

पथ संचलन और ध्वजारोहण के साथ हुई शुरुआत

अधिवेशन का शुभारंभ पथ संचलन एवं राष्टध्वज फहराने के साथ हुआ, जिसमें संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर समरसता, समानता और सामाजिक न्याय के मूल्यों को स्मरण किया गया। कार्यक्रम स्थल को संविधान दिवस के अनुरूप सजाया गया और छात्रावास परिसर में देशभक्ति पूर्ण वातावरण देखने को मिला।

विभिन्न बिन्दुओ पर की गई चर्चा

छात्रावास में आयोजित इस क्लस्टर अधिवेशन के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने पूर्व से निर्धारित विभिन्न सामाजिक बिंदुओं पर चर्चा कर, उनके हल बताएं। जहां ज्यादातर वक्ताओं द्वारा सामाजिक समस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने देश में व्याप्त भेदभाव, रोजगार की कमी, महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और इनके समाधान हेतु संगठित प्रयास की आवश्यकता बताई।

संविधान के मूल सिद्धांतों के लिए चलाया जाएगा जन जागरूकता अभियान

छात्रावास में आयोजित इस क्लस्टर अधिवेशन के दौरान ज्यादातर वक्ताओं ने संविधान के मूल सिद्धांतों के लिए जन जागरूकता अभियान चलाए जाने की बात कही। जिसमें उन्होंने घर-घर जाकर संविधान के मूल सिद्धांतों की जानकारी देने, संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों और कानून की जानकारी दिए जाने की बात कही। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि सामाजिक न्याय की स्थापना और संविधान के मूल सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।अधिवेशन में बड़ी संख्या में युवा प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं तथा महिलाओं ने भाग लिया। युवाओं ने संविधान के मूल अधिकारों और कर्तव्यों पर प्रस्तुतिकरण देकर अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। महिलाओं की सशक्त उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया। जहां देर शाम कार्यक्रम का समापन किया गया।

संविधान के सम्मान, सुरक्षा और संवर्धन पर हुआ संवाद- पंचे

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान अधिवेशन के मुख्य प्रवक्ता बी.एल. पंचे ने बताया कि यह अधिवेशन बालाघाट और सिवनी जिलों को मिलाकर क्लस्टर स्वरूप में आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य संविधान के सम्मान, सुरक्षा एवं संवर्धन को लेकर व्यापक चर्चा करना है। इस दौरान वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया है।

जिला सर्ववर्गीय कलार समाज महिला समिति का सावन झूला हरियाली तीज महोत्सव सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सावन मास के पावन अवसर पर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में विभिन्न समाज महिला संगठनों द्वारा सावन झूला हरियाली तीज महोत्सव मनाया जा रहा है।जिसके तहत महिला समिति द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे है।इसी कड़ी में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला सर्ववर्गीय कलार समाज महिला समिति द्वारा सावन झूला हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गया।रविवार को स्थानीय आम्बेकर चौक स्थित एक लान में संपन्न हुए इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओ के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सावन झूला, म्यूजिक पर नृत्य कर महिलाओं ने जमकर आनंद लिया।इसके अलावा गीत, संगीत ,वृक्षारोपण सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कार वितरण किया गया। वही देर शाम सुरुचि भोज ग्रहण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

हरे रंग की वेशभूषा में नजर आई सभी महिलाए

जिला सर्ववर्गीय कलार समाज महिला समिति द्वारा अयोजित इस सावन झूला हरियाली तीज महोत्सव कार्यक्रम के दौरान सभी महिलाएं सोलह सिंगार के साथ हरे रंग के वस्त्र में नजर आई। जिन्होंने सामूहिक रूप से हरियाली के गीत गाकर हरियाली महोत्सव का आनंद लिया।कार्यक्रम में समाज की सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।पारंपरिक लोकगीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मंचासीन कार्यक्रमों ने आयोजन को जीवंत बना दिया।

विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

इस दौरान उपस्थित महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर पहुंचीं और सावन के गीतों पर झूला झूलते हुए आनंदित हुईं। कार्यक्रम स्थल को हरियाली और पारंपरिक सजावट से सुंदर रूप दिया गया था, जिससे वातावरण पूरी तरह उत्सवमय हो गया।कार्यक्रम के अंतर्गत सांस्कृतिक एवं मंचासीन कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, जिसमें महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक नृत्य, भजन, नाट्य प्रस्तुति, कविता पाठ और सांस्कृतिक नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किए। इन मंचासीन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में मेहंदी, रंगोली, पारंपरिक वेशभूषा जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए सामूहिक भोज का आयोजन हुआ, जिससे आपसी सौहार्द और भाईचारे को बल मिला।

समाज में एकता और जागरूकता का दिया जा रहा संदेश- सरिता सोनकर

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला सर्ववर्गीय कलार समाज महिला समिति जिला अध्यक्ष श्रीमती सरिता सोनेकर ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य न केवल महिलाओं को सामाजिक मंच प्रदान करना है, बल्कि उन्हें समाज से जोड़कर सांस्कृतिक जागरूकता भी बढ़ाना है। खासकर वे महिलाएं जो घर की सीमाओं में रहती हैं, उनके लिए यह आयोजन एक सशक्त मंच बनता है। पिछले कई वर्षों से समाज की महिलाओं के लिए सावन झूला व हरियाली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत महिलाओं के लिए विभिन्न तरह की प्रतियोगिताएं और मनोरंजन के तहत कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं जो आगे भी जारी रहेंगे।

चित्रगुप्त कायस्थ समाज महिला मंडल का रुद्राभिषेक कार्यक्रम सम्पन्न

सावन मास में किए विभिन्न आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सावन मास के पावन अवसर पर चित्रगुप्त कायस्थ समाज महिला मंडल द्वारा भगवान शिव के रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।नगर के वार्ड नं 6 स्थित चित्रगुप्त मंगल भवन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न अनुष्ठान संपन्न कराए गए।जहां रविवार को चित्रगुप्त मंगल भवन में सावन मास के पावन अवसर पर समाज की महिलाओं द्वारा सार्वजनिक रूप से रुद्राभिषेक का आयोजन किया।इस अवसर पर ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोचार किया गया वही पांच शिवलिंग अलग-अलग स्थान पर विराजित कर सार्वजनिक रूप से महिलाओं बच्चों और समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा रुद्राभिषेक के माध्यम से महाप्रभु भगवान शिव की आराधना की गई।इसके अलावा सामूहिक आरती सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।तो वही कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम पर चित्रगुप्त मंगल भवन परिसर में पौधारोपण किया गया।जहां भगवान शिव के रुद्राभिषेक के पश्चात कन्या पांव पूजन किया गया, तत्पश्चात भगवान शिव एवं चित्रगुप्त भगवान को भोग लगाकर सभी श्रद्धालुओं को भोज कराकर देर शाम आयोजित कार्यक्रम का समापन किया गया।समाज के मंगल गर्भ में पहली मर्तबा रुद्राभिषेक का भक्ति भाव से विशाल रूप से रुद्राभिषेक किया गया है, जिसके लिए चित्रगुप्त सभा के अध्यक्ष राजेश वर्मा एवं सचिव सुशील वर्मा द्वारा सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ एस के श्रीवास्तव, पवन वर्मा रविंद्र श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव ,नीरज श्रीवास्तव ,सुलभ श्रीवास्तव,नीरज खरे, दिलीप श्रीवास्तव ,सतीश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव ,सत्येंद्र श्रीवास्तव ,वंश वर्मा ,विभु श्रीवास्तव ,श्रीमती अलका, वर्मा,भावना श्रीवास्तव ,रितु रायजादा, शुभ्रा श्रीवास्तव , संध्या श्रीवास्तव, विजेता श्रीवास्तव, सरिता श्रीवास्तव, रागिनी श्रीवास्तव ,सुषमा वर्मा, शिरोमणि श्रीवास्तव , मनीषा श्रीवास्तव, रागिनी श्रीवास्तव ,अनीता श्रीवास्तव, शोभना श्रीवास्तव ,रश्मि खरे और ललिता वर्मा सहित चित्रगुप्त कायस्थ समाज ,व महिला मंडल के समस्त पदाधिकारी सदस्य, सामाजिक महिलाए बच्चे व सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य के लिये कर्मचारी की आवश्यकता है

कम्प्यूटर ज्ञान आवश्यक है

वेतनमान-योग्यतानुसार

वारासिवनी के आसपास के ही सम्पर्क करें

पता-श्री फाइनेंस वारासिवनी

मों.नं. 9329595770

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0020/ड-154/2025-26
मौजा कटंगझरी, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमूला बाई पिता मोडा जाति गोंड, निवासी ग्राम कटंगझरी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कटंगझरी, रा.नि.मं. खमरिया तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने बड़े पिता स्व. गुठ्ठू पिता लखा कोकोटे का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 02.11.2005 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम कटंगझरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 31.07.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 24.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 28.07.2025

के.एल. तेकाम
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

शहर में यातायात व्यवस्था हो रही बेपटरी

चौराहों पर वाहन चालक गाड़ी टकराने से कर रहे विवाद , लग रहा जाम चौराहों पर नहीं दिख रहे पुलिसकर्मी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर में बीते कुछ दिनों से यातायात व्यवस्था बिगड़ते ही जा रही है। यहां चौक चौराहों पर वाहन चालक स्वयं ही यातायात नियम तोड़ने को लेकर विवाद करते नजर आ रहे हैं । ताजा मामला अंबेडकर चौक का है । यहां दो वाहन चालक आपस में ही गाड़ी टकराने की वजह से विवाद करते नजर आए। जिससे यहां यातायात भी बाधित हुआ । वाहन चालकों का कहना था कि शहर में यातायात व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण वाहन चालक आपस में विवाद कर रहे हैं । चौराहा पर यातायात कर्मी नहीं होने के कारण , वाहन चालक के द्वारा विवाद किया जा रहा था। उन्होंने यातायात पुलिस से मांग की है कि शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए । शहर के प्रमुख मार्गों पर घूम रहे आवारा मवेशी भी इन दिनों यातायात को बाधित कर दुर्घटना का कारण बनते जा रहे हैं।

आपको बता दे कि बीते कुछ दिनों से शहर में यातायात की व्यवस्था बेपटरी होते जा रही है। यहां शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर जाम जैसे हालात निर्मित होते रहते हैं। कुछ लोग यातायात नियम का पालन नहीं करने के कारण दूसरे वाहन चालकों से विवाद भी करते हैं। जिसका एक ताजा उदाहरण 27 जुलाई को दोपहर देखने को मिला । यहां अंबेडकर चौक में दो वाहन चालक आपस में भीड़ पड़े । जिसमें दोनों ही वाहन चालक यातायात के नियम का पालन नहीं किए जाने को लेकर आपस में विवाद कर रहे थे । जिस कारण पुन: चौक में जाम लगना शुरू हो गया। जबकि देखा जाए तो उस समय वहां कोई भी यातायात कर्मी नहीं था। वैसे ही बीते कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि शहर में यातायात की व्यवस्था उतनी अच्छी नहीं दिखाई दे रही है। शहर के गुजरी बाजार सहित मेन रोड पर तो यातायात कर्मी भी इन दिनों नजर नहीं आ रहे हैं । राहगीरों द्वारा सामान खरीदते समय अपने दो पहिया सहित चौपहिया वाहनों को मेन रोड पर ही खड़ा कर दिया जाता है। जबकि पहले यातायात पुलिस द्वारा दिन के समय यातायात का वाहन शहर में भ्रमण कर यातायात की व्यवस्था बनाते दिखता था। जबकि चक्र चौराहा सहित मेन मार्गों पर चौपहिया वाहन साफ रोड पर खड़े दिखाई दे सकते हैं। वहीं कुछ स्थानीय व्यवसायियों द्वारा भी अपने दुकानों के नाम की तक्तियाँ रोड तक लगा दी गई है और बरसात का समय होने के कारण कई लोगों ने तो पूरी रोड पर ही त्रिपाल बांध कर कब्जा कर लिया है। जिससे दुर्घटना की संभावनाएं बन रही है । दिन में कई बार इन मार्गों पर जाम की स्थिति भी बन जाती है । जब हमारे द्वारा यातायात व्यवस्था को लेकर नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया ।

यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी

इन दिनों शहर के अंदर यातायात के नियम कानून का कोई मतलब ही नहीं बचा है। वाहन चालकों का जहां पर मन होता है वहां पर वह वाहनों को खड़ा कर देते हैं। चौपहिया वाहनों के चालक अपने वाहन सड़क पर ही खड़ा करके चले जाते हैं। जिसके कारण प्रति दिन जाम से राहगीरों को गुजरना पड़ता है। शहर के प्रमुख चौराहा, बाजार चौक, बस स्टेंड रोड सहित अन्य स्थानों पर रोजाना जाम की स्थिति निर्मित होती है। इससे निपटने के लिए यातायात प्रभारी द्वारा कोई इंतजाम नहीं किए जा रहे है। इसके अलावा किसी राहगीर ने सड़क पर वाहन खड़ा करने का विरोध किया तो वाहन चालक झगड़ा करने पर उतर आते हैं। कुल मिलाकर ट्रैफिक पुलिस की उदासीनता से शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी होती जा रही है।

अंबेडकर चौक में कोई भी यातायात कर्मी नहीं था - देवेंद्र कानतोड़े

देवेंद्र कानतोड़े बताते हैं कि आज वह अंबेडकर चौक से गुजर रहे थे । उस समय उनका एक चौपहिया वाहन चालक से विवाद हुआ। उन्होंने बताया की चौपहिया वाहन चालक उन्हें पीछे से ठोस मार रहा था। जबकि उस समय अंबेडकर चौक में कोई भी यातायात कर्मी नहीं था । जबकि चौक चौराहों पर यातायात पुलिस का होना आवश्यक है । उन्होंने कहा कि यदि पुलिसकर्मी होता तो उन्हें यातायात के नियम समझाता । किंतु चौपहिया वाहन चालक तो स्वयं उन्ही से ही विवाद कर रहा था । इसलिए वह मांग करते हैं कि शहर में यातायात व्यवस्थित होना चाहिए ।

नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ी घायल

मैच के दौरान अनियंत्रित होकर गिरने से पैर में आई चोट, घायल का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट नगर में आयोजित अंड़र -16 नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन नगर के रेंजर कॉलेज मैदान में खेले जा रहे फुटबॉल मैच के दौरान एक खिलाड़ी अनियंत्रित होकर खेल मैदान में गिर गया।जिससे उसके पैर में चोट आ गई।मैच के दौरान खिलाड़ी के घायल होने पर उसे एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है। जहां उसका उपचार जारी है। घायल खिलाड़ी का नाम अंडमान निकोबार दिप समूह गाम कृष्णानंद निवासी 15 वर्षीय श्रवण पिता महेश लोहार बताया गया है। जिसका जिला अस्पताल में चार जारी है।

हिमाचल प्रदेश की टीम के साथ चल रहा था मैच

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार का पहला मैच नगर के रेंजर कॉलेज में अंडमान निकोबार बनाम हिमाचल प्रदेश के बीच खेला जा रहा था। जहां 15 वर्षीय खिलाड़ी श्रवण लोहार भी अन्य खिलाड़ियों के साथ अंडमान निकोबार की टीम से खेलने के लिए मैदान पर उतरा था। बताया गया कि यह टीम नगर के सिंधु भवन में रुकी हुई है। जहां से सभी खिलाड़ियों के साथ श्रवण भी मैच खेलने के लिए रेंजर कॉलेज ग्राउंड पहुंचा था जहां मैच खेलने के दौरान फुटबाल पास करते समय वह अनियंत्रित होकर मैदान पर ही गिर गया। जिससे उसके पैर में चोट आ गई। जिसपर थोड़ी देर के लिए तत्काल मैच को रुकवाकर एंबुलेंस की मदद से श्रवण को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है।

आयोग सदस्य बनकर बालाघाट पहुंची मौसम बिसेन पार्टी कार्यकर्ता और समर्थकों ने किया स्वागत

मौसम बिसेन ने कहा इसी प्रकार सभी एकजुट होकर करेंगे 2028 विधानसभा चुनाव की तैयारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य बनने के बाद मौसम बिसेन ने भोपाल से पदभार ग्रहण करने के बाद रविवार को बालाघाट पहुंची। यहां उनके समर्थक और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारीयों ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया। उन्हें लालबर्रा क्षेत्र स्थित कंजई पहुंचकर उन्हें बधाई दी और वह अपने समर्थकों से मिलते हुए बालाघाट पहुंची। यहां स्थानीय भाजपा कार्यालय में सभी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ पदाधिकारी द्वारा उन्हें बधाई दी गयी भाजपा कार्यालय के हाल में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां उन्होंने दिए गए इस दायित्व को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाने की बात कही। आपको बता दे की बीते दिनों ही भारतीय जनता पार्टी की महामंत्री मौसम बिसेन को मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का सदस्य बनाया गया हैं । जिसके बाद मौसम बिसेन ने भोपाल पहुंचकर आयोग कार्यालय में आयोग के अधिकारी, कर्मचारी और आयोग अध्यक्ष की उपस्थिति में आयोग सदस्य का पदभार ग्रहण किया । मौसम बिसेन 27 जुलाई को बालाघाट पहुंची , जैसे ही मौसम बिसेन के समर्थक और भाजपा पदाधिकारी को मौसम बिसेन की आने की जानकारी लगी , वैसे ही उनके समर्थक लालबर्रा क्षेत्र के कंजई में उन्हें बधाई देने पहुंचे। उसके बाद मौसम और उनके समर्थक एक रैली के रूप में नेवरगांव और लालबर्रा के रोड मार्ग से बालाघाट पहुंची। यहां जगह-जगह मौसम बिसेन के समर्थकों ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया। उन्हें पुष्प कुछ देते हुए आयोग सदस्य बनने की बधाई दी । वह बालाघाट पार्टी कार्यालय पहुंची यहां ढोल नगाड़े और आतिशबाजी कर मौसम का स्वागत किया गया । सभी ने बारी बारी से उन्हें बधाई प्रेषित की , उसके बाद मौसम समर्थकों द्वारा मौसम को तराजू में तौला गया और उन्हें बधाई दी गई । इसके बाद भाजपा कार्यालय के हाल में एक बैठक का आयोजन किया गया । यहां भी सभी ने उन्हें बधाई दी और इस बैठक को संबोधित करते हुए मौसम ने सभी वरिष्ठ और भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज विधानसभा चुनाव की हार के बाद उन्हें यह खुशी मिली है। इसके साथ ही उन सभी को मिलकर अब आने वाले विधानसभा चुनाव 2028 की तैयारी करनी है । सभी को आने वाला विधानसभा चुनाव 2028 जितना है । उन्होंने गौरी भाऊ और रेखा बिसेन को लेकर भी कहा कि वह भाग्यशाली हैं। इसलिए उन्हें आज ऐसे माता-पिता मिले हैं। जिन्होंने अपना पूरा जीवन आम जनों की सेवा के लिए समर्पित किया है । उन्होंने यह भी कहा कि जो गलती और जो कमी उनमें 2023 के विधानसभा चुनाव में हुई हैं। उसे खत्म करना है । यदि उनमें भी कोई कमियां आमजन और उनके पार्टी कार्यकर्ताओं को दिखती है तो वह उन्हें बताएं । उसमें वह सुधार करेगी और अपना पूरा सत प्रतिशत पार्टी और जन सेवा के लिए लगाएंगी ।

अग्रसेन भवन में मनाया गया हरियाली तीज पर्व, हुये विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय अग्रसेन भवन में अग्रवाल समाज की महिलाओं ने हरियाली तीज पर्व पूरे धूमधाम के साथ मनाया । समाज की पदाधिकारी महिलाओं ने बताया कि वह कई वर्षों से इस पर्व को मनाते आ रही है। इसमें यह पर्व को वह दो दिनों तक मनाती है । इस पर्व को उन्होंने 26 और 27 जुलाई को मनाया, इसमें कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ सावन झूले का भी आयोजन स्थानीय अग्रसेन भवन में किया गया । अंतिम दिन महिलाओं ने एकल डांस सामूहिक डांस और विभिन्न प्रतियोगिताएं की और अंत में प्रथम व द्वितीय आने वाले प्रतिभागियों को इनाम वितरित किया इस कार्यक्रम में अग्रवाल समाज की बड़ी संख्या में माता बहने और नन्हे मुन्ने बच्चे सम्मिलित हुए । आपको बता दे कि अग्रवाल समाज की महिलाओ ने हरियाली तीज का पर्व पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया । इसमे समुदाय की महिलाएं हरे परिधान, मेंहदी रचे हाथों और पारंपरिक गीतों के साथ झूला झूलती नजर आईं। इस अवसर पर महिलाओं ने अपने मायके से सिजारा के रूप में श्रृंगार सामग्री, मिठाइयाँ, कपड़े और हरे रंग की चूड़ियाँ प्राप्त कीं । मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ। सुहागिन महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियों की भी धूम रही। विभिन्न स्थानों पर तीज मिलन समारोह आयोजित किए गए। इनमें महिलाओं ने लोकगीत गाए, मेंहदी प्रतियोगिताएं हुईं और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए गए। हरे रंग की साड़ियों और लहरियों में सजी महिलाओं ने वातावरण को सौंदर्यमय बना दिया। सिंजारा परंपरा हरियाली तीज से एक दिन पूर्व या उसी दिन निभाई जाती है। मायके से विवाहित बेटियों को भेजा जाने वाला सिंजारा केवल उपहार नहीं बल्कि भावनाओं, प्रेम और पारिवारिक संबंधों का प्रतीक होता है। इसमें आमतौर पर घेवर, मिठाई, श्रृंगार सामग्री, चूड़ियाँ और वस्त्र शामिल होते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दिन माता पार्वती ने कठोर तपस्या कर भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया था। इसलिए सुहागिनें इस दिन व्रत रखकर अपने वैवाहिक जीवन की सुख-शांति और अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। अनु अग्रवाल द्वारा बताया गया कि आज उन्होंने अग्रसेन भवन में हरियाली तीज पर्व का आयोजन किया है बताया कि यहां पर वह कई वर्षों से मनाती आ रही है । इसमें समाज की विभिन्न महिलाओं सहित बच्चियों ने भी भाग लिया इसमें दो दिनों तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और अंत में सभी को पुरस्कार का वितरण भी किया गया है ।

राज्यस्तरीय कराते प्रतियोगिता में शामिल होने खिलाड़ी इंदौर रवाना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इंदौर में आयोजित होने जा रही शिकोकाई राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में शामिल होने बालाघाट के खिलाड़ी रविवार को इंदौर के लिए रवाना हुए।बताया गया कि इस प्रतियोगिता में मप्र के लगभग सभी जिले भाग लेने आ रहे हैं जिसमें सभी अपने-अपने आयु वर्ग और वजन वर्ग के हिसाब से अपनी अपनी कैटेगरी में खेलेंगे।जिसमे शामिल होने बालाघाट जिले के 6 खिलाड़ी, कोच प्रवीण नन्हेट एवं रेफरी जज छाया नरवास के साथ 8 लोगों की टीम प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हुए।

खिलाड़ियों में इनका शामवेश

बालाघाट जिले से शिकोकाई राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में भाग लेने इंदौर रवाना हुए खिलाडियों में ओम सोनकर 7 वर्ष, ,सोहन बीरा 12 वर्ष, मनन शर्मा 12 वर्ष, विहान बिसेन 12 वर्ष, सर्वेश सिंह जांचपेले 14 वर्ष, यथार्थ गर्दे 16 वर्ष का शामवेश है जिनके साथ इस टीम में जिले से छाया नरवास रेफरी/जज के रूप मे भाग लेंगी।बताया गया कि छाया नरवास राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी भी है और साथ ही राज्य स्तर पर रैफरी भी है।

खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर किया गया रवाना

टीम कोच द्वारा बताया गया कि प्रतियोगिता इंदौर के सेंट विंसेंट स्कूल में आयोजित है।जो शिकोकाई संघ द्वारा आयोजित की गई है। इस दौरान कार्तिक तितरमारे, निधि नन्हेट, संगीता मराठा, भावना सोनकर, आशीष सोनकर, कमलेश शर्मा, पल्लवी शर्मा, विशाल गर्दे, महेश सिंह जचपेले, मंजुलता सिंह जांचपेले, भरतलाल नरवास, मल्लिका बेरा, निकेश बिसेन, तरुण खारोले, गौरव जयसवाल, महेश चौहान, पावनकांत मेश्राम, ने खिलाडियों को शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।टीम को रवाना करने के लिए एकलव्य मार्शलआर्ट एंड फिटनेस एकेडमी की टीम के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।उक्त जानकारी एकलव्य मार्शल आर्ट फिटनेस एकेडमी के डायरेक्टर प्रवीण नन्हेट द्वारा दी गई।

जिले में अब तक 803 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

वारासिवनी तहसील में सबसे अधिक 1195 मि.मी. एवं खैरलांजी तहसील में सबसे कम 350 मि.मी. वर्षा रिकार्ड

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। चालू वर्षा सत्र के दौरान बालाघाट जिले में 01 जून से 27 जुलाई 2025 तक 803 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 531 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1447 मिलीमीटर है। 27 जुलाई को प्रात- 08 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान जिले में 42 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। कार्यालय अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 जुलाई को प्रात: 8-00 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान बालाघाट तहसील में 79 मिलीमीटर, वारासिवनी में 89 मिलीमीटर, बैहर में 36 मिलीमीटर, लांजी में 22 मिलीमीटर, कटंगी में 26 मिलीमीटर, किरनापुर में 31 मिलीमीटर, खैरलांजी में 36 मिलीमीटर, लालबर्रा में 43 मिलीमीटर, बिरसा में 14 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 47 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी तहसील में 38 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार जिले में बीते 24 घंटे में 42 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। चालू वर्ष सत्र में 01 जून से 27 जुलाई 2025 तक बालाघाट तहसील में 1036 मिलीमीटर, वारासिवनी में 1195 मिलीमीटर, बैहर में 921 मिलीमीटर, लांजी में 490 मिलीमीटर, कटंगी में 813 मिलीमीटर, किरनापुर में 756 मिलीमीटर, खैरलांजी में 350 मिलीमीटर, लालबर्रा में 968 मिलीमीटर, बिरसा में 569 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 958 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी तहसील में 771 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है । इस प्रकार जिले में चालू वर्षा सत्र में अब तक कुल 803 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। चालू वर्ष सत्र में जिले में सबसे अधिक 1195 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में और सबसे कम 350 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में बालाघाट तहसील में 602 मिलीमीटर, वारासिवनी में 636 मिलीमीटर, बैहर में 653 मिलीमीटर, लांजी में 465 मिलीमीटर, कटंगी में 502 मिलीमीटर, किरनापुर में 392 मिलीमीटर, खैरलांजी में 239 मिलीमीटर, लालबर्रा में 512 मिलीमीटर, बिरसा में 552 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 717 मिलीमीटर और तिरोड़ी तहसील में 579 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी।

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन का समर्थकों ने जगह-जगह किया स्वागत एवं सम्मान

मौसम बिसेन के म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य बनने पर कार्यकर्ताओं में हुआ नई ऊर्जा का संचार, आतिशबाजी एवं मिठाई खिलाकर दी शुभकामनाएं

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विधानसभा के कद्दावर नेता पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन की सुपुत्री मौसम बिसेन को गत दिवस पूर्व म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का सदस्य मनोनित किया गया हैं। जिसके बाद उन्होने भोपाल में पद ग्रहण करने के पश्चात 27 जुलाई को उनका प्रथम बार नगरागमन हुआ। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा जिले के प्रवेश नगरी कंजई स्थित माँ बंजारी मंदिर पहुंचकर म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन का स्वागत किया तत्पश्चात श्रीमती बिसेन माँ बंजारी मंदिर में माता-रानी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त की। जिसके बाद उनका काफिला लालबर्रा की ओर रवाना हुआ। इस दौरान पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन का भाजपा के कार्यकर्ता एवं समर्थकों के द्वारा कंजई, नेवरगांव ला. पोंडी, सिहोरा, पाथरशाही, कटंगटोला में आतिशबाजी व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। जिसके बाद दोपहर 1 बजे मौसम बिसेन का लालबर्रा आगमन हुआ। इस दौरान भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा विश्राम गृह के सामने जमकर आतिशबाजी की गई एवं पुष्प माला पहनाकर मिठाईयां बांटकर स्वागत व सम्मान किया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से सौजन्य भेंट कर कहा कि जो दायित्व मुझे सौंपा गया है। जिसका ईमानदारी से निर्वहन कर अन्य पिछड़ा वर्ग के हित में काम कर 27 प्रतिशत का आरक्षण सरकार से दिलवाने का पुरा प्रयास किया जायेगा। वहीं विश्राम गृह में स्वागत-सम्मान कार्यक्रम संपन्न होने के बाद म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन का काफिला बालाघाट की ओर रवाना हुआ। इस तरह से मौसम बिसेन के म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य बनने के बाद पहली बार नगरागमन होने पर कंजई से लेकर गर्रा तक पार्टी के कार्यकर्ता एवं समर्थकों के द्वारा जगह-जगह ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पार्टी के पदाधिकारी-कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं में होगा नई ऊर्जा का संचार - कन्हैया

दूरभाष पर चर्चा में भाजपा मंडल खमरिया पूर्व अध्यक्ष कन्हैया चौहान ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा मौसम दीदी को म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का सदस्य मनोनित किया गया है जिससे कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। साथ ही गत दिनों उनके द्वारा भोपाल में म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य का पद ग्रहण कर अपना दायित्व संभाल लिया है। अब वे अपने इस दायित्व का निर्वहन करते हुए प्रदेश के पिछड़े वर्ग की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति में सुधार करने के साथ ही उनकी समस्याओं का समाधान प्रमुखता से करेगी, जिसका फायदा हमारे पिछड़े वर्ग के लोगों को मिलेगा। श्री चौहान ने बताया कि मौसम दीदी ने पार्टी में रहकर अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है और पार्टी हित में उनके द्वारा अनेक कार्य किये गये है, संगठन को मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को

जोड़ना, महिलाओं को पार्टी की मुख्य धारा से जोड़कर महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष योगदान सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्य संगठन के लिए किया है। जिससे प्रभावित होकर पार्टी के द्वारा उन्हे पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का सदस्य मनोनित कर उन्हे नया दायित्व सौंपा गया है और हमें पुरा विश्वास है कि वे पुरी ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठा के साथ बेहतर काम करेगी एवं पिछड़े वर्ग के लोगों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलवायेगी। साथ ही यह भी बताया कि पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के सदस्य बनने के बाद पहली बार नगरागमन होने पर कार्यकर्ता एवं समर्थकों के द्वारा मौसम दीदी का आतिशबाजी कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया और उनके सदस्य बनने से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार भी होगा।

27 प्रतिशत आरक्षण के लिए अध्ययन कर सरकार को सौंपेगें रिपोर्ट - मौसम

म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार हर जाति, वर्ग, समुदाय के लोगों के प्रति बेहद संवेदनशील है एवं म.प्र. में बड़ी आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग की है। जिसके कल्याण के लिए शिक्षा, रोजगार सहित राजनीतिक क्षेत्र में भी हिस्सेदारी बने इसके लिए निमित्त म.प्र.

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि यह गठन वर्ष 2021 में किया गया था, जिसमें त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में आरक्षण के साथ चुनाव करवा कर एक नई मिसाल पेश की गई है। उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए जो एक लंबे समय से बात अधूरी है कि 27 प्रतिशत आरक्षण कैसे पिछड़ा वर्ग को मिले, जिसके लिए हम आयोग के माध्यम से अध्ययन करेंगे क्योंकि कांग्रेस जनता को गुमराह करने का काम कर रही है। कानून के माध्यम से मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग को आरक्षण मिले, पिछड़े वर्ग के बेटे-बेटियों को उच्च शिक्षा में उन्हें और भी आरक्षण की सुविधा मिले इसी के निमित्त इस आयोग का गठन हुआ है। मौसम बिसेन ने बताया कि हम यही विश्वास दिलाते हैं कि भारतीय जनता पार्टी का जो मूल मंत्र है, अंत्योदय हो, हमारा अनुसूचित जाति का समुदाय हो, अनुसूचित जनजाति का समुदाय हो, पिछड़ा वर्ग का हो, सामान्य वर्ग का हो हर किसी के लिए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सब के प्रयास से हम आगे बढ़ रहे हैं और प्रदेश विकसित मध्य प्रदेश बने इस क्षेत्र में काम करेगें।

ये रहे उपस्थित

म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन के स्वागत-सम्मान कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सरिता माते, भाजपा मंडल खमरिया पूर्व अध्यक्ष कन्हैया चौहान, आनंद ठाकरे, वेदराम राहंगडाले, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र अवधिया, विजय पटले, संजीव अवधिया, प्रशांत जैन, राजेश गोस्वामी, मो. अय्यूब भारती, मुस्ताक खान, मयंक माते, कमलेश तिवारी, कमलेश चौधरी सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्री श्याम संकीर्तन कार्यक्रम आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित लॉन में श्री श्याम सेवा मंडल एवं श्री श्याम सेवा महिला मंडल के तत्वाधान में 28 जुलाई की शाम 7 बजे से श्री श्याम संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजित श्री श्याम संकीर्तन कार्यक्रम में गोंदिया के गायक दर्पण अग्रवाल एवं नितेश

सोनी के द्वारा भगवान श्री श्याम के भजन-कीर्तन की संगीतमय प्रस्तुतियां दी जायेगी और क्षेत्रीयजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करेगें। साथ ही यह भी बताया कि श्री श्याम सेवा मंडल के द्वारा आये दिन धार्मिक आयोजन, संकीर्तन, भजन, मंडल सहित विभिन्न तरह के कार्यक्रम करवाये जाते है। जिससे लोगों में धार्मिक, श्रध्दा, आस्था एवं भक्ति जाग्रत हो सके। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील श्री श्याम सेवा मंडल एवं श्री श्याम सेवा महिला मंडल लालबर्रा के पदाधिकारियों ने की है।

समग्र आईडी केवायसी करवाये एवं आवारा पशु छोड़ने पर होगी कार्यवाही - अनीस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा सरपंच अनीस खान ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पंचायत क्षेत्र की सड़कों पर एवं आसपास की ग्राम पंचायतों में भी आवारा पशुओं का झुंड लगातार देखने मिल रहा है। आवारा पशुओं की धमाचौकड़ी के चलते दुर्घटनाएं घटित हो रही है। साथ ही पशुओं के द्वारा किसानों की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। श्री खान ने बताया कि आवारा पशु मालिक अपने पशुओं को

घर पर ही बांधकर रखे, आवारा ना छोड़े अन्यथा पशुओं को गौ शाला भेजकर पशु मालिकों पर भी कार्यवाही की जावेगी। साथ ही यह भी बताया कि क्षेत्रीयजन अपनी समग्र आईडी को ग्राम पंचायत कार्यालय में पहुंचकर केवायसी जरूर करवाये अन्यथा भविष्य में उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से वंचित होना पड़ेगा। श्री खान ने बताया कि ग्राम पंचायत में यह कार्य नि:शुल्क किया जा रहा है, जिन लोगों ने अब तक अपनी समग्र आईडी की केवायसी नही करवाये है वे सभी सदस्य अपना आधार कार्ड व लिंक मोबाईल नम्बर साथ लेकर आये और ग्राम पंचायत सचिव, सहायक सचिव से जल्द अपनी केवाईसी करवाये।

बेहरई में मौसम बिसेन का किया गया भव्य स्वागत

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई में भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन का आतिशबाजी कर भव्य स्वागत किया गया। चर्चा में बेहरई पूर्व सरपंच दिलीप टेंभरे ने बताया कि पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन की सुपुत्री मौसम बिसेन को मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मनोनित किया गया। यह पद (रा%य मंत्री दर्जा) मिलने पर हमारे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। साथ ही पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य बनने के बाद पहली बार ग्राम

आगमन होने पर ग्राम बेहरई में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा उनका भव्य स्वागत कर शुभकामनाएं दी गई है। श्री टेंभरे ने बताया कि मौसम दीदी के म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मनोनित होने से पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह है और एक नई ऊर्जा मिल रही है एवं दीदी निश्चित रूप से इस पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग में रहकर हमारे पिछड़ा वर्ग के लोगों का कल्याण करेंगी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बेहरई सरपंच श्रीमती शारदा दिलीप टेंभरे, पूर्व सरपंच दिलीप टेंभरे, उपसरपंच सरिता लोकेश बारेकर, स्थाई पटेल रामप्रसाद बघेले, शिक्षक सीएल पटले, गणपति पटले सहित पंचगण, ग्रामीणजन एवं भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चार ग्राम से एक साथ निकलेगी कांवड यात्रा 3 अगस्त को

बैठक में विशाल कांवड यात्रा निकालने सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कनकी, बेहरई, चंदपुरी, गर्रा ग्राम से आगामी 3 अगस्त को विशाल कांवड यात्रा निकलेगी। जिसकी तैयारी के लिए गत दिवस कांवड यात्रा समिति की बैठक कनकी में संपन्न हुई। आयोजित बैठक में सावन मास के पावन अवसर पर आगामी 3 अगस्त को प्रात: 9 बजे से विशाल कांवड यात्रा कनकी, बेहरई, चंदपुरी, गर्रा से कोटेश्वर धाम लांजी के लिए निकाले जाने की कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। चर्चा में कांवड यात्रा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के पावन अवसर पर कनकी, बेहरई, चंदपुरी, गर्रा से एक साथ विशाल कांवड यात्रा निकालने के संबंध में गत दिवस बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें निर्णय लिया गया है कि 3 अगस्त को प्रात: 9 बजे चार ग्राम से एक साथ कांवड यात्रा निकलेगी और सभी कांवडिये माँ वैनगंगा नदी से जल लेकर दादा

कोटेश्वर महादेव लांजी पहुंचकर बाबा कोटेश्वर धाम में जलाभिषेक किया जायेगा। इस अवसर पर श्रध्दालुजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील कांवड यात्रा समिति के पदाधिकारियों ने की है।

बजरंग दल प्रखण्ड लालबर्रा के कार्यकर्ताओं ने पुल के ऊपर जमा हो रहे पानी निकासी की बनाई व्यवस्था

वैनगंगा बड़ी नहर के ऊपर बने पुल में जमा हो रहे पानी निकासी की स्थाई व्यवस्था करने की प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग पर टूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर में बने पुल के आसपास पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण तेज बारिश होने पर पुल में पानी का जमाव हो जाता था। जिससे स्कूली बच्चों एवं राहगीरों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही पुल में पानी जमा रहने से हर समय बड़ी दुर्घटनाएं होने की संभावना बनी हुई थी। उक्त समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया गया था लेकिन प्रशासन के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया गया। जिसके बाद जनहित में बजरंग दल प्रखण्ड लालबर्रा के कार्यकर्ताओं ने अमोली से बम्हनी पहुंच मार्ग के बीच से गुजरी वैनगंगा बड़ी नहर पर बने पुल में जमा हो रहे पानी से आने-जाने वालों को हो रही परेशानियों को देखते हुए गत दिवस जिस स्थान पर पानी जमा हो रहा है। उस स्थान में पहुंचकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के द्वारा जमा पानी की निकासी की व्यवस्था की गई है। जिसके बाद से अब पुल के ऊपर पानी जमा नही हो रहा है। वहीं पानी जमा नही होने से आने-जाने वालों को सुविधा हो रही है किन्तु यह स्थाई समाधान नही है। सड़क विभाग को बड़ी नहर के ऊपर बने पुल के ऊपर जमा हो बारिश के पानी की निकासी के लिए स्थाई व्यवस्था करना चाहिए ताकि तेज बारिश होने पर पुल के ऊपर बारिश का पानी जमा न हो सके। आपकों बता दें कि लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग का निर्माण विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से किया गया है परंतु इस मार्ग के निर्माण कार्य में संबंधित ठेकेदार के द्वारा भारी लापरवाही बरती गई है। साथ ही अमोली से बम्हनी के बीच से गुजरे वैनगंगा बड़ी नहर के ऊपर बने पुल में पानी निकासी के लिए होल नही बनाये गये हैं जिसके कारण तेज बारिश होने पर पुल में पानी जमाव हो जाता है। ऐसी स्थिति में आने-जाने वाले राहगीर एवं स्कूली ब%चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही कई बार वाहन अनियंत्रित होने से बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। साथ ही सबसे अधिक परेशानी स्कूल-कालेज पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को होती है क्योंकि पुल के ऊपर पानी जमा रहने से जब वे उक्त स्थान से गुजरते है। इस दौरान अगर कोई बड़ा वाहन गुजरता है तो पानी के छीटे लगने से उनकी यूनिफार्म गंदगी हो जाती है। ऐसी स्थिति में वे समय पर स्कूल-कालेज नही पहुंच पाते है जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती है। उक्त समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जनहित में बजरंग दल प्रकोष्ठ लालबर्रा के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं के द्वारा वैनगंगा बड़ी नहर के ऊपर बने पुल में बारिश का जमा हो रहे पानी की निकासी की व्यवस्था की गई है। जिसके बाद बारिश होने पर पुल में अब पानी जमा नही हो रहा है, लेकिन यह स्थाई समाधान नही है इसलिए बजरंग दल प्रकोष्ठ लालबर्रा के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं ने सड़क विभाग से अमोली से बम्हनी के बीच से गुजरे वैनगंगा बड़ी नहर के ऊपर बने पुल में बारिश का जमाव हो रहे पानी निकासी की स्थाई व्यवस्था करने की मांग की है। इस अवसर पर पर बजरंग दल प्रखण्ड लालबर्रा संयोजक दिशु तिवारी, कमलेश ठाकरे, गौरीशंकर लांझेवार, शैलेश राहंगडाले सहित अन्य शामिल रहे।

खिर्री में आदिवासी बिंझवार समाज की हुई बैठक

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत खिर्री में रविवार को आदिवासी बिंझवार समाज की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक में आदिवासी बिंझवार समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर विचार-विमर्श कर 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। चर्चा में आदिवासी बिंझवार समाज अध्यक्ष कमलेश हट्टेवार ने बताया कि आयोजित बैठक में समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया है और समाज को संगठित एवं शिक्षित करने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर आदिवासी बिंझवार समाज के सदस्य राधेलाल घोटीवार, मुन्नालाल गौतम, राजु सेंदरे सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

सुगमता से सशक्तता, दिव्यांग जनों को सशक्त बनाने जिले में फिर संपन्न हुआ सहायक उपकरण वितरण शिविर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक सराफ के नेतृत्व मे लगभग 6 माह पूर्व आरंभ हुए दिव्यांग जन सशक्तिकरण अभियान के एक और चरण का 26 जुलाई को सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह की गरिमामय उपस्थिति मे 543 दिव्यांग एवं वृद्धजनों को 37 लाख 98

हजार रुपये की लागत की मोटर ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, सीपीचेयर जैसे कुल 1810 सहायक उपकरण का वितरण किया गया। इससे दिव्यांग जनों को सुगम समावेशी व गरिमामय जीवन के लिए प्रतिबध्द मप्र शासन के संकल्प को चरितार्थ किया गया है।

थानेगांव माइनर नहर की हालत खस्ताहाल

किसानों की खेती में नहर का पानी नही मिलने से परेशान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत थानेगांव एवं ग्राम के सिरहाटोला में किसान परहा लगाने के लिए नहर के पानी का इंतजार कर रहे हैं। जहां पर किसानों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मुख्य ढूटी नहर कैनाल से आने वाली माइनर नहर बुरी तरह जर्जर एवं खस्ताहाल हो चुकी है। जहां पर जगह.जगह गड्ढे हो गए हैं तो वहीं नहर की पार कमजोर हो गई है। जिसका पानी व्यर्थ में विभिन्न स्थानों पर खेतों या जंगलों के माध्यम से नाले में जा रहा है। ऐसे में किसानों के द्वारा कड़ी मेहनत कर नहर में व्यवस्था की जा रही है फिर भी पानी खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा है। जिसको लेकर किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोंगरगांव से मेंढ़की जाने वाली मुख्य नहर से एक माइनर नहर थानेगांव के लिए आती है जो सिरहाटोला से होते हुए सीधे कोस्ते नाले तक जाती है। यह नहर करीब ७० वर्ष पूर्व बनाई गई थी जिसके बाद से नहर का जीर्णोद्धार या व्यवस्थित मरम्मत विभाग के द्वारा नहीं की गई है। जहां पर पूरी नहर में झाड़ियां उग गई है तो वहीं मिट्टी जमी हुई है, चूहों के द्वारा नहर के अंदर बड़े बड़े गड्ढे बना दिए गए हैं जिसके कारण पानी गांव तक नहीं आ पाता है। यदि किसानों के द्वारा कड़ी मेहनत कर पानी को लाने का प्रयास किया जाता है तो विभिन्न स्थानों से पार टूट जाती है। जिससे दूसरे किसानों को भी नुकसान होने का खतरा बना रहता है कि यह पार एक तरफसे टूटे तो जंगल में पानी जाता है और दूसरे तरफ से टूट जाए तो लोगों के खेतों में जहां किसान काफ ी चिंतित रहते हैं। बाकी यह पानी माइनर में एक किलोमीटर दूर के बाद दिखाई नहीं देता है तो वहीं बीते कुछ वर्षों से यह नहर का पानी थानेगांव तक नहीं पहुंच पाया है। जिससे किसान काफी परेशान है अभी भी करीब ४०० एकड़ से अधिक भूमि के किसान है जिनके द्वारा परहा नहीं लगाया गया है। तो वहीं कुछ व्यक्तियों के द्वारा खेत में कीचड़ कर परहा कार्य प्रारंभ किया गया है। वहां भी पर्याप्त रूप से कीचड़ नहीं है ऊपर चिकनी मिट्टी देखने मिल रही है जहां आसानी से व्यक्ति कीचड़ पर चल पा रहे हैं। इस प्रकार लोगों के द्वारा परहा लगाया जा रहा है वह भी बारिश के पानी के कारण उन्हें आगे की चिंता सता रही है। हालांकि किसानों के द्वारा पूर्व में अनेकों बार और अभी खेती कार्य प्रारंभ होने के पहले भी सिंचाई विभाग को शिकायत की गई थी जिसमें विभाग के द्वारा कार्य करने की बात कहीं जा रही है। किंतु विभाग के द्वारा किया गया कार्य किसानों को समझ नहीं आ रहा है क्योंकि अंतिम छोर तो दूर आधे रास्ते भी पानी नहीं आ रहा है जो मुख्य रूप से किसानों के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में किसानों के द्वारा नहर की मरम्मत कर अंतिम छोर तक पानी उपलब्ध कराने की मांग सिंचाई विभाग से की जा रही है।

वर्तमान सरपंच ने चुनाव जितने के लिये घोषणा किया था की नहर बनायेंगे काम तो दूर झाड़ी तक सफाई नहीं हो पाई-नरेंद्र सुलकिया

किसान नरेंद्र सुलकिया ने बताया कि यह नहर करीब ७० वर्ष पुरानी है इसकी मरम्मत या जीर्णोद्धार का काम जो होना था वह आज तक नहीं हुआ है। बल्कि गांव की सभी माइनर का काम हो चुका है यह अकेली मुख्य कैनाल से जुड़ी हुई माइनर है इसका काम आज तक नहीं होना किसानों के लिए परेशानी बनी हुई है। चुनाव आते ही हमेशा नहर का माइनर बनाए जाने की बात कही जाती है पर यह केवल भाषण तक है किसान इतना परेशान है। हम खेती के समय अधिकांश काम नहर पर करते हैं क्योंकि यदि कभी उसकी पार टूट गई और पानी आ गया तो खेत बर्बाद हो जाएंगे पानी की बहुत समस्या है कैनाल में पानी है। माइनर में पानी नहीं है जगह.जगह से नहर टूट गई है वर्तमान सरपंच ने अपने चुनाव के घोषणा पत्र में इस माइनर के काम करने की बात कहा था परंतु कोई काम तो दूर झाड़ी तक सफाई नहीं हो पाई। एक काम कम करवाते पर इन्हें नहर पर ध्यान देना था यह किसानो की समस्या है।

नहर के पानी को तरस रहे किसान-शुभम पटले

किसान शुभम पटले ने बताया कि ईश्वर का धन्यवाद की बारिश हो गई हमारे खेत में थोड़ा बहुत पानी जमा हुआ जिससे खेती लग गई। नहर की नाली का पानी तो आया ही नहीं ३ वर्ष हो गया मैं घर से यह खेती कर रहा हूं नहर का पानी मैं आज तक देखा ही नहीं। पूर्व की समस्या यथावत बनी हुई है यहां से ऊपर तक यदि हम चूहे के गढढे बंद करते हुए जाते हैं तो बहुत मेहनत हो जाती है दिक्कत भी बहुत होती है। फिर भी पानी आया तो ठीक वरना पूरी मेहनत व्यर्थ रहती है पानी की बहुत समस्या है मेहनत बहुत ज्यादा है। अधिकारी रुपये लेने आए थे तो हमारे दादाजी ने कहा था और अभी खेती कार्य चालू करने के पहले फोन लगाकर भी उन्हें बताया था उन्होंने काम किया बोलते हैं परंतु दिख नहीं रहा है। क्योंकि पानी नहीं आया है अभी हमारे इधर अनेको लोगों का परहा बचा हुआ है वह भी पानी की रास्ता देख रहे हैं।

एकीकृत शासकीय हाईस्कूल कोथूरना का डीईओ और डीपीसी ने किया निरिक्षण

टीन शेड़ के स्थान पर अब स्टॉफरूम में बैठेंगे विद्यार्थी

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी विकासखंड अंतर्गत भेंडारा संकुल अंतर्गत एकीकृत शासकीय हाईस्कूल कोथूरना का २५ जुलाई को जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समंवयक के द्वारा निरीक्षण किया गया। कलेक्टर एवं मिशन संचालक सर्व शिक्षा अभियान मृणाल मीना के द्वारा अखबार में प्रकाशित खबर पर संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को शाला का निरीक्षण करने के आदेश दिए गए थे। जिसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय और डीपीसी घनश्याम बर्मन के द्वारा शाला पहुंचकर वस्तु स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने टीन शेड के नीचे बैठ रहे कक्षा छठवीं के छात्र छात्राओं को स्टॉफ में रूम में बैठने की व्यवस्था बनवाई गई। इसके बाद कक्षा सातवीं,आठवीं और कक्षा एक से पांच तक के बच्चे जहां बैठते है उसका जायजा लिया गया और भवन को अच्छा बताकर जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी गई। जबकि कक्षा सातवीं और आठवीं के बच्चें जहां बैठते हैं वहां सीपेज होता है और छत का प्लास्टर कभी भी नीचे गिरते रहता है। इस पर अधिकारी गण खामोश नजर आए और सभी कमरों को ठीक ठाक और बच्चों के लिए सुरक्षित बताया गया। उन्होंने पाया कि माध्यमिक शाला का भवन जीर्ण शीर्ण हो गया है। जिसके कारण उसमें ताला लगा हुआ है और उसका कोई भी उपयोग नही कर रहा है। ज्ञात हो कि कक्षा एक से आठ तक के छात्र छात्राओं को बैठने से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। टीन शेड के नीचे अध्यापन करने विद्यार्थी मजबूर और पालकों में आक्रोश शीर्षक से समाचार का प्रकाशन किया गया था।

नगर से लाँजी कोटेश्वर धाम के लिए निकली पैदल कावड़ यात्रा

तीसरे सावन सोमवार पर कोटेश्वर महादेव का किया जायेगा जलाभिषेक

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ४ स्थित शिव मंदिर से रविवार की सुबह १० बजे मिनी ट्रांसपोर्ट वाहन चालक मालक संघ वारासिवनी के तत्वावधान में कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यह कावड़ यात्रा लांजी के बाबा कोटेश्वर धाम के लिए निकाली गई। जो वार्ड नंबर ४ के शिव मंदिर से प्रारंभ होकर पंडित दीनदयाल चौक, बस स्टैंड, जय स्तंभ चौक, नेहरू चौक, आंबेडकर चौक सहित विभिन्न चौक चौराहा एवं गलियों का भ्रमण करते हुए नगर से लांजी के लिए रवाना हो गई। यह पैदल कावड़ यात्रा सावन महीने के तीसरे सोमवार पर भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने के लिए निकाली गई। इस दौरान कावड़ यात्रा में शामिल डीजे में बज रहे भक्ति गीतों पर यात्रा में शामिल भक्त जनों के द्वारा जमकर नृत्य किया जाता रहा। इस पावन यात्रा में शामिल सभी शिव भक्तों का भाजपा कार्यालय के सामने नगर मंडल के द्वारा स्वागत किया गया। जहाँ यात्रा में शामिल लोगों को पानी एवं फल का वितरण किया गया। यह कावड़ यात्रा नगर से सीधे ग्रामीण क्षेत्र के लिए निकाली गई जो विभिन्न ग्रामों का भ्रमण करते हुए सोमवार की सुबह लांजी कोटेश्वर धाम पहुंचेगी। जहां पर समस्त कांवड़ियों के द्वारा अपनी कावड़ के जल से बाबा कोटेश्वर महादेव का अभिषेक किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजन समिति ने बताया कि सावन महीना सभी के लिए एक पवित्र महीना है जिसमें भगवान शिव की आराधना जगह.जगह की जाती है और लगातार कावड़ यात्राएं भी निकाली जाती है। इसी कड़ी में हमारे द्वारा नगर से पहली बार कावड़ यात्रा लांजी कोटेश्वर धाम के लिए निकाली गई है। जिले में एक लांजी का कोटेश्वर धाम है जहां के लिए कावड़ यात्राएं विभिन्न ग्रामों से निकाली जाती है इसीलिए इस वर्ष यह आयोजित की गई है। इसका उद्देश्य लोगों को धर्म से जोड़ना और उन्हें सत्य मार्ग दिखाना हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिव भक्त मौजूद रहे।

कलार समाज का हर व्यक्ति पुरषार्थ में हमेशा आगे रहता हैं-प्रदीप जायसवाल

खैरलांजी में प्रतिभा सम्मान व कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कलार समाज खैरलांजी के द्वारा प्रतिभा सम्मान, कैरियर गाइडेंस व समाज के वरिष्ठ समाजसेवीयों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कलार समाज के कार्यक्रम स्व.शंकरसाव पिपरेवार पूर्व विधायक, स्व. डॉ. छगनलाल धूवारे बालाघाट, स्व.गणपतसाव डोहरे खुरसीपार, स्व.विठठल साव भंडारकर भौरगढ़,स्व.एन बी रहमतकर लांजी, स्व. शोभेन्द्र डहरवाल झालीवाडा,स्व. गोधनसाव जमईवार कस्बीटोला, स्व. जगलाल साव डहाके साकड़ी,स्व. विनय पालेवार कस्बीटोला, स्व. केसरबाई सकाराम बारेवार भौरगढ़ की स्मृति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, ब्लाक अध्यक्ष सुनील पिपरेवार, नरेन्द्र धूवारे, महादेव भंडारकर, मुकेश जेमी, फेकनलाल डोहरे ,सुमीत चौरे, सुरेन्द्र रहमतकर,पुरषोत्तम धूवारे, संतोष पिपलेवार, नंदकिशोर पालेवार, सुनील जायसवाल,धनेन्द्र सोनेकर की मौजूदगी में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हमे भगवान सहस्त्रबाहू का आर्शीवाद प्राप्त है। कलार समाज के व्यक्ति पुरषार्थ में हमेशा आगे रहते हैं। इसी का प्रतिफल है की हमारे समाज के लोग निर्दलीय भी विधानसभा चुनाव जीतकर जनता की सेवा करने में अग्रणी भूमिका निभाते है। श्री जायसवाल ने कहा की आप आगे की दिशा तय करो, समाज आपके साथ सहयोग की भावना के रूप में खडा नजर आयेगा। कुछ अंको से पीछे रहने वाले विद्यार्थीयो को उन्होने कहा की आज का समय आलराउंडर का है। शिक्षा के अलावा भी हम अन्य क्षेत्रो में अपनी प्रतिभा को साबित कर सफ्लता अर्जित कर सकते है। वहीं सुनील पिपरेवार ने कहा की हम सर्ववर्गीय कलार समाज संगठन को ६ शक्ति केन्द्रो के रूप में विभाजीत कर समाज को एक नयी मजबूती देने का कार्य कर रहे है। खैरलांजी के साथ ही आंरभा, रामपायली, जरामोहंगांव, गर्रा में सम्मेलन कराये जाने के बाद वारासिवनी में भी मेलन का आयोजन किया जायेगा। प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में सत्तर से अधिक अंक हासिल करने वाले मेद्यावी छात्रो का प्रशस्ति पत्र व शील्ड से सम्मान किया गया। इस दौरान शिवम धूवारे, आशीष बिजेवार,विशाल बारेवार,बलराम डोहरे,रवी डोहरे, देवेश डोहरे,दीपक डोहरे,आकाश धूवारे, विशाल चौरावार, हितेश डोहरे, राजा डोहरे, दिनेश चौरावार, राहुल डहरवाल, समीर डहरवाल, मनोज तिलासे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तेजस्विनी महिला कतिया समाज का सावन झूला संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर एक मिश्रा नगर स्थित राधा कृष्ण मंदिर में तेजस्विनी महिला कतिया समाज संगठन के तत्वावधान में सावन झूला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक स्तर पर गणमान्य महिलाओं की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने उपस्थित होकर भगवान राधा कृष्ण की विधि विधान से पूजा अर्चना करने के उपरांत भजन कीर्तन किया गया। जिसके बाद सावन झूला कार्यक्रम में झूला झूल कर समस्त सुहागिन महिलाओं को चूड़ी और बिंदी का वितरण कर खेल गतिविधियां प्रारंभ की गई। जिसमें कुर्सी दौड़, रस्सा कशी सहित विभिन्न खेल महिलाओं के लिए आयोजित किए गए। वहीं बालक बालिकाओं के लिए भी विभिन्न खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान महिला एवं बालक बालिकाओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया वहीं अन्य महिलाओं को सांत्वना पुरस्कार का वितरण भी किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए अनामिका सोनवाने ने बताया कि वर्तमान में सावन का पावन महीना चल रहा है जिसमें सावन झूला एक जरूरी रश्म होता है जिसे उत्सव की तरह हमारे पूर्वज मानते थे। परंतु वह दौर तो नहीं है इसलिए सामाजिक स्तर पर सावन झूला कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जो प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी आयोजित किया गया है। जिसमें समाज की महिलाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर आनंद लिया। जहां भगवान की पूजा अर्चना भजन के साथ खेल गतिविधियां भी करवाई गई। समाज में लगातार महिलाएं अपने घरों में व्यस्त रहती है जिनके लिए इस प्रकार के आयोजन कर एक सामाजिक स्तर पर मिलन समारोह के रूप में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें पर्व मनाने के साथ सामाजिक स्तर पर मिलने का मौका मिलता है। इस अवसर पर कतिया समाज संगठन के पदाधिकारी सदस्य सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

उत्तराखंड में मत्तरू जैसे संस्कृत गांव बनाने के लिए मंत्री -अधिकारी कर्नाटक के दौरे पर

इन दिनों उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ,संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनंद भारद्वाज समेत कई अधिकारी कर्नाटक के शैक्षिक दौरे पर है।उनके इस दौरे का लक्ष्य कर्नाटक की तरह देवभूमि उत्तराखंड में भी संस्कृत गांव बनाना है,हालांकि उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा विभाग ने उत्तराखंड के हर जनपद में एक गांव को संस्कृत गांव विकसित करने के लिए गांव का चयन भी कर लिया है,लेकिन ये गांव मत्तूरु जैसे अभी तक नही बन पाए है।इसी कारण इस दौरे को जरूरी माना गया,ताकि कर्नाटक के अनुभव का लाभ लिया जा सके।मत्तरू गांव में चौबीसों घंटे सिर्फ संस्कृत ही बोली और पढ़ी जाती हैं। 'मत्तूरु' गांव में पिछले छह सौ वर्षों से संस्कृत जिदां है। वहां के लोग दैनिक बातचीत में नियमित संस्कृत का प्रयोग करते हैं। संस्कृत भाषा की जो परंपरा सदियों पहले हुआ करती थी, उस गांव में आज भी यथावत है।

'मत्तूरु' गांव कर्नाटक से करीब 300 किलोमीटर दूर 'तुंग नदी' के निकट बसा है जिसे देश के अंतिम 'संस्कृत भाषी' गांव की उपाधि हासिल है। गांव में रहने वाले प्रत्येक शख्स को संस्कृत बोलनी, लिखनी और पढ़नी अच्छे से आती है। बड़ो से लेकर बच्चे और महिलाएं भी आपस में संस्कृत में ही बातचीत करते हैं। मत्तूर गाँव में 16वीं शताब्दी से संस्कृत बोली जाती है। किसान मजदूरों से लेकर नौकरीपेशा लोग भी संस्कृत में बात करते हैं। इस अनोखे गांव में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी, इंदिरा गांधी,अटल बिहारी वाजपेयी व पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम भी भ्रमण कर चुके हैं। गांव में बाहरी लोगों के लिए कोई होटल या रेस्टोरेंट नहीं है। गांववासी अपने यहां उनके खाने और रूकने की व्यवस्थाएं निःशुल्क करते हैं। संस्कृत प्रेमी जब वहां पहुंचते हैं तो गांव वाले उन्हें पानी और गुड देकर उनका स्वागत करते हैं।

'मत्तूरु' गांव में विभिन्न देशों के लोग संस्कृत सीखने लगातार पहुंचते रहे हैं। संस्कृत भारत की प्राचीन और शास्त्रीय भाषा रही है जिसका इतिहास 3500 साल पुराना है। संस्कृत को 卐देवों की भाषा卐 कहा गया है। संस्कृत के गर्भ से ही संसार की ज्यातार भाषाओं की उत्पत्ति हुई है। वेदों की रचना संस्कृत से ही हुई। संस्कृत को भारत की सर्वाधिक पुरानी भाषाओं में गिना जाता है। सन 1981 में संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए गठित संस्था संस्कृति भारती ने मत्तूर में 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था। इसमें पड़ोसी उडुपी में पेजावर मठ के संत सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया था। जब संत ने संस्कृत को संरक्षित करने के लिए मत्तूर में गांव वालों के उत्साह को देखा, तो उन्होंने तुरंत संस्कृत भाषा को अपनाने की गुजारिश की, जिसे स्थानीय लोगों ने दिल से स्वीकार कर लिया।इसी तरह मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिला मुख्यालय से करीब 45 किमी दूर झिरी गांव ने देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस गांव में रहने वाला हर शख्स संस्कृत में ही बात करता है। यहां के लोगों ने संस्कृत भाषा को पूरी तरह से अपने जीवन में ढाल लिया है। यहां गांव की दीवारों पर संस्कृत में श्लोक लिखे हैं। यहां लोग अपने दिन की शुरुआत गुड मॉर्निंग से नहीं बल्कि नमो नम– से करते हैं।एक हजार की आबादी वाले झिरी गांव में महिलाएं किसान, मजदूर यहां तक की छोटे बच्चे भी संस्कृत में बात करते हैं। इसकी शुरुआत सामाजिक कार्यकर्ता विमला तिवारी ने सन 2002 से की थी। उन्होंने गांव में संस्कृत पढ़ाना शुरू किया। धीरे-धीरे गांव के लोग इस प्राचीन भाषा के करीब आने लगे और आज पूरा गांव फर्राटेदार संस्कृत बोलता है।

आखिर कब समझेंगे हम प्रकृति की मूक भाषा?

पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है। प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात् उन पौधों की अपने बच्चों की भांति ही देखभाल भी करें। पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें खुद सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। अगर हम वाकई चाहते हैं कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां साफ-सुथरे वातावरण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं तो हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? अपनी छोटी-छोटी पहल से हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो। पानी की बचत के तरीके अपनाते हुए जमीनी पानी का उपयोग भी हम केवल अपनी आवश्यकतानुसार ही करें।

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है। कितना ही अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर उस पर ईमानदारी से अमल भी करें। प्रकृति बार-बार अपनी मूक भाषा में चेतावनियां देकर हमें सचेत करती रही है, इसलिए स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की इस मूक भाषा को समझें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना-अपना योगदान दें।

-योगेश कुमार गोयल

डिजिटल शिक्षा बनाम पारंपरिक शिक्षा – भारत के ग्रामीण परिप्रेक्ष्य में

भारत की ग्रामीण आबादी लगभग 65प्रति. है और यह आँकड़ा न केवल जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि भारत के भविष्य की नींव भी है। 2020 के बाद जब कोरोना महामारी ने दुनिया को घरों में कैद कर दिया, तब भारत की शिक्षा व्यवस्था के सामने असाधारण चुनौती आ खड़ी हुई। एक ओर जहाँ महानगरों में डिजिटल तकनीक के सहारे पढ़ाई जारी रही, वहीं दूसरी ओर देश के लाखों गाँवों में स्कूलों के बंद होने से शिक्षा लगभग ठहर-सी गई। यह विरोधाभास ही आज के इस बहस का मूल है — क्या डिजिटल शिक्षा ग्रामीण भारत के लिए वरदान है या फिर पारंपरिक शिक्षा की उपेक्षा का एक नया रूप? भारतीय ग्रामीण समाज में शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं होती — वह जीवन मूल्य, सामाजिक व्यवहार, परंपरा और व्यावहारिक समझ का भी आदान-प्रदान होती है। गाँवों की पाठशालाओं में जो गुरुकुल जैसी आत्मीयता थी, वह स्क्रीन के पार के शिक्षक में नहीं पाई जाती। फिर भी, डिजिटल शिक्षा ने कई संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं। इंटरनेट के माध्यम से अब गाँवों के छात्र भी उन्हीं व्याख्याताओं की कक्षाएँ सुन पा रहे हैं, जो कभी केवल शहरी छात्रों के लिए आरक्षित माने जाते थे। लेकिन इस स्वर्णिम अवसर के बीच अनेक अंधेरे गलियारे भी हैं, जिनका सामना विशेष रूप से ग्रामीण भारत को करना पड़ रहा है। पारंपरिक शिक्षा की आत्मा और ग्रामीण भारत की वास्तविकता – गाँवों की पाठशालाओं में भले ही डिजिटल स्क्रीन न हों, पर वहाँ शिक्षक और छात्रों के बीच जो आत्मीय संवाद होता है, वह मनोवैज्ञानिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पारंपरिक शिक्षा में शिक्षक बच्चों की पारिवारिक, आर्थिक और मानसिक स्थितियों को जानते हैं, समझते हैं और उसी अनुरूप शिक्षा देने की कोशिश करते हैं। ये शिक्षक बच्चों के माता-पिता, ग्राम पंचायत और समुदाय के साथ मिलकर एक ऐसी शैक्षिक संस्कृति गढ़ते हैं, जो न केवल पुस्तकीय ज्ञान देती है, बल्कि लोकजीवन की समझ भी विकसित करती है। पारंपरिक शिक्षा में 'गुरु-शिष्य परंपरा' का स्वरूप भले बदल गया हो, लेकिन उसका मूल भाव अब भी गाँवों में जीवित है। वहाँ शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला नहीं होता, बल्कि वह सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने वाला मार्गदर्शक भी होता है। गाँवों में आज भी छात्रों के स्कूल न आने पर शिक्षक उनके घर जाकर पूछते हैं, परिवारों से संवाद करते हैं। यह समर्पण डिजिटल शिक्षा में संभव नहीं।

इसके अतिरिक्त, ग्रामीण भारत में स्कूल शिक्षा केवल औपचारिक ज्ञान का साधन नहीं, बल्कि बच्चों के सामाजिकरण का भी केंद्र है। बच्चे स्कूल में साथ बैठकर खाना खाते हैं, खेलते हैं, संस्कार सीखते हैं — ये सब मिलकर उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाते हैं। क्या डिजिटल शिक्षा इस समग्र विकास का विकल्प बन सकती है? डिजिटल शिक्षा की क्रांति – वर्चुअल क्लास से गाँव की क्लास तक – बिना किसी संदेह के, डिजिटल शिक्षा ने शिक्षा की पहुँच को अभूतपूर्व रूप से विस्तारित किया है। वर्ष 2021 में भारत में 1.2 बिलियन मोबाइल कनेक्शन और लगभग 850 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता थे — जिनमें बड़ी संख्या ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी हुई है। भारत सरकार की डिजिटल इंडिया卐, ई-विद्या, स्वयं, दीक्षा जैसी पहलें ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा को सुलभ और सस्ता बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं। आज अनेक ग्रामीण छात्र यूट्यूब, बायजूस, खान अकादमी और अनएकेडमी जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से आईआईटी, नीट, यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं — और सफल भी हो रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल शिक्षा में अवसर हैं, गति है, नवाचार है। एक क्लिक पर पाठ्यपुस्तकें, वीडियो व्याख्यान, क्विज़, ई-लर्निंग एप्लिकेशन — सब उपलब्ध हैं। लेकिन इस चमकती हुई तस्वीर के पीछे एक कठोर सच्चाई भी है — ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा के लिए जो आधारभूत ढांचा चाहिए, वह अभी भी अधूरा है। बिजली की अनियमितता, इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या, स्मार्टफोन या टैबलेट की अनुपलब्धता जैसे कई अवरोध हैं। इसके अलावा, डिजिटल साक्षरता की कमी और माता-पिता की तकनीकी जानकारी का अभाव भी डिजिटल शिक्षा को सीमित कर देता है। अंतर की खाई – जो आगे बढ़े और जो पीछे छूटे – शहरी और ग्रामीण भारत के बीच पहले से ही शैक्षिक असमानता मौजूद थी, पर डिजिटल शिक्षा ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है। जहाँ शहरों में बच्चों के पास हाई-स्पीड इंटरनेट, लैपटॉप, वर्चुअल ट्यूटर और अभिभावकों का सहयोग है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को कई किलोमीटर दूर तक नेटवर्क ढूँढ़ने जाना पड़ता है, मोबाइल साझा करना पड़ता है या शिक्षा को पूरी तरह छोड़ देना पड़ता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (हृष्टश्वक्रञ्ज) की 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 60त्न छात्र डिजिटल शिक्षा तक नियमित पहुँच नहीं बना पा रहे हैं। यह आँकड़ा सिर्फ तकनीकी कमी को ही नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को भी उजागर करता है। बहुत से परिवारों के पास एक ही मोबाइल होता है, जिसे माँ-बाप अपने काम के लिए उपयोग करते हैं और बच्चा केवल सीमित समय में पढ़ाई कर पाता है। इसके विपरीत, पारंपरिक शिक्षा में स्कूल जाना, शिक्षकों से मिलना, कक्षा में बैठकर पढ़ना — ये सभी गतिविधियाँ सीखने की निरंतरता बनाए रखती हैं। डिजिटल शिक्षा में यह निरंतरता तब टूट जाती है जब बिजली न हो, मोबाइल चार्ज न हो या नेटवर्क डाउन हो। ऐसे में एक बड़े वर्ग के लिए यह शिक्षा अधूरी, अपूर्ण और असंगत साबित होती है। समाधान की तलाश – संतुलन और समावेशिता की ओर – आज भारत को आवश्यकता है एक ऐसे समग्र, संतुलित और समावेशी शैक्षिक दृष्टिकोण की जो न केवल तकनीकी विकास को अपनाए, बल्कि ग्रामीण समाज की सांस्कृतिक और व्यावहारिक वास्तविकताओं को भी सम्मान दे। डिजिटल शिक्षा को ग्रामीण भारत में सफलतापूर्वक लागू करने के लिए सबसे पहला कदम अवसंरचना (infrastructure) को सुदृढ़ करना है। जब तक प्रत्येक गाँव में सुचारु बिजली आपूर्ति, हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी, सस्ते और टिकाऊ डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक डिजिटल शिक्षा केवल एक 'नगरीय कल्पना' बनी रहेगी। ग्रामीण छात्रों के लिए टैबलेट या स्मार्टफोन खरीदना एक बड़ी आर्थिक चुनौती है; इसलिए सरकार को चाहिए कि वह ज़रूरतमंद छात्रों को शैक्षिक उपकरणों की अनुदान-आधारित व्यवस्था दे — जैसे मध्याह्न भोजन योजना की तरह एक 卐डिजिटल लर्निंग पैकेज卐 प्रदान करना। इसके अतिरिक्त, केवल उपकरण देना पर्याप्त नहीं है। डिजिटल साक्षरता — यानी तकनीक का उपयोग करने का प्रशिक्षण — भी उतना ही ज़रूरी है। माता-पिता, शिक्षक और विद्यार्थी — तीनों के लिए डिजिटलीकरण को अपनाना आसान नहीं होता, विशेषकर जब तकनीक उनके जीवन में एकदम नई हो। इस चुनौती का समाधान स्थानीय स्तर पर 'डिजिटल शिक्षा सहायकों' की नियुक्ति हो सकता है, जो ग्रामीण विद्यालयों और समुदायों में जाकर लोगों को तकनीक के व्यावहारिक प्रयोग सिखाएं। ग्राम पंचायतों और महिला स्व-सहायता समूहों को भी इसमें जोड़ा जा सकता है ताकि डिजिटल साक्षरता एक सामाजिक अभियान बन जाए, न कि केवल सरकारी घोषणा। नीति-निर्माण में ग्रामीण दृष्टिकोण की अनिवार्यता – भारत में शिक्षा नीति अकसर शहरी संदर्भों में निर्मित होती है और बाद में उसे पूरे देश में लागू कर दिया जाता है, जबकि ग्रामीण भारत की अपनी विशिष्ट आवश्यकताएँ हैं। नई शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने की बात तो की गई है, पर इसकी व्यावहारिक सफलता ग्रामीण परिप्रेक्ष्य में तब तक नहीं आ सकती जब तक नीति निर्माण के दौरान ग्राम्य समाज, स्थानीय स्कूल व्यवस्थाएं, क्षेत्रीय भाषाएँ और सांस्कृतिक मान्यताएं सम्मिलित न हों। एकरूपता की बजाय विविधता को स्वीकार करना इस दिशा में एक निर्णायक कदम होगा। सरकार को चाहिए कि वह शिक्षा योजनाओं को 'डिजिटल + स्थानीय' मॉडल के रूप में लागू करे, जिसमें शैक्षिक ऐप्स और वीडियो स्थानीय भाषाओं में हों, क्षेत्रीय संदर्भों पर आधारित सामग्री हो और शिक्षकों को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ स्थानीय सामाजिक स्थिति को समझने का निर्देश भी मिले। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएं जो उन्हें हाइब्रिड शिक्षण पद्धति अपनाने में सक्षम बनाएं — जहाँ वे आवश्यकता अनुसार कभी डिजिटल माध्यम से तो कभी पारंपरिक पद्धति से पढ़ा सकें। मिश्रित (हाइब्रिड) मॉडल – भविष्य की दिशा – वास्तविकता यह है कि न तो डिजिटल शिक्षा पूरी तरह पारंपरिक शिक्षा का विकल्प बन सकती है और न ही पारंपरिक शिक्षा अकेले आज की जटिल आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है। समाधान मिश्रित मॉडल में है, जिसमें डिजिटल संसाधनों का उपयोग पारंपरिक कक्षा शिक्षण के पूरक के रूप में किया जाए। उदाहरण के लिए, गाँवों के प्राथमिक स्कूलों में यदि सप्ताह में दो दिन ऑनलाइन वीडियो व्याख्यान चलाए जाएं और शेष दिन सीधे शिक्षक शिक्षण करें, तो छात्रों को दोनों तरीकों का लाभ मिल सकता है। इस मिश्रित मॉडल का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि शिक्षक तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके अपनी शिक्षण शैली को समृद्ध बना सकेंगे और साथ ही बच्चों की भावनात्मक व सामाजिक आवश्यकताओं को भी संबोधित कर पाएंगे। डिजिटल कंटेंट से विद्यार्थी रोचक तरीके से विषयों को समझ सकेंगे और पारंपरिक कक्षा में वे उन विषयों पर शिक्षक से चर्चा कर सकेंगे। यह मॉडल विशेष रूप से ग्रामीण भारत में प्रभावी हो सकता है, जहाँ संसाधनों की कमी को तकनीक के माध्यम से पूरा किया जा सकता है, पर सामाजिक बंधन और व्यक्तिगत मार्गदर्शन की आवश्यकता अब भी अत्यधिक है। सामाजिक चेतना और समुदाय की भूमिका – डिजिटल शिक्षा की सफलता केवल सरकारों या स्कूलों की जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए; समाज की सामूहिक भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। गाँवों में डिजिटल शिक्षा को जनांदोलन बनाने के लिए स्थानीय स्वयंसेवी संगठन, किसान समूह, युवा मंडल और महिला मंडल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि प्रत्येक गाँव में एक 'शैक्षिक केंद्र' स्थापित किया जाए, जहाँ बच्चे शाम को आकर इंटरनेट का उपयोग कर सकें, वीडियो व्याख्यान देख सकें और अपने संदेहों को सुलझा सकें — तो यह एक बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

-शैलेश शुक्ला

अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति की दिशा में मध्य एशिया

इस्राईल को लंबे समय से मिल रहे अमेरिकी संरक्षण से वैसे तो पूरी दुनिया भली भांति वाकिफ है। परन्तु अब इस अमेरिकी संरक्षण के चलते इस्राईल खासतौर से गाजा में जिसतरह मानवता की लगातार बर्बर हत्या करता जा रहा है उसे देखकर दुनिया के अधिकांश देश न केवल इस्राईल के खिलाफ होते जा रहे हैं बल्कि उन्हें इस्राईल को दिया जाने वाला अमेरिकी संरक्षण भी अब रास नहीं आ रहा है। वास्तव में शांतिप्रिय मध्य एशिया में तबाही,बर्बादी व अशांति की इबारत लिखने वाला अमेरिकी संरक्षित इस्राईल ही है। 7 अक्टूबर 2023 को जब से दक्षिणी इस्राइल पर हमास द्वारा हमले किये गये और 251 लोगों को बंधक बनाया गया उसके बाद इस्राईली सेना (आईडीएफ) ने हमास की आतंकी कार्रवाई के जवाब में जिस तरह ग़ज़ा पट्टी में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की और आज तक जारी है उसने इस्राईल व अमेरिका के अमानवीय चेहरे को पूरी तरह उजागर कर दिया है। गाजा में बर्बरता और अत्याचार की हर सीमाओं को इस्राईल पार कर चुका है। रिहाइशी बस्तियों अस्पतालों स्कूलों शरणार्थी कैंपों धर्मस्थलों आदि को खंडहर बनाने के बाद अब भूखे निहत्थों को मार रहा है। खबर है कि ग़ज़ा में ग़ज़ा ह्यूमनटेरियन फ़ाउंडेशन (जीएचएफ़) की ओर से बांटा जा रहा खाना बहुत कम लोगों तक पहुंचने के कारण वहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। कई बार ऐसी अमानवीय घटना भी घटी कि जब जीएचएफ़ के भोजन वितरण केंद्र पर मदद लेने के लिए भूख से तड़पते बच्चे व महिलायें भोजन की खातिर आकर लाइन में लगे उसी समय उन पर इसराइली सुरक्षा बलों ने गोलियां चला दीं जिससे दर्जनों लोग मरे गये। कई बार इस्राईली सुरक्षा बलों द्वारा भूखे शरणार्थियों को खाना देने के लिये बुलाया गया,बाद में लाइन में खड़े होने के बाद उनपर गोलीबारी कर अनेक लोगों की हत्या कर दी गई । संयुक्त राष्ट मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार पिछले दो महीनों में भोजन हासिल करने की कोशिश कर रहे एक हजार से अधिक फिलस्तीनी, इस्राईली हमलों में मारे जा चुके हैं। इनमें से कम से कम 766 लोगों की मौत उन चार वितरण केंद्रों के आसपास हुई है, जिन्हें जीएचएफ़ संचालित करता है। इसके अलावा 288 लोगों की मौत संयुक्त राष्ट और अन्य सहायता केंद्रों के पास हुई है। सौ से अधिक सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि ग़ज़ा में बड़े पैमाने पर मानव जनित भुखमरी फैल रही है। अंतरराष्टीय खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने इन हालात के लिए इस्राईल को ज़म्मिेदार ठहराया है क्योंकि वही फिलस्तीनी क्षेत्रों में भेजी जाने वाली सप्लाई को नियंत्रित करता है। आम लोग ही नहीं बल्कि गाजा में युद्ध की रिपोर्टिंग करने वाले अनेक स्थानीय व विदेशी पत्रकार व उनका परिवार भी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। कुछ पत्रकार तो इस हद तक असहाय हो चुके हैं कि वे अपने मासूम असहाय बच्चों व परिवार के लिए भोजन तक नहीं जुटा पा रहे हैं। ग़ज़ा में काम करने वाले कुछ पत्रकार तो अपनी जान की बाजी लगाकर लाइनों में लगकर चैरिटी किचन से खाना ले रहे हैं। उनके बच्चे दिन में सिर्फ एक बार दाल, चावल या पास्ता खा कर गुजारा करने को मजबूर हैं। कुछ पत्रकारों ने तो यहाँ तक बताया कि उन्होंने भूख दबाने के लिए नमक मिला पानी पीना शुरू कर दिया है। जरा सोचिये जिन पत्रकारों की बदौलत दुनिया को इस्राईली सेना के जुल्म और गाजा के लोगों की बेबसी व बर्बादी की खबर सुनाई व दिखाई देती थी अगर वही पत्रकार व उनका परिवार सुरक्षित नहीं रहेगा तो अमेरिकी संरक्षित इस्राईल के काले करतूत दुनिया तक कैसे पहुंचेंगे ? इन्हीं हालात में अनेक अंतर्राष्टीय राहत संगठन और मानवाधिकार समूह बड़े पैमाने पर भुखमरी फैलने की चेतावनी दे रहे हैं। एक ओर तो इस्राईल-अमेरिका फिलिस्तीनियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले हमास को आतंकी संगठन बताकर उसकी आड़ में पूरे फिलिस्तीन पर नियंत्रण हासिल करने की फिराक में है तो दूसरी ओर यही इस्राईल-अमेरिकाअहमद हुसैन अल-शरा, जिसे अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है,को सीरिया में बशर अल असद का त?ता पलटकर उसे अंतरिम राष्टपति बना देता है। यह वही जुलानी है जिसपर कुछ समय पहले तक अमेरिका ने दस मिलियन डॉलर का ईनाम घोषित कर रखा था। क्योंकि वह अलकायदा से जुड़ा था। 2017 में उसने अन्य कई आतंकी संगठनों के साथ मिलाकर हयात तहरीर अल-शाम HTS नामक संगठन बना लिया था। अमेरिका ने HTS को आतंकी लिस्ट में भी रखा था। अब अमेरिका ने उसके संगठन HTS को आतंकी लिस्ट से भी हटा दिया है । गोया जो व्यक्ति अमेरिका के हर विभाजनकारी इरादों में साथ रहे वह उसके लिए आतंकवादी नहीं और जो उसके और इज़रायल के ख़िलाफ़ हो या अपनी स्वतंत्र नीति रखता हो वह आतंकवादी घोषित हो जाता है चाहे वह ईरान जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट ही क्यों न हो ? बहरहाल, अमेरिका को सर्वशक्तिमान मानने वाले व अमेरिकी रहमो करम पर जीने वाले कुछ अमेरिकी पिट्ठू देशों की शासकों व तानाशाहों की बात छोड़ दें तो पूरा विश्व खासकर मध्य एशियाई देश इस बात को समझ चुके हैं कि अब समय आ गया है कि किसी भी तरह इस्राईल को सबक सिखाया जाये और मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति दिलाई जाये। ईरान का भय दिखाकर सुन्नी शिया मतभेदों को बढ़ावा देना दरअसल अमेरिका की सुन्नी देशों के प्रति हमदर्दी नहीं बल्कि एक बड़ी चाल है जिसे मुस्लिम जगत अब बखूबी समझ चुका है। मुस्लिम जगत जुलानी की आड़ में सीरिया को बर्बाद करने की साजिश को भी समझ रहा है।परन्तु खबर यह भी है कि सीरियाई जनता भी अमेरिका इस्राईल के सीरिया के प्रति नापाक इरादों को भांप कर एकजुट होने लगी है। मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिका से मुक्त कराने के शुरुआत संकेत मिलने लगे हैं। ईरान ने गत 23 जून को कतर की राजधानी दोहा स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद एयरबेस पर मिसाइलें दा? कर तथा इरा? और सीरिया में भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना कर यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिकी सैन्य अड्डे मध्य एशियाई क्षेत्रों में सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही इराकी प्रतिरोध समूहों, विशेष रूप से कताइब हिजबुल्लाह, ने इराकी सरकार को यह चेतावनी जारी कर दी है कि वह अमेरिकी सेना को दो महीने के भीतर बगदाद अंतरराष्टीय हवाई अड्डा और ऐन अल-असद बेस जैसे इराकी सैन्य ठिकानों, से पूरी तरह से हटने के लिए कहे। इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को इस संबंध में पहले से सहमति के आधार पर कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, और अब केवल दो महीने बचे हैं। यानी सितंबर 2025 के अंत तक अमेरिका को इराक छोड़ने की चेतावनी दे दी गयी है। इस चेतावनी में यह भी कहा गया है कि अगर यह कार्रवाई समय सीमा में पूरी नहीं हुई, तो उनकी अलग राय होगी , हालांकि उन्होंने अलग राय को स्पष्ट नहीं किया।इस तरह की अनेक छोटी बड़ी घटनाओं व अंतर्राष्टीय स्तर पर हो रही गोलबंदी को देखते हुये इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि मध्य एशिया अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति के प्रयास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

-तनवीर जाफरी

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। स्टॉकिस्ट लेवाली से आलौच्य सप्ताह के दौरान अनाज मंडी में चना बाजार उछाल पर रहा। मूंग व मसूर में सुधार रहा। खाद्य तेलों में आंशिक बड़त रही। तिलहनों में सोयाबीन में कमजोर आवकों से सुधार रहा। किराना जिंसों में शक्कर बाजार बड़त पर नज़र आये।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। रक्षाबंधन के लिए दिसावरी माँग आने वाले दिनों में रहने की आशा है। शक्कर में अब माँग का सीजन है। त्यौहारी माँग को देखते हुए बाजार में नये सिरे से सुधार बन सकता है। फिलहाल बाजार 4120-4135 रू. प्रति क्विंटल के दायरे में है। खोपरे गोले में माल की अक्षत है। पिछले दिनों आयी जोरदार तेजी के बाद भी खोपरा गोला लगातार सुर्खी बनाये हुये है। खोपरे गोले में बाजार 320-385 रू. प्रति किलो की रेंज में है। सूखे मेवों में छुटपुट माँग का सीजन है। बादाम गिरी बोल्ड मालों में 850-890 रू. प्रति किलो की रेंज में है। वहीं, काजू व तरबूज मगज में भी बाजार मजबूती पर ही रहे। नारियलों में आयी एकाएक तेजी के बाद बाजार ठहर गये है। नारियलों में 120 भरती मालों में बाजार 3150-3200 रू. प्रति थैले पर आ गये है। अन्य किराना जिंसों में कामकाज की मात्रा सामान्य ही रही।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में नये सीजन के शुरू होने के बादा ही आगे का भविष्य तय होगा, जिसमें अभी समय है। फिलहाल सोयाबीन बाजार 4300-4350 रू. प्रति क्विटल का सुधार देखा गया। वहीं, रायडा बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। खाद्य तेलों में सींगदाना तेल 10 रू. प्रति 10 किलो के सुधार से 1420-1440 रू. प्रति 10 किलो पर रहा। सोया व कपास्या तेलों में भी 5-10 रू. प्रति 10 किलो का सुधार रहा।

दाल दलहन - आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में कारोबार ठंडा-ठंडा ही रहा। चने में लेवाली निकलने से बाजार 200-250 रू. प्रति क्विंटल उछलकर 6400-6500 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। मूंग व मसूर में पूछपरख से 50-100 रू. प्रति क्विंटल का सुधार दर्ज हुआ। तुअर में बाजार बने रहे।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में हल्की बढ़त रही

नई दिल्ली । त्योहारों के मौसम के करीब आने से घरेलू तेल-तिलहन बाजार में पिछले सप्ताह सरसों, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के दामों में मामूली सुधार देखा गया। वहीं मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से करीब 16-17 प्रतिशत नीचे थोक भाव पर कारोबार कर रहे हैं। इस वजह से मूंगफली तेल का व्यापार अपेक्षाकृत धीमा रहा। विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दामों में सुधार और रुपये के कमजोर होने से भी घरेलू बाजार पर प्रभाव पड़ा है। आयातक आर्थिक कठिनाइयों के कारण सोयाबीन डीगम तेल को लागत से भी कम दाम पर बेचने को मजबूर हैं। इससे तेल उद्योग की स्थिति कमजोर हुई है। आने वाली खरीफ फसल के बीच सरकार से इस स्थिति को लेकर गंभीर नीतिगत कदम उठाने की मांग की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पहले के कम एमएसपी वाले सोयाबीन और मूंगफली तेल की बिक्री में दिक्कत हो रही है, तो अधिक एमएसपी वाले आने वाले खरीफ फसल के तेलों का बाजार बनाना चुनौतीपूर्ण होगा। इसीलिए देशी तेल-तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी है। साथ ही सरसों तेल के ऊंचे खुदरा दामों को नियंत्रित करने के लिए राशन दुकानों के माध्यम से वितरण पर भी विचार होना चाहिए। सरकार को सोयाबीन, मूंगफली और सूरजमुखी जैसे अन्य तेलों के खुदरा और थोक दामों की पारदर्शिता के लिए एक सरकारी वेब पोर्टल बनाने का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा, कपास उत्पादन बढ़ाने और मिलावटी बिनौला खल के कारोबार पर रोक लगाने की भी सिफारिश की गई है, क्योंकि इससे किसानों को नुकसान हो रहा है। पिछले सप्ताह सरसों दाने के थोक भाव में 25 रुपये की बढ़त के साथ 7,375-7,425 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सोयाबीन के दामों में भी 150 रुपये तक सुधार दर्ज किया गया। सीपीओ, पामोलीन और बिनौला तेल के भावों में भी हल्की बढ़त रही। कुल मिलाकर घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सुधार के बीच सरकार को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्थिरता के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार में 6.5 फीसदी से अधिक वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत गति से आगे बढ़ रही है और 2025-26 में इसके 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि दर प्राप्त करने में कोई बड़ी चुनौती नहीं होगी। यह बात भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को एक साक्षात्कार में कही। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर है। जबकि एक-तिहाई से अधिक देशों को ऋण संकट और धीमी आर्थिक गतिविधियों का सामना करना पड़ रहा है, भारत की वृद्धि घरेलू खपत और निवेश पर आधारित होने के कारण स्थिर बनी हुई है। कुमार ने उम्मीद जताई कि न केवल चालू वित्त वर्ष बल्कि अगले कुछ वर्षों में भी भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 से 7.5 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। पिछले वित्त वर्ष में भी जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति के बारे में उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति जून में घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई है, जो आरबीआई की सख्त मौद्रिक नीति का नतीजा है। हालांकि, आगे ब्याज दरों में कटौती मुद्रास्फीति और अन्य आर्थिक संकेतकों पर निर्भर करेगी। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। 2024-25 में यह 81 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। हालांकि, शुद्ध एफडीआई प्रवाह थोड़ा कम रहा क्योंकि भारत से बाहर भी निवेश बढ़ा है।

एनएलसी इंडिया विदेशों से दुर्लभ खनिज खरीदने की तैयारी में

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड विदेशों से दुर्लभ खनिज की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय हो गई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार के खान और कोयला मंत्रालय के निर्देश पर कंपनी ने अफ्रीकी देशों में निवेश की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी हैं। एनएलसी ने माली में लिथियम खदानों और कांगो गणराज्य में तांबा और कोबाल्ट खनिज के लिए शुरुआती स्तर की बातचीत की है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आप अपने कामों को संयम से निपटाने की पूरी कोशिश करें। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो आपके उस धन के वापस आने की संभावना बहुत कम है। जिस कारण आपका खर्चा बढ़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है, जिसको लेकर भागदौड़ लगी रहेगी। आपको अपनी किसी शारीरिक समस्या को लेकर कुछ टेस्ट आदि भी कराने पड़ सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। आपको बिजनेस में कुछ चुनौतियां आएंगी, लेकिन आप उनका डटकर सामना करेंगे और आप अपने जीवनसाथी को कहीं घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं। कामकाज को लेकर आप कोई नई प्लानिंग करेंगे। आप अपने किसी सहयोगी से काम को लेकर सलाह ले सकते हैं। आपको अपनी संतान के संगति पर विशेष ध्यान देना होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपका धन कहीं फंसा हुआ था, तो वह आपको मिल सकता है। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं, जिससे आपका मान सम्मान और बढ़ेगा। आपको अपनी माताजी से किए हुए वादे को समय रहते पूरा करना होगा। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति यदि आपसे धन उधार मांगे, तो आप उसे बिल्कुल ना दें। जिससे आपके आपसी रिश्ते में गड़बड़ी हो सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आ रहा है। आप मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। आपको अपने किसी कानूनी मामले को लेकर अधिकारियों से मदद लेनी पड़ सकती हैं। यदि आपको किसी काम को लेकर कुछ टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। आपका कोई नया वाहन खरीदने का सपना था, तो वह भी पूरा होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। आपको किसी के साथ पार्टनरशिप करने से नुकसान होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कोई चुगली लगा सकता है। आप अपने माता-पिता को किसी यात्रा पर लेकर जा सकते हैं। संतान की संगति की ओर आपको विशेष ध्यान देना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में कुछ समस्याएं खड़ी होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आज आपकी आय के सोर्स बढ़ेंगे। आपका कोई महत्वपूर्ण काम यदि लंबे समय से अटका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपके अपने चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपकी कोई बात परिवार में किसी सदस्य को बुरी लग सकती है। आपको अपने किसी शारीरिक समस्या को छोटा नहीं समझना है, नहीं तो आने वाले समय में बढ़ सकती है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए खर्चा भरा रहने वाला है। सामाजिक और राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को जन समर्थन में इजाफा होगा। आप बेफिजूल के खर्चों को करके अपनी सेविंग को कम करेंगे। आपको अपने पिताजी से भी डांट खानी पड़ सकती है। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें। आप कहीं घूमने-फिरने जाएं, तो अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपको इसके बाद खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें। आपने किसी से धन उधार लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आप अपने किसी परिजन को घर मेल-मिलाप कराने जा सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ रोमांटिक पल व्यतीत करेंगे। आप अपने विरोधियों को आसानी से मात देने में कामयाब रहेंगे। आप अपने बिजनेस को लेकर कुछ योजना बनाने की पूरे कोशिश करेंगी। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप अपने घर पर कामों में कोई बदलाव कर सकते हैं। आपको काम को लेकर मेहनत अधिक करनी होगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम में हाथ डालने से बचने के लिए रहेगा। यदि आप नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे हैं, तो फिलहाल कुछ समय रुक जाएं। आपकी अपने भाई-बहनों से खटपट हो सकती हैं। आपको किसी वाद-विवाद को ध्यान रहकर सुलझाने की आवश्यकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में कमजोर रहने वाला है। आप अत्यधिक तले भूने भोजन से परहेज रखें। परिवार में किसी सदस्य को कहीं बाहर नौकरी मिलने में जाना होगा। दोस्तों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपकी कुछ मौसमी बीमारियां उभर सकती हैं। आप अपने बिजनेस में किसी के साथ पार्टनरशिप ना करें।

मीन- आज का दिन आपके लिए कठिनाईयों से भरा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। यदि आपने किसी लोन के लिए कोई अप्लाई किया था, तो उसके भी आपको मिलने की संभावना है। आप अपनी सोच में सकारात्मकता बनाए रखें।

शब्दजाल - 7973

शब्दजाल में जॉनी वाकर की10 फिल्मों के नाम ढूंढिए, नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं।

मेरे हुजूर, शिकार, मेमसाब, नवाब साहब, मिलन की रात, संतान, सेवक, राजा रानी, शान, हम दोनों

मे	म	सा	ब	सी	ब	से	ज	ग	ल	व
म	रे	ली	प्रे	शा	न	स	व	ज	कां	ड़
स	मे	हु	बा	दी	छ	झि	आ	क	ब	क
ई	नौ	ब	जु	बा	वा	स	थ	ह	ष	रा
डि	आ	शि	का	र	चा	न	सा	न	भ	जा
या	ल	मि	र	रा	क	ब	ती	ण	घ	रा
द	सिं	प	ल	छ	वा	र	स	बा	व	नी
ह	ह	ऊ	ई	न	ब	क	फ	चो	श	क
म	म	तु	ला	र	की	स	या	औ	र	आ
दो	गॉ	ल	प	लि	जी	रा	भ	म	प	द
नों	ड	क	र्क	य	क	र	त	सं	ता	न

शब्दजाल - 7972 का हल

क	र्ज	ला	ई	धा	बा	क	गो	ल	नौ	ण
ने	बा	म	ब्न	ब्रा	ह	रा	री	श	प	ती
तें	दु	ज	प	व	जी	र्त	त	बें	हा	त
क	दु	नू	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6917

1		2	3	■	4	5		6	
	■	7		8	■		■		■
■	9	■	■	10	11		■	12	13
14			■	15		■	16		
■		■	17		■	18		■	
19	■	20		■	21	■		■	
22		■		■	23	24		25	■
	■	26	■	27				28	29
30				■	■	31		■	
	■		■	32			■	33	

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6916

उ	म्मी	द	■	छ	लि	या	■	मे	ला
त्स	■	डॉ	न	■	बा	ग	द	री	■
व	च	न	■	वा	स	ना	■	जं	ग
■	र	■	सौ	दा	■	■	आ	ग	■
आ	स	रा	■	■	पा	की	जा	■	ग
रा	■	जा	नू	■	ल	■	द	रा	र
ध	र्मा	■	त	र	की	ब	■	■	म
ना	■	जी	न	त	■	ना	च	■	म
■	■	ने	■	न	ज	र	■	प्या	सा
खा	न	दो	स्त	■	■	स	नी	■	ला

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.59 बजे से
चंद्र	सिंह में	कन्या	09.11 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.21 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.36 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.52 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.57 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.44 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.16 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.47 बजे से
राहुकाल		वृष	00.27 बजे से
7.30 से 9.00		मिथुन	02.25 बजे से
बजे तक		कर्क	04.39 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 209 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** चतुर्थी 23.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 17.36 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 02.54 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 10.59 बजे तदनन्तर विष्टि 23.25 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 03.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 58' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872419 **जूलियन दिन** 2460884.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी, श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: साधक का जीवन

तर्कशास्त्र के महान पंडित रामनाथ ने नवद्वीप के वन में गुरुकुल स्थापित किया था। उस समय कृष्ण नगर में विद्यानुरागी महाराज शिवचंद्र का शासन था। उन्होंने पं. रामनाथ की चर्चा सुनी। एक दिन वह उनसे मिलने पहुंच गए। पंडित जी ने उनका समुचित स्वागत सत्कार किया। थोड़ी देर बाद महाराज ने उनसे पूछा, 'मैं आपकी क्या मदद करूं?' रामनाथ ने कहा, 'राजन, ईश्वर ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं, अब मैं पूर्ण हूं।' महाराज बोले, 'मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। क्या कोई कठिनाई आ रही है?' पंडित जी ने मुस्कराकर कहा, 'अब घर के खर्च आदि के बारे में गृहस्वामिनी मुझसे अधिक जानती हैं। यदि आपको कुछ पूछना हो तो उन्हीं से पूछ लें।' महाराज ने पंडित जी के घर पहुंचकर उनकी साध्वी गृहिणी से पूछा, 'माताजी, घर खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं है?' इस पर उन परम साध्वी ने कहा, 'महाराज, भला सर्व समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तों को क्या कमी रह सकती है?' महाराज ने कहा, 'हम आपको कुछ गांवों की जागीर देना चाहते हैं। इससे होने वाली आय से गुरुकुल भी ठीक तरह से चल सकेगा और आपके जीवन में भी कोई अभाव नहीं रहेगा।' उत्तर में वह वृद्धा ब्राह्मणी मुस्कराई और कहने लगी, 'राजन, प्रत्येक मनुष्य को परमात्मा ने जीवन रूपी जागीर पहले से ही दे रखी है। जो जीवन की इस जागीर को भली प्रकार संभालना सीख जाता है, उसे फिर किसी चीज का कोई अभाव नहीं रह जाता।' साधक दंपती के चरणों में महाराज का मस्तक श्रद्धा से झुक गया।

सूडोकु नवताल- 7226

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7225 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 8441

1	2		3		4			
							5	
6			7				8	9
		10			11	12		
13						14		
		15	16		17			
18	19		20				21	
		22						

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर,रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य,कीमत,दर-2
10. जी,इच्छा,चित-2
11. नकल,टोटी-2
13. बारीक,सूक्ष्म-3
14. रेखा,लाइन-3
15. रग,नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध,कत्ल,मर्डर-2
20. दौड़ने वाला,धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना,प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण,बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह,जिज्ञासा-3
16. हद,सीमा,बार्डर-4
17. हमेशा,सदैव-4
19. बलिदान,परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-8440 का हल

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

कंपनियों के तिमाही नतीजों, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर से तय होगी बाजार की दिशा

नई दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार में इस सप्ताह भारी उतार-चढ़ाव की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार की दिशा कई अहम कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें प्रमुख कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां शामिल हैं। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण पीएमआई, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और वैश्विक बाजार के रुझान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विशेष रूप से अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारत सहित कई देशों पर लगाए गए जवाबी शुल्क पर एक अगस्त को लगी रोक समाप्त हो रही है, जो बाजार की नज़र इस पर भी रहेगी। इसके साथ ही थाइलैंड और कंबोडिया के बीच भू-राजनीतिक तनाव भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। बाजार के जानकारों ने बताया कि जुलाई महीने के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, सन फार्मा और आईटीसी जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे सामने आएंगे, जो बाजार की मजबूती और कंपनियों के प्रदर्शन का संकेत देंगे। एक बाजार के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि इन नतीजों से यह स्पष्ट होगा कि बाजार को भविष्य में समर्थन मिलेगा या नहीं। उन्होंने बताया कि निवेशक विदेशी कोषों के प्रवाह और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर भी ध्यान देंगे। पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 294 अंक और निफ्टी में 131 अंक की गिरावट आई है। एक कंपनी के शोध प्रमुख ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अनिश्चितता, मिले-जुले तिमाही नतीजे और बढ़ती एफआईआई निकासी के कारण बाजार कमजोर रहेगा। इस प्रकार इस सप्ताह निवेशकों के लिए सतर्कता और सूझ-बूझ के साथ बाजार की गतिविधियों को समझना बेहद जरूरी है।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता जारी, ब्रिटेन संग एफटीए को मिली मंजूरी- वित्त मंत्री

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अमेरिका और ब्रिटेन के साथ भारत की व्यापार वार्ताएं सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि उनका प्रशासन 1 अगस्त से देश-विशेष टैरिफ लागू कर सकता है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका अधिकांश देशों के साथ अपने व्यापार समझौते अंतिम रूप देने के करीब है और संबंधित देशों को पत्र भेजे जाएंगे, जो समझौते की पुष्टि माने जाएंगे। राष्ट्रीय राजधानी में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान सीतारमण ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। उन्होंने इस पर सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत किया जा रहा है। इस बीच भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस सप्ताह संपन्न हुआ है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इसे गेम-चेंजिंग बताते हुए कहा कि यह समझौता किसानों, व्यापारियों, एमएसएमई, युवा पेशेवरों और मछुआरों को अपार अवसर प्रदान करेगा। यह समझौता, जिसे कम्प्रेसिव इकानामिक एड ट्रेड एग्रीमेंट (सीईटीए) नाम दिया गया है, ब्रिटेन को भारत के 99 फीसदी निर्यात के लिए शुल्क मुक्त पहुंच देगा। भारत की कैबिनेट इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है और अब इसे ब्रिटिश संसद की अनुमति मिलने का इंतजार है।

फेड बैठक से पहले ट्रंप ने पॉवेल पर बढ़ाया दबाव, ब्याज दरों पर रहेगी सबकी नजर

वाशिंगटन। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल और उनके सहयोगी मंगलवार से दो दिवसीय बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में ब्याज दरों को लेकर फैसला लिया जाएगा। यह बैठक ऐसे वक्त हो रही है जब अमेरिका पर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है, व्यापार नीतियों में बदलाव हो रहे हैं और आर्थिक संकेतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इस हफ्ते खास बात यह है कि फेड की बैठक के साथ-साथ अमेरिका सरकार भी तीन बड़े आर्थिक आंकड़े जारी करेगी, जीडीपी, रोजगार और महंगाई से जुड़ा आंकड़ा, जिसे फेड खास तौर पर देखता है। ज्यादातर जानकारों को उम्मीद है कि फेड इस बार भी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और उन्हें स्थिर रखेगा। अनुमान जताया जा रहा है कि अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका की आर्थिक गतिविधियों में बढ़त देखने को मिल सकती है, जिसकी मुख्य वजह व्यापार घाटे में तेज गिरावट हो सकती है। हालांकि, जुलाई महीने में रोजगार की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। वहीं, जून महीने की महंगाई दर में मामूली तेजी आने के संकेत हैं। अमेरिका की जीडीपी की सरकारी अनुमान रिपोर्ट में इस तिमाही के लिए सालाना आधार पर 2.4 फीसदी की वृद्धि दिखने की संभावना है, जबकि जनवरी-मार्च तिमाही में अर्थव्यवस्था में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, बुधवार को जारी होने वाली रिपोर्ट से साफ हो सकता है कि घरेलू मांग और कारोबारी निवेश में अभी भी ज्यादा तेजी नहीं आई है। एक सर्वे में विश्लेषकों का अनुमान है कि इस तिमाही में उपभोक्ता खर्च केवल 1.5 फीसदी बढ़ेगा, जो कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से लगातार दो तिमाहियों में सबसे कमजोर प्रदर्शन हो सकता है। साथ ही कमजोर हाउसिंग मार्केट का असर भी दूसरी तिमाही की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ा है। हफ्ते के अंत में आने वाली जुलाई की जॉब रिपोर्ट से संकेत मिल सकता है कि कंपनियां अब नई भर्तियों को लेकर अधिक सावधानी बरत रही हैं।

महादेव की अनूठी भक्ति-फ्राइडे साइकिल राइडर लवर ग्रुप ने कोटेश्वर महादेव को चढ़ाया जल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भगवान शिव, जिन्हें देवों के देव महादेव के नाम से जाना जाता है, के प्रति भक्तों की आस्था और भक्ति का जुनून अनुपम और अनोखा होता है। सावन मास में शिव भक्त अपनी श्रद्धा को विभिन्न रूपों में व्यक्त करते हैं। कोई पैदल कांवड़ लेकर शिव धाम पहुंचता है, कोई डाक बम कांवड़ के साथ जल चढ़ाने की यात्रा करता है, तो कोई वाहन से पवित्र जल लेकर महादेव का अभिषेक करता है। इसी कड़ी में गोंदिया के फ्राइडे साइकिल राइडर लवर ग्रुप ने एक अनूठा और प्रेरणादायक प्रयास किया। इस ग्रुप के युवाओं ने रविवार को गोंदिया से लांजी तक 65 किलोमीटर की साइकिल यात्रा कर दादा कोटेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया। यह यात्रा न केवल उनकी शारीरिक दृढ़ता को दर्शाती है, बल्कि महादेव के प्रति उनकी गहरी आस्था और समर्पण को भी उजागर करती है।

साइकिल यात्रा-भक्ति और साहस का संगम

फ्राइडे साइकिल राइडर लवर ग्रुप के सदस्यों—अरुण बन्नाठे, दीपक गाड़ेकर, जितेंद्र खरबड़े, दीपक अनवानी, और 13 वर्षीय युवा हर्ष ठाकरे—ने इस यात्रा की शुरुआत गोंदिया के जय स्तंभ चौक से सुबह 5 बजे की। अपने साथ पवित्र जल लेकर ये भक्त साइकिल पर सवार होकर लांजी की ओर रवाना हुए। 65 किलोमीटर की इस चुनौतीपूर्ण यात्रा को उन्होंने सुबह 8:30 बजे तक पूरा किया और दादा कोटेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस यात्रा में उनकी भक्ति के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक दृढ़ता भी झलकती है। मंदिर पहुंचने पर एकल अभियान संच के पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत और सम्मान किया, जो उनकी इस अनूठी भक्ति को और विशेष बनाता है।

सावन में कोटेश्वर धाम- आस्था का केंद्र

सावन मास में दादा कोटेश्वर धाम भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र बन जाता है। इस पवित्र माह में एकल अभियान संच खंड लांजी द्वारा श्री रामचरितमानस का सतत और संगीतमय पाठ आयोजित किया जा रहा है। इस पाठ में रामायण को पढ़ने और सुनने के लिए दूर-दूर से भक्त उमड़ रहे हैं। मंदिर में राम दरबार के दर्शन और पूजन के लिए आने वाले भक्तों का स्वागत एक विशेष और पवित्र रीति से किया जा रहा है। यहां पुजारी द्वारा अयोध्या की पवित्र माटी और सरयू नदी के जल से भक्तों का तिलक किया जाता है, जो उनकी भक्ति को और गहरा करता है। यह परंपरा भक्तों में एक विशेष उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करती है।

भक्ति का अनूठा रंग- अयोध्या की माटी और सरयू का जल

दादा कोटेश्वर धाम में सावन के इस पवित्र अवसर पर भक्तों का स्वागत करने की यह अनूठी परंपरा सभी का ध्यान आकर्षित कर रही है। अयोध्या, जो भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है, की माटी और सरयू नदी का जल हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माने जाते हैं। इनके द्वारा तिलक लगाने की प्रथा भक्तों को न केवल भगवान शिव बल्कि श्रीराम के प्रति भी अपनी श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है। यह अनुष्ठान भक्तों के लिए एक आध्यात्मिक अनुभव बन जाता है, जो उनके मन में श्रद्धा और भक्ति की भावना को और प्रगाढ़ करता है।

एकल अभियान संच- आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान

एकल अभियान संच खंड लांजी इस धार्मिक आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संगठन द्वारा आयोजित श्री रामचरितमानस का पाठ और अन्य धार्मिक गतिविधियां भक्तों को एक मंच प्रदान करती हैं, जहां वे अपनी आस्था को सामूहिक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। इसके साथ ही, संगठन द्वारा भक्तों का स्वागत और सम्मान न केवल धार्मिक एकता को बढ़ावा देता है, बल्कि सामाजिक समरसता को भी प्रोत्साहित करता है।

सरस्वती शिशु मंदिर टेमनी में अखण्ड रामायण पाठ का हुआ आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्रावण मास के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर, टेमनी में दिनांक 25 जुलाई 2025, शुक्रवार को रामचरित मानस अखंड रामायण पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस पवित्र आयोजन का समापन 26 जुलाई 2025, शनिवार को संपन्न हुआ। समापन के पश्चात हवन और महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसके साथ ही यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में माँ भगवती शिक्षा समिति के अध्यक्ष विधनेश्वर ठाकरे, सचिव मोहन चोरनेले, कोषाध्यक्ष विजय चोरनेले, सदस्य दुर्गेश ठाकरे, सुखराम भागड़कर सहित समस्त पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्य पीतमलाल यादव, समस्त आचार्य परिवार, पूर्व छात्र-छात्राएँ, वर्तमान में अध्ययनरत भैया-बहनें, पालकगण और ग्रामीण जनों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को और भी विशेष बनाया। यह आयोजन भक्ति, श्रद्धा और सामूहिक सहभागिता का एक सुंदर उदाहरण रहा। सभी ने मिलकर इस पावन कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

आज कोटेश्वर मंदिर परिसर में रक्तदान व मोतियाबिंद जांच शिविर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। धर्म नगरी लांजी में स्थित प्रसिद्ध कोटेश्वर धाम में श्रावण मास के पावन अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन किये जा रहे है। इसी के तहत राष्ट्रसेवा में समर्पित देश में शिक्षा के माध्यम से बच्चों में संस्कार आचरण व्यवहार स्थापित करने वाली संस्था एकल अभियान संच लांजी, अंचल बालाघाट महाकौशल (म प्र) के द्वारा 30 दिवसीय अखंड श्री रामचरित मानस पाठ आयोजन दादा कोटेश्वर धाम लांजी किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत संच के द्वारा निःशुल्क मोतियाबिद जांच शिविर का आयोजन आज 28 जुलाई से 2 अगस्त तक किया जा रहा है। क्षेत्र के ग्रामीण, वनांचल, अतिनक्सल प्रभावित ग्रामों के लोग इस शिविर का लाभ ले सकते है। मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन विभिन्न स्थानों पर महावीर इंटरनेशनल अपेक्स लांजी एवं जिला अंधत्व निवारण समिति बालाघाट और देवजी नेत्रालय जबलपुर के सहयोग से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

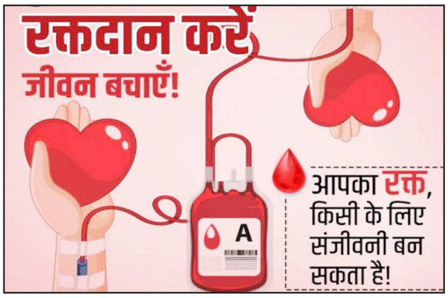

विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के द्वारा आज रक्तदान शिविर का आयोजन

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में 28 जुलाई दिन सोमवार को कोटेश्वर मंदिर परिसर एकल संच श्री राम कथा पंडाल में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की जान बचाने में योगदान देना है। आपका रक्त किसी की जिंदगी बचा सकता है, जिसके तहत समाज के सभी वर्गों से अधिक से अधिक संख्या में लोगों को रक्तदान शिविर में भाग लेने और इस नेक कार्य में सहयोग करने की अपील की गई है।

यह रक्तदान शिविर सामाजिक सेवा और मानवता के प्रति समर्पण का एक हिस्सा है, जो विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के सामाजिक कार्यों की श्रृंखला का हिस्सा है। शिविर में रक्तदान करने वालों के लिए उचित चिकित्सकीय सुविधाएं और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि रक्तदान प्रक्रिया सुरक्षित और सुगम हो। आयोजकों ने लोगों से इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके।

यह आयोजन न केवल रक्तदान के महत्व को उजागर करता है, बल्कि सामुदायिक एकजुटता और परोपकार की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। सभी से अनुरोध है कि वे इस रक्तदान शिविर में पहुंचकर अपने योगदान से किसी की जिंदगी को नया अवसर प्रदान करें।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

नवांकुर सखियों ने बेनेगांव में किया हरियाली यात्रा का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विकासखंड-लांजी सेक्टर-05 के ग्राम बेनेगांव में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में नवांकुर संस्था 卐यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति卐 द्वारा 卐नवांकुर सखी - हरियाली यात्रा卐 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम जिला समन्वयक सुशील बर्मन और विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दुर्गा मंदिर में दीप प्रज्वलन एवं पूजन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सरपंच संतोष बुढावने, विशेष अतिथि उपसरपंच दीपक उइके, पूर्व सरपंच मेहतरलाल बुढावने, पूर्व जनपद सदस्य श्रीमती सती धनवले, रोजगार सहायक नरेश शक्करपुडे, ग्राम की महिलाएं और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अतिथियों का पौधे भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में संतोष नगपुरे विकासखण्ड समन्वयक जन अभियान परिषद ने नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के उद्देश्यों से उपस्थित ग्रामीणों को अवगत करवाया। उन्होंने बताया सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के 313 विकासखण्डो के 1565 सेक्टरो में 5 दिवसीय यात्रा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की प्रेरणा से चलाई जा रही है। जिसकी शुरुआत हरियाली अमावस्या के अवसर पर हुआ है। नवांकुर सखी मातृशक्ति को पर्यावरण से जोड़ने का अभियान है। जिसमें पंजीकृत सखी बहने बीज रोपित थैलियों को अपने घर पर आंगन में एक वर्ष तक पुत्र कि भांति पालन पोषण करके पौधा तैयार करेगी तथा पौधे को किसी स्मृति दिवस उत्सव पर बगीचे में रोपित करेगी। उन्होंने सखी बहनों को ज्यादा से ज्यादा पौधो का रोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नवांकुर सखियों को पौधे वितरित किए गए। इसके बाद ग्राम में हरियाली यात्रा रैली निकाली गई, जिसका समापन शीतला मंदिर तालाब के किनारे पौधारोपण के साथ हुआ। इस अवसर पर नवांकुर संस्था के अध्यक्ष अरुण आसटकर, कोषाध्यक्ष श्रीमती रेखा आसटकर, परामर्शदाता ज्योति शक्करपुडे, ग्राम विकास प्रस्फुरण समिति की रंजना बेदरे, भूमेश्वरी उके, सुनिता बेदरे, शीला उके, कविता बावनकर, ज्योति, नवांकुर सखियां पुष्पा धनवले, रीना धनवले, आनंदा उके, सपना ओमकार, शीला धनवले, प्रगति बेदरे सहित ग्रामीणजन नंदकिशोर बुढावने, राजेंद्र बुढावने, फुलचंद धारणे, भाऊराव नारनौरे, राजेश्वर भैस्कर, जयनारायण महेश्वरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अरुण आसटकर ने सभी का आभार व्यक्त किया और उपस्थित लोगों को स्वल्पाहार व मिष्ठान वितरित किया गया। यह आयोजन नारी शक्ति के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

पिकअप वाहन की टक्कर से साइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल, भतीजा भी हुआ चोटिल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के ग्राम वारी में 27 जुलाई दिन रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक पिकअप वाहन ने साइकिल सवार युवक और उसके भतीजे को टक्कर मार दी। इस हादसे में 50 वर्षीय किशोर श्रीचंद दमाहे गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनके 7 वर्षीय भतीजे अनीश अशोक दमाहे को भी चोटें आईं। घटना के बाद पिकअप वाहन चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, किशोर श्रीचंद दमाहे अपने भतीजे अनीश के साथ सांवरी खुर्द से बाल कटवाकर साइकिल से अपने घर ग्राम वारी (वार्ड क्रमांक 1) लौट रहे थे। सुबह करीब 11 बजे लांजी की ओर से तेज गति से आ रहे एक पिकअप वाहन ने उनकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि किशोर के सिर पर गंभीर चोटें आईं, वहीं अनीश के हाथ और पैर में चोटें आईं। हादसे के बाद आसपास के राहगीरों और मोहल्ले वालों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को तुरंत 108 एम्बुलेंस की सहायता से लांजी के सिविल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद किशोर की गंभीर हालत को देखते हुए परिजनों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए गोंदिया रेफर कर दिया। अनीश का प्राथमिक उपचार लांजी अस्पताल में ही किया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिकअप वाहन चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए यह हादसा किया और फिर मौके से भाग निकला। इस घटना से ग्राम वारी और आसपास के क्षेत्र में आक्रोश है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि फरार वाहन चालक की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

देवलगांव में संबल योजना के तहत हितग्राही को दिया अंत्येष्टि सहायता लाभ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन की जन कल्याणकारी संबल योजना के तहत पात्र हितग्राहियों की मृत्यु उपरांत परिजनों को अंत्येष्टि सहायता राशि 5000 रूपए प्रदान करने का प्रावधान है। इस योजना से गरीबों को काफी राहत मिलती है इसी संबल योजना के तहत ग्राम पंचायत देवलगांव द्वारा पात्र हितग्राहियों को त्वरित लाभ लगातार दिलाया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम देवलगांव के वार्ड क्रमांक 7 निवासी रेखा देवगीरकर पति रवि देवगीरकर जाति दर्जी उम्र 46 वर्ष की अस्वस्थता के चलते 26 जुलाई 2025 को दोपहर लगभग 3:00 बजे निधन हो गया। जिसकी जानकारी प्राप्त होने पर अंत्येष्टि के पूर्व 27 जुलाई को सुबह सरपंच श्रीमती पुष्पा कमल किशोर ठाकरे, कोमल टेभरे पंच गण ,सरपंच प्रतिनिधि एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति में मृतक रेखा देवगीरकर के घर पहुंचकर उसके पति रवि देवगीरकर को 5000 रूपए की नगद राशि प्रदान की गई। ग्राम पंचायत देवलगांव के द्वारा इस नये कार्यकाल में अब तक के सभी पात्र हितग्राहियों को संबल योजना का लाभ दिया गया है। श्रीमती पुष्पा कमल किशोर ठाकरे सरपंच देवलगांव ने यह भी बताया कि संबंल योजना के तहत हितग्राहियों को घर के मुखिया की सामान्य और असामायिक मृत्यु पर सहायता राशी देने का प्रावधान है। जिसके लिए भी पंचायत द्वारा कार्रवाई कर शीघ्र लाभ प्रदान किए जाने का प्रयास किया जाएगा।

केन्द्रीय दल ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केन्द्र टेमनी का किया निरीक्षण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भारत सरकार के केन्द्रीय दल के द्वारा 26 जुलाई को आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केन्द्र टेमनी का निरीक्षण किया गया। बतादे कि मृणाल मीणा कलेक्टर बालाघाट एवं डॉ परेश उपलप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के दिशा निर्देशानुसार दिनांक 26 जुलाई को आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र टेमनी लांजी का भारत सरकार के केंद्रीय दल द्वारा नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैण्डर्ड एनक्यूएएस अंतर्गत निरिक्षण किया गया। डॉ अक्षय उपराडे खंड चिकित्सा अधिकारी लांजी द्वारा बताया गया की दल में असेसमेंट हेतु दल में डॉ भारत कुमार व्यास भावनगर गुजरात एवं डॉ अमित कुमार महादेव पाटिल शोलापुर महाराष्ट्र के द्वारा उक्त निरिक्षण किया। निरीक्षण के अन्तर्गत राष्ट्रिय स्तर के मानकों के तहत स्वास्थ्य सेवाओं में किये जा रहे सुधार एवं आवश्यक रिकार्ड संधारण, उपलब्ध संशाधन एवं अन्य का भौतिक निरिक्षण दल द्वारा किया गया। उपस्वास्थ्य केंद्र टेमनी में श्रीमती एस पन्द्रे एएनएम, सुश्री जागृति रिनायत सीएचओ, श्रीमती अमीर पंचाले आशा पर्यवेक्षक टेमनी, श्रीमती भूमेस्वरी पंचाले, श्रीमती उषा पालेवर, श्रीमती गीता नागवंशी आशा टेमनी पदस्थ है। उपस्वास्थ्य केंद्र टेमनी को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करने में डॉ अक्षय उपराडे बीएमओ, विक्रम सिंह ठाकुर डीपीएम, विनोद कामड़े जिला क्वालिटी मेंटर, डॉ प्रशांत पाटिल आयुष चिकित्सा अधिकारी भानेगॉव, मनीष पण्डे बीपीएम, श्रीमती मीनाक्षी रामटेककर नर्सिंग ऑफिसर, उमाशंकर तिवारी सेक्टर सुपरवाइजर, सीएचओ आदेश टेम्भरे, मंगेश हाथीमारे, सुशिल गेडाम, श्रीमती जयवंता झल्पे, सुश्री कविता रहमतकर, सुश्री रौशनी मड़ावी, सुश्री चांदनी कुराहे, सुश्री प्रियंका कोरे, सुश्री श्वेता मेश्राम, सुश्री मनीषा घोरमारे, सुश्री नेहा उइके, सुश्री आरती बिसेन, सुश्री श्रद्धा उइके, सुश्री दीपिका ठाकरे सम्मिलित रहे।

सीएम मोहन यादव का बड़ा एक्शन

लाठीचार्ज में एएसपी सहित 5 अधिकारियों पर गिरी गाज

हरदा। 13 जुलाई को करणी सेना पर हुए लाठी चार्ज मामले के 15 दिन बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्रवाई की है। हरदा में करणी सेना परिवार के आंदोलन के दौरान राजपूत छात्रावास में पुलिस ने घुसकर लाठीचार्ज किया था। मुख्यमंत्री अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरडी प्रजापति, एसडीएम कुमार शानू देवड़िया और एसडीओपी अर्चना शर्मा को हटा दिया है।

इसके अलावा कोतवाली टीआई प्रहलाद सिंह मर्सकोले और यातायात थाना प्रभारी संदीप सुनेश को नर्मदापुरम आईजी कार्यालय में अटैच किया है। गौरतलब है कि 16 जुलाई को सीएम ने दुबई यात्रा के दौरान ही हरदा लाठीचार्ज प्रकरण की जांच के आदेश दिए थे। जांच में पुलिस अफसरों की गलती पाए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने ये एक्शन लिया है।

सीएम मोहन यादव ने ट्वीट कर दी जानकारी

इस मामले में सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा कि ꘏हरदा जिले में 13 जुलाई को राजपूत छात्रावास में घटित प्रकरण की जांच के उपरांत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीएम एवं एसडीओपी को तत्काल प्रभाव से हरदा जिले से हटाया है। थाना प्रभारी कोतवाली एवं थाना प्रभारी (ट्रैफिक) को नर्मदापुरम आईजी कार्यालय में अटैच किया है। समाज के छात्रावास में अनुचित बल प्रयोग एवं स्थिति को संवेदनशील रूप से निराकरण करने में की गई लापरवाही को लेकर यह एक्शन लिया गया है।

हरदा जिले में 13 जुलाई को राजपूत छात्रावास में घटित प्रकरण की जांच के उपरांत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीएम एवं एसडीओपी को तत्काल प्रभाव से हरदा जिले से हटाया गया है। थाना प्रभारी, कोतवाली एवं थाना प्रभारी (ट्रैफिक) को नर्मदापुरम् आईजी कार्यालय में अटैच किया गया है।

राजपूत समाज के साथ सर्वसमाज हुआ था आहत

पुलिस की इस बर्बरतापूर्ण कार्यवाही से न केवल राजपूत समाज बल्कि सर्व समाज आहत हुआ। इस घटना के विरोध में 19 जुलाई को सम्पूर्ण हरदा जिला बंद रहा था। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक डॉ. आरके दोगने सहित सभी जन प्रतिनिधियों एवं राजनीतिक दलों ने पुलिस की इस कार्रवाई की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री से न्यायिक जांच की मांग की थी, जिस पर मुख्यमंत्री ने एक्शन लेते हुए जांच के आदेश दिए थे। इसी संदर्भ में सीएम ने रविवार को घटना से संबंधित पुलिस अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी को हटा दिया।

क्या था पूरा मामला?

दिसंबर 2024 में करणी सेना के आशीष राजपूत ने इंदौर के एक व्यापारी से 20 लाख रुपये का हीरा खरीदा था। बाद में जब हीरे की जांच कराई गई तो वह नकली निकला। आशीष की शिकायत पर हरदा पुलिस ने विकास लोधी, मोहित वर्मा और उमेश तपानिया पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपित मोहित को जिला न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। 12 जुलाई शाम को करणी सेना जिलाध्यक्ष सुनील सिंह राजपूत सहित अन्य युवा सिटी कोतवाली थाना पहुंचे, जहां पुलिस अधिकारियों से उनकी बहस हो गई। इसके बाद सभी पर लाठीचार्ज कर जिलाध्यक्ष व धोखाधड़ी का शिकार हुए आशीष राजपूत सहित चार लोगों पर मामला दर्ज कर जेल भेज दिया था।

इसके बाद से ही खंडवा बायपास पर चक्काजाम किया गया, जो 13 जुलाई सुबह 10 बजे तक जारी रहा, जिसे पुलिस ने बलपूर्वक समाप्त किया। बाद में पुलिस ने करणी सैनिकों पर दिन में अलग अलग चार स्थानों पर चार बार लाठीचार्ज किया था। पूरा शहर पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था। शहर में प्रवेश करने वाले सभी प्रमुख रास्तों पर पुलिस अधिकारी और जवान तैनात कर दिए थे। सैकड़ों करणी सैनिकों को देखते हुए हरदा सहित आसपास के छह जिलों का पुलिस बल तैनात किया गया था।

सबसे पहले खंडवा बायपास चौराहा स्थित करणी सैनिकों पर फायर ब्रिगेड से तेज पानी डाला गया था। साथ ही आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए थे। भीड़ को हटाने पुलिस ने जमकर लाठियां बरसाई थी। जो सामने आया उसे मारा गया था। प्रदर्शन में श्रीकरणी राजपूत सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवनसिंह शेरपुर सहित साठ से अधिक करणी सैनिकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। कुछ करणी सैनिक सड़क किनारे एक दुकान में घुस गए थे। इसके बाद बुलडोजर से चैनल गेट तोड़कर सभी को बाहर निकालकर लाठीचार्ज किया गया था। इसके बाद राजपूत छात्रावास में घुसकर पुलिस ने बर्बरतापूर्ण तरीके से निर्दोषों पर लाठियां बरसाई थी।

मप्र में वर्दी पहनकर रील बनाने वाले पुलिसकर्मियों पर होगी कार्रवाई, डीजीपी के निर्देश

भोपाल। वर्दी पहनकर या पुलिस थाने में रील बनाने का शौक पुलिसकर्मियों पर भारी पड़ेगा। इसे सिविल सेवा आचरण संहिता का उल्लंघन मानते हुए निंदा से लेकर विभागीय जांच और निलंबन तक की कार्रवाई हो सकती है। कार्रवाई इस बात पर निर्भर करेगी कि रील में किस तरह का कंटेंट है। अश्लीलता या पुलिस की छवि खराब करने वाले वीडियो में निलंबन तक की कार्रवाई हो सकती है। रीवा जिले की सगरा थाना प्रभारी अंकिता मिश्रा का एक गाने पर थाने में बनाई गई रील सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई।

अंकिता मिश्रा की रील सामने आने के बाद निर्देश जारी

इसके बाद डीजीपी कैलाश मकवाणा ने पुलिस अधिकारियों की वर्चुअल बैठक में इस पर सख्ती से रोक लगाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को अनुशासन में रहना चाहिए। कम से कम वर्दी में रहते हुए रील नहीं बनाएं। सभी पुलिस अधीक्षकों को इसके लिए निर्देश जारी करने को कहा है। इसके पहले अंकिता मिश्रा की रील सामने आने के बाद रीवा डीआइजी राजेश चंदेल अपने जोन के सभी पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में निर्देश जारी कर चुके हैं।

वर्दी वाली सेवाओं में अनुशासनहीनता

दरअसल, पुलिसकर्मियों द्वारा वर्दी में रील बनाकर इंटरनेट मीडिया में प्रसारित करने का चलन बढ़ता जा रहा है। वर्दी में उन्हें व्यूज, लाइक और कमेंट भी खूब मिलते हैं, पर सरकारी कर्मचारी खासतौर पर वर्दी वाली सेवाओं में इसे अनुशासनहीनता माना जाता है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित कई राज्यों में वर्दी में रील बनाने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो चुकी है। प्रतिबंध भी लगाया जा चुका है। पुलिसकर्मियों के अतिरिक्त थानों में अन्य लोगों की रील भी प्रदेश में सामने आ चुकी है, जो सुरक्षा की दृष्टि से ठीक नहीं हैं। श्योपुर के ओछापुर थाने में काम करने आए युवकों ने वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर डाला था।

यह कार्रवाई हो सकती है

निंदा, कारण बताओ नोटिस, सेवा पुस्तिका में प्रविष्टि, विभागीय जांच, स्थानांतरण, निलंबन और मामला गंभीर होने पर बर्खास्तगी।

रीवा में सिटी कोतवाली थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक संध्या वर्मा का एक गाने पर वीडियो इंटरनेट मीडिया पर खूब वायरल हुआ। बाद में उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया, पर तब तक वीडियो कई प्लेटफार्म में पहुंच गया।

30 जुलाई को कलेक्टरों से फीडबैक लेंगे सीएम

भोपाल। विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 30 जुलाई को कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में शिकायतों के निराकरण की रिपोर्ट लेंगे। इस वीडियो कांफ्रेंसिंग मीटिंग में शिकायतों का निराकरण करने में देरी करने वाले अफसरों पर कार्रवाई की गाज गिरना तय है। इसे देखते हुए कलेक्टरों ने अपने जिलों में समाधान ऑन लाइन के लिए तय एजेंडे में पेडेंसी खत्म करने के निर्देश मातहतों को दिए हैं।

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में हर माह नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 30 जुलाई को जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दी जा रही सेवाओं एवं समाधान एक दिवस के विषयों तथा 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों की समीक्षा भी मुख्यमंत्री करेंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में इस बार गृह विभाग अंतर्गत अपराधों की विवेचना में विलंब व लापरवाही करने, समय से प्रकरण में न्यायालय में प्रस्तुत नहीं करने जैसे मामलों की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा मध्यप्रदेश असंगठित शहरी व ग्रामीण कर्मकार कल्याण मण्डल संबल योजना के प्रकरणों का भी रिव्यू किया

रास्ता नहीं, खाट ही बनी एंबुलेंस... जंगल में हुई डिलीवरी

सीधी। सीधी जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया के बरगवां-2 में रविवार सुबह प्रसव पीड़ा से कराह रही महिला के घर तक सड़क नहीं होने से खाट की डोली में ही प्रसव हो गया। इसके बाद एंबुलेंस की टीम ने पहुंचकर अस्पताल में भर्ती कराया। महिला व शिशु दोनों स्वस्थ हैं। बरगवां नं 02 निवासी प्रीती पत्नी बबलू रावत को रविवार की सुबह प्रसव पीड़ा हुई। ऐसे में एंबुलेंस को फोन कर बुलाया गया।

दो किमी दूर मुख्य सड़क मार्ग में आकर

महिला के घर तक सड़क नहीं होने से एंबुलेंस दो किमी दूर मुख्य सड़क मार्ग में आकर खड़ी हो गई। ऐसे में प्रसव से कराह रही प्रीती को स्वजन खाट की डोली खाटोली बनाकर एंबुलेंस तक ले जाने लगे। घर से करीब आधा किमी दूर पहुंचते ही रास्ते में महिला ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। इसकी जानकारी एंबुलेंस टीम को हुई, स्टाफ के लोग मौके में पहुंचकर खाट में ही प्राथमिक इलाज कर एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया में भर्ती कराया गया।

मां और बेटे दोनों स्वस्थ

इस संबंध में सीएमएचओ बबिता खरे ने बताया कि सूचना मिलते ही समय पर एंबुलेंस पहुंची थी। गांव में सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस घर तक नहीं जा सकी। वहीं, सेमरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ आरके वर्मा ने बताया कि महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया में भर्ती कराया गया है। यहां मां और बेटे दोनों स्वस्थ हैं।

'इनका देख लीजिएगा...', बिजली कनेक्शन के नाम पर रिश्वत लेते JE का वीडियो वायरल, तत्काल प्रभाव से सस्पेंड

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में पदस्थ डौरा केंद्र के कनिष्ठ यंत्री (जेई) शांतनु वर्धन को विद्युत कनेक्शन के नाम पर अवैध वसूली करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। शांतनु वर्धन का एक वीडियो प्रसारित हुआ है, जिसमें वे ग्राम भेंडरी में एक ग्रामीण के घर बैठकर 500-500 रुपये के नोट गिनते नजर आ रहे हैं। वीडियो में स्पष्ट तौर पर उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि, सबका बंधा है, सब कोई जान रहे हैं। साथ ही अपने सहयोगियों की ओर इशारा करते हुए कहते हैं, मेहनत कर रहे हैं, इनका देख लीजिएगा।

जेई ने ली 15 हजार की रिश्वत

बताया जा रहा है कि उन्होंने विद्युत कनेक्शन के एवज में 15,000 की राशि ग्रामीण से ली थी। इस मामले की शिकायत बीते मंगलवार को आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में की गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के मुख्य अभियंता ने इसे कर्तव्य के प्रति लापरवाही और पद के दुरुपयोग का मामला मानते हुए शांतनु वर्धन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

जांच के आधार पर की जाएगी आगे की कार्रवाई

निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय विद्युत वितरण संभाग बीजापुर, कार्यपालन अभियंता कार्यालय निर्धारित किया गया है। इस संबंध में बलरामपुर विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि मामले की विभागीय जांच की जाएगी और जांच के आधार पर आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

भाजपा नेता ने बीईओ को थप्पड़ मारा, टेरर टैक्स मांगा

भिंड में 20 हजार रुपए महीना मांगने का आरोप; 16 दिन बाद पुलिस ने दर्ज किया केस

भिंड। भिंड जिले के मेहगांव ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) राजवीर शर्मा ने भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा पर थप्पड़ मारने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में एफआईआर दर्ज नहीं होने को लेकर कांग्रेस रविवार को थाने का घेराव करने वाली थी। इससे पहले ही पुलिस ने शनिवार रात 10 बजे भाजपा नेता पर एफआईआर दर्ज कर ली।

बीईओ राजवीर शर्मा का आरोप है कि 10 जुलाई को सीएम राइस स्कूल में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम चल रहा था। तभी भाजपा नेता नीरज शर्मा वहां पहुंचे। उन्होंने टेरर टैक्स के नाम पर 20 हजार रुपए मांगे, मना करने पर कहने लगे- स्कूलों की भोजन योजना अपनी मर्जी से चलाऊंगा, तुम्हें पद से हटवा दूंगा। बीईओ ने बताया, विरोध किया तो भाजपा नेता ने गाली-गलौज कर मुझे थप्पड़ मारा और जान से मारने की धमकी दी। ये पूरी घटना स्कूल में लगे सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई थी। राजनीतिक दबाव के चलते फुटेज डिलीट करवा दी गई।

प्राचार्य ने दबाव में घटना के फुटेज डिलीट करवाए

11 जुलाई को जब स्कूल के छात्र और स्टाफ बीईओ राजवीर शर्मा को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर भेंट कर रहे थे, तभी वे फूट-फूटकर रोने लगे। छात्रों को आपबीती बताते हुए कहने लगे कि मेरा बेटा होता तो बदला लेता। स्कूल से सीसीटीवी फुटेज मांगे गए थे, लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते स्कूल प्राचार्य ने घटना के फुटेज डिलीट करवा दिए। बीईओ का रोने का वीडियो वायरल हो गया।

मप्र विधानसभा का मानसून सत्र आज से

विपक्ष घेरेगा सरकार को, हंगामेदार होगा सत्र

भोपाल। मप्र विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होकर 8 अगस्त 2025 तक चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने रविवार को विधानसभा परिसर का निरीक्षण करते हुए सत्र की व्यवस्थाओं और तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सत्र का संचालन सुचारू और व्यवस्थित रूप से किया जाए। मीडिया से बातचीत में अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि विधानसभा परिसर मे कोई नया प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया जो विरोध प्रदर्शन पर रोक लगाई है वो भी कोई नया नहीं है। वहीं, मीडिया के विधानसभा परिसर में अन्य जगह जाने पर जब प्रतिबंध का पूछा गया तो अध्यक्ष ने कोई जबाब नहीं दिया।

बता दें कांग्रेस ने विधानसभा परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन पर रोक के आदेश को लोकतंत्र की आवाज दबाने वाला बताया है।

विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल बिजली संकट, महंगाई, तबादला नीति और किसानों की समस्याओं जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। वहीं सत्ता पक्ष ने भी योजनाओं और उपलब्धियों के साथ जवाब देने की रणनीति तैयार कर ली है। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने जानकारी दी कि बारह दिवसीय सत्र में सदन की कुल 10 बैठकें होंगी। अब तक विधानसभा सचिवालय को तारांकित 1718 और अतारांकित 1659 प्रश्न यानी कुल 3377 प्रश्न प्राप्त हुए हैं। जानकारी के अनुसार इस बार दो हजार से अधिक प्रश्न सदस्यों ने ऑनलाइन पूछे हैं। इसके अतिरिक्त 226 ध्यानाकर्षण, एक स्थगन प्रस्ताव, 23 अशासकीय संकल्प, 65 शून्यकाल की सूचनाएं तथा एक नियम 139 की सूचना भी प्राप्त हुई है। सरकार की ओर से तीन विधेयक भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान की उपलब्धियों की लगेगी प्रदर्शनी

विधानसभा के सेंट्रल हॉल में जल गंगा संवर्धन अभियान की उपलब्धियों की पहले दिन प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान मुख्यमंत्री का महत्वकांक्षी अभियान है। इसे राष्ट्रीय स्तर पर भी एक अलग पहचान मिली है। सरकार ने 90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया है। इसमें प्रदेश में 84 हजार 726 खेत तालाब, 1 लाख 4 हजार 276 कूप रिचार्ज पिट और 1283 अमृत सरोवरों का निर्माण हुआ। जल संचय करने वाले जिलों में खंडवा देशभर में नबर वन रहा हैं।

मप्र में अब सारे चुनाव होंगे टोटल पेपरलेस!

स्पेशल सॉफ्टवेयर तैयार...मतदान की लाइव स्थिति बूथ पर दिखेगी

भोपाल। आजकल मतदाता सूची के सत्यापन को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। वहीं, मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने आने वाले समय मे तकनीक का बेहतर प्रयोग करते हुए आईपीबीएएमएस अर्थात इंट्रीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम का प्रयोग करने की तैयारी की है। आयोग का दावा है कि इससे निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया को और भी अधिक पारदर्शी तरीके से कराया जा सकेगा।

गौरतलब है कि विपक्षी दल अक्सर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हैं। कभी वोटिंग परसेंटेज को लेकर विवाद होता है तो कभी मतदाता सूची के सत्यापन पर। चुनाव को लेकर उठते तमाम सवालों के बीच मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने आगामी स्थानीय निकायों के चुनाव पेपरलेस करने की तैयारी की है। अत्याधुनिक तकनीक का सहारा लेते हुए आयोग ने मतदान की लाइव स्थिति बताने के लिए इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया है। इसका उपयोग बड़े स्तर पर उपचुनाव के दौरान 18 बूथों पर किया गया।

सभी बूथों को डिजिटल करने की तैयारी

मध्य प्रदेश में हुए उपचुनाव में लाइव मतदान की स्थिति को बेबसाइट पर बताया गया। आयोग के अनुसार हर बूथ को आधुनिक तकनीक के जरिए डिजिटल किया जा रहा है। मतदाता सूची डिजिटल हो चुकी है। इसके अलावा मतदान दल को पेपरलेस किया गया है। इसमें मतदान दल अपने सभी दस्तावेजों को डिजिटल एंट्री करेंगे। इसके लिए विशेष सॉफ्टवेयर डेवलप किया गया है। मतदाता की बूथ में पहचान डिजिटली होगी। वोटर आईईडी इपिक नंबर के आधार पर डिटेल बूथ पर लगी स्क्रीन पर आ जाएगी। इसके बाद मतदाता को रजिस्टर के बजाय डिजिटल साइन या स्कैनर पर अगूंठा लगाना होगा, वेरिफाई होते ही मत दे सकता है।

वोटिंग खत्म होते ही मतदान का ब्यौरा मिलेगा

मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि मतदान करते ही बूथ पर मतदान की स्थिति लाइव अपडेट कर दी जाएगी। यानी अब वोटिंग समाप्त होते ही बूथ पर कितना मतदान हुआ, इसकी स्थिति सामने होगी। आयोग ने दावा किया है ये सिस्टम हैकिंग प्रूफ है। सिस्टम को विंडो पर रखा गया है। साथ ही फायर वॉल जैसे सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। यानी सिस्टम को कोई हैक नहीं कर सकता और न ही इसमें हेराफेरी की जा सकती है। बूथ पर सिर्फ लाइव संख्या बताने वाले मोबाइल ऐप पर ही इंटरनेट होगा। इसलिए गड़बड़ी की आशंका नहीं है।

फर्जी वोटिंग होने का सवाल ही नहीं उठता

फर्जी वोटिंग रोकने के लिए मतदाता की पहचान भी डिजिटली होगी और मतदान केंद्र पर उसका भौतिक सत्यापन डिजिटल होगा, जिससे पारदर्शी चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। आने वाले समय में आयोग मतदान सामग्री भी सीधे केंद्र पर भेजने की व्यवस्था करने की तैयारी में है। आयोग ने हर बूथ की इंटरनेट मैपिंग भी की है, जिससे राजनीतिक दलों के अलावा सभी मतदाताओं और उम्मीदवारों को हर जानकारी ऑनलाइन देखने को मिल जाए। आयोग को पूरा सिस्टम तैयार करने में लगभग डेढ़ वर्ष का समय लगा, जिसके बाद इसका सागर और दमोह में त्रिस्तरीय स्थानीय निकाय उपचुनावों में सफलतापूर्वक किया गया।

अब मेडिकल स्टोर पर नहीं लगा सकेंगे डिस्काउंट बोर्ड

एमपी फार्मेसी काउंसिल ने जारी किया नोटिस

भोपाल। अब एमपी दवा की दुकानों पर 10 से 80 फीसदी छूट का बोर्ड लगाने वाले स्टोर्स मालिकों के खिलाफ मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल कार्रवाई करेगा। काउंसिल ने राज्यभर के पंजीकृत फार्मासिस्टों और मेडिकल स्टोर मालिकों को चेतावनी दी है कि ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए छूट और रियायतों का प्रचार करने रजिस्ट्रेशन कैंसिल किया जाएगा।

काउंसिल ने नोटिस जारी कर कहा कि कई मेडिकल स्टोर बोर्ड और सोशल मीडिया के जरिए डिस्काउंट का लालच देकर उपभोक्ताओं को खींच रहे हैं, जो फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के अनुसार अनैतिक और अवैध है। ऐसी गतिविधियों में पकड़े जाने पर फार्मासिस्ट का पंजीकरण रद्द या निलंबित किया जा सकता है। साथ ही मेडिकल स्टोर पर भी कानूनी कार्रवाई होगी।

छोटे मेडिकल स्टोर को होगा फायदा

नोटिस में यह भी कहा गया है कि बड़े कारोबारी अपनी आर्थिक ताकत के दम पर इस तरह के विज्ञापन कर छोटे मेडिकल दुकानदारों के साथ अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा कर रहे हैं। यह प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 की धारा 4 का उल्लंघन है। काउंसिल के अध्यक्ष संजय जैन और रजिस्ट्रार भाव्या त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी मेडिकल स्टोर्स से कानून का पालन करने और अनैतिक प्रतिस्पर्धा से बचने की अपील की।

डिस्काउंट बोर्ड हटाना अनिवार्य

एमपीसीडीए (मध्यप्रदेश केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन) ने मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल के हालिया आदेश का स्वागत किया है। संगठन ने बताया कि महाराष्ट्र, पंजाब, गोवा, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और अब जम्मू-कश्मीर की तरह मध्यप्रदेश में भी दवा दुकानों पर डिस्काउंट बोर्ड लगाने वाले फार्मासिस्टों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश जारी किया गया है। इसे केमिस्टों के हित में ऐतिहासिक निर्णय बताया गया है।

गिल-जडेजा और सुंदर के शतकों ने भारत को पारी की हार के संकट से निकाला; चौथा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त

मैनचेस्टर। शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की शतकीय पारियों के दम पर भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए चौथे टेस्ट मैच के ड्रॉ करा लिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत की अर्धशतकीय पारियों के दम पर 358 रन बनाए थे। दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 10 विकेट पर 669 रन बनाए और 311 रनों की बढ़त हासिल की। इसके बाद भारत ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 425 रन बनाए और मैच ड्रॉ पर समाप्त कर दिया। इंग्लैंड अब भी पांच मैचों की इस सीरीज में 1-2 से आगे है। मौजूदा सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 अगस्त से द ओवल में खेला जाएगा।

केएल और गिल ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड

पांचवें दिन भारत की दूसरी पारी दो विकेट पर 174 के स्कोर से शुरू हुई। उस वक्त टीम इंडिया इंग्लैंड से 137 रन पीछे थी और क्रीज पर शुभमन गिल और केएल राहुल मौजूद थे। पहले सत्र में भारत को 188 रन के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। बेन स्टोक्स ने केएल राहुल को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह वह 230 गेंदों में 90 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीसरे विकेट के लिए गिल के साथ 421 गेंदों में 188 रन की साझेदारी निभाई। इस तरह केएल राहुल और शुभमन गिल ने इंग्लैंड में किसी भी भारतीय जोड़ी द्वारा एक टेस्ट में सबसे ज्यादा गेंदें खेलने का रिकॉर्ड बनाया। पिछला रिकॉर्ड संजय बांगर और राहुल द्रविड़ (405) के नाम था, जो उन्होंने 2002 में लीड्स में बनाया था।

गिल ने शतक के साथ की ब्रैडमैन की बराबरी

पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए वाशिंगटन सुंदर ने शुभमन गिल के साथ 34 रनों की साझेदारी निभाई। इस दौरान कप्तान गिल ने 238 गेंदों में 103 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 12 चौके निकले। गिल ने 228 गेंदों में मौजूदा सीरीज में चौथा शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का नौवां सैकड़ा भी है। इसी के साथ गिल ने ब्रैडमैन की बराबरी कर ली। बतौर कप्तान किसी सीरीज में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड ब्रैडमैन के नाम दर्ज है। उन्होंने 1947 में भारत के खिलाफ चार शतक जड़े थे। गिल को आर्चर ने विकेटकीपर जैमी स्मिथ के हाथों कैच कराया।

सुंदर और जडेजा के बीच 200+ रन की नाबाद साझेदारी

इसके बाद वाशिंगटन सुंदर को रवींद्र जडेजा का साथ मिला। दोनों ने आखिरी दम तक भारत की पारी को संभाला और न सिर्फ भारत पर मंडराए पारी से हार के संकट को टाला बल्कि मैच ड्रॉ भी कराया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 334 गेंदों में 203 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। इस दौरान जडेजा ने 182 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का पांचवां शतक पूरा किया जबकि सुंदर ने 206 गेंदों में अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। दोनों क्रमश- 107 और 101 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले भारत की दूसरी पारी में झटकों के साथ शुरुआत हुई थी। क्रिस वोक्स ने पारी की शुरुआत के साथ यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन को अपना शिकार बनाया। दोनों बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल पाए थे। भारत की दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए क्रिस वोक्स ने दो विकेट लिए जबकि जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स को एक-एक सफलता मिली।

669 पर ऑलआउट हुई इंग्लैंड की टीम

इंग्लैंड की पहली पारी 669 रन पर सिमट गई। इस तरह मेजबानों ने भारत पर 311 रन की। मेइंग्लैंड के लिए पहली पारी में जो रूट और बेन स्टोक्स ने शतकीय पारियां खेलीं। वहीं, भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने चार विकेट झटके जैक क्राउली और बेन डकेट ने इंग्लैंड को पहली पारी में शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी हुई, जिसे रवींद्र जडेजा ने तोड़ा। उन्होंने क्राउली को अपना शिकार बनाया। वह 113 गेंदों में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 84 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अपने टेस्ट करियर का पहला मुकाबला खेल रहे बेन डकेट ने अंशुल कंबोज को पवेलियन की राह दिखाई। डकेट 13 चौके की मदद से 94 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, वह छह रन से अपना शतक पूरा करने से चूक गए। दूसरे दिन का खेल 225/2 के स्कोर पर समाप्त हुआ। ओली पोप 42 गेंदों में 20 और जो रूट 27 गेंदों में 11 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे और भारत 133 रन पीछे था।

डब्यूसीएल अंक तालिका में पाकिस्तान शीर्ष पर, भारतीय टीम अंतिम स्थान पर खिसकी

लंदन । यहां जारी पूर्व क्रिकेटरों की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्यूसीएल) में जहां पाकिस्तान चैम्पियंस की टीम नंबर एक पर पहुंच गयी है। वहीं इंडिया चैम्पियंस टीम सबसे निचले क्रम पर है। पाक चैम्पियंस ने वेस्टइंडीज चैम्पियंस को हराकर अपना लगातार तीसरा मैच जीतने के साथ ही सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं पक्की की हैं। इस जीत के बाद पाक के 4 मैचों में 7 अंक हो गए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस टीम है। पाक के खिलाफ पिछले मैच में मिली हार के बाद उसके 4 मैचों में 6 अंक है। वहीं इंडिया चैम्पियंस अब तक एक भी मैच नहीं जीती है।

भारतीय टीम अपने तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया चैम्पियंस से 4 विकेट से हारी थी। पाक चैम्पियंस के खिलाफ पहला मैच रद्द होने के बाद इंडिया चैम्पियंस की यह लगातार दूसरी हार है। भारतीय टीम को इससे पहले दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस के हाथों भी हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम अब सेमीफाइनल के लिए बचे हुए दो मुकाबलों में किसी भी प्रकार जीत हासिल कर ही शीर्ष चार में जगह बना सकती है। इस टूर्नामेंट में कुल 6 ही टीमें भाग ले रही हैं। भारत के अलावा अभी इंग्लैंड चैम्पियंस की टीम भी एक भी मैच नहीं जीती है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए मुकाबले में इंडिया चैम्पियंस ने शिखर धवन की 91 रनों की पारी से पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया के कैलम फर्ग्यूसन ने 38 गेंदों पर नाबाद 70 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	नो रिजल्ट	अंक	नेट रन रेट
पाकिस्तान	4	3	0	1	7	+0.900
दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	6	+1.812
ऑस्ट्रेलिया	3	2	0	1	5	+3.763
वेस्टइंडीज	4	1	3	0	2	−1.760
इंग्लैंड	4	0	3	1	1	−1.431
इंडिया	3	0	2	1	1	−2.227

पॉवेल ने गेल को पीछे छोड़ा, सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

सेंट किट्स। वेस्टइंडीज के रोवमैन पॉवेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में 22 गेंदों पर ही 28 रन बनाकर अपने ही देश के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ दिया है। पॉवेल अब वेस्टइंडीज के लिए टी20 प्रारुप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं गेल तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। पॉवेल ने अपने टी20 करियर में 99 मैचों में 25.66 की औसत के साथ ही 1925 रन बनाए हैं। वहीं गेल ने 79 मैचों में 1899 रन बनाए थे। वहीं पहले नंबर पर पूर्व कप्तान निकोलस पूरन हैं। पूरन ने अब तक 2275 रन बनाये हैं। पूरन वेस्टइंडीज के उन खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने 100 से अधिक टी20 मैच खेले हैं। वह वेस्टइंडीज के लिए इस प्रारुप में 2000 से अधिक रन बनाने वाले भी एकमात्र बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह रन 106 मैचों में 26.14 की औसत के साथ बनाए हैं। एविन लुईस 1782 रनों के साथ ही चौथे और ब्रेडन किंग 1648 रनों के साथ ही पांचवे नंबर पर हैं। वहीं मैच की बात करें तो इसमें मेजबान टीम 3 विकेट से हार गयी। इसी के साथ ही उसे पांच मैचों की इस सीरीज में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 205 रन बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने जोश इंग्लिस और कैमरून ग्रीन के अर्धशतकों की सहायता से ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

ग्रीन और जोश इंग्लिस के अर्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया ने चौथा टी20 जीता

सेंट किट्स। कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस की शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने यहां चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 4-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 206 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से केमरुन ग्रीन ने नाबाद 55 रन बनाये जबकि जोश इंग्लिस ने 51 रन बनाये। इससे ऑस्ट्रेलिया ने 19.2 ओवर में ही सात विकेट पर 206 रन बना लिए। वेस्टइंडीज की ओर से जेडिया ब्लेड्स ने 29 रन देकर तीन विकेट लिए।

इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज ने 9 विकेट पर 205 रन बनाए। शेरफेन रदरफोर्ड ने सबसे अधिक 31 रन बनाये। उसके चार बल्लेबाज ही 20 रन से अधिक बना पाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, और सीन एबट ने दो-दो जबकि एडम जंपा ने तीन विकेट लिए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने पारी की दूसरी ही गेंद पर ही मिचेल मार्श के शून्य पर ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद इंग्लिस ने सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल 47 के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 और ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन बनाये। ग्रीन ने आरोन हार्डी के साथ भी छठे विकेट के लिए 51 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। मेजबान टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया के सामने टिक नहीं पायी। अब ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य अंतिम मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करना रहेगा।

कुलदीप को बल्लेबाजी संतुलन की भेंट चढ़ा रहे चयनकर्ता-मोर्कल

नई दिल्ली। मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान जब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाईं, तब हर किसी को स्पिनर कुलदीप यादव की कमी खली। सीरीज में अब तक एक भी मैच न खेलने वाले कुलदीप की चर्चा हर मुकाबले से पहले होती है, लेकिन टीम चयन में उन्हें लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में तीन मैचों के बाद भारत 2-1 से पीछे है और चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने पहली पारी में 544 रन ठोक डाले, जिससे कुलदीप की गैरमौजूदगी पर सवाल और भी तेज हो गए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कुलदीप को न खिलाने की असल वजह स्पष्ट की। मोर्कल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम प्रबंधन गेंदबाजी से ज्यादा बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। उनका कहना था कि टीम ने पिछले मैचों में कई बार बल्लेबाजी में जल्दी विकेट गंवाए हैं, इसलिए संतुलन बनाए रखने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत महसूस की गई। उन्होंने माना कि कुलदीप विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन फिलहाल टीम संयोजन में उन्हें फिट कर पाना मुश्किल हो रहा है। गेंदबाजों के चोटिल होने के बावजूद भी कुलदीप को मौका न मिलने से यह और स्पष्ट होता है कि चयन की प्राथमिकता बल्लेबाजी गहराई है न कि गेंदबाजी गुणवत्ता।

मैनचेस्टर की परिस्थितियों में जहां स्पिन को मदद मिल रही थी, कुलदीप जैसे कलाई के स्पिनर उपयोगी साबित हो सकते थे। इसके बावजूद शार्दुल ठाकुर को चुना गया, जिन्हें पूरे 135 ओवर में सिर्फ 11 ओवर ही दिए गए। साथ ही अंशुल कंबोज को डेब्यू कराना यह दिखाता है कि चयनकर्ताओं की रणनीति में कुलदीप के लिए जगह बनाना प्राथमिकता नहीं रही। मोर्कल ने स्वीकार किया कि विकेट सूखा है और स्पिन हो रही है, लेकिन उनका मानना है कि जब तक शीर्ष छह बल्लेबाजों से स्थिरता नहीं मिलती, तब तक कुलदीप जैसे विशेषज्ञ गेंदबाज को मौका देना मुश्किल रहेगा। कुलदीप की उपेक्षा ने टीम चयन की रणनीति को कठघरे में खड़ा कर दिया है, खासकर तब जब गेंदबाजों से उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं मिल रहा।

जडेजा को स्टोक्स से बेहतर ऑलराउंडर मानते हैं कपिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि पिछले कुछ समय में इंग्लैंड के ऑलरांउडर बेन स्टोक्स ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर भारत के रविन्द्र जडेजा से तुलना करें तो वह अभी भी पीछे हैं। कपिल ने कहा है कि जडेजा स्टोक्स से अधिक अच्छे ऑलराउंडर हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में 14वां टेस्ट शतक लगाया। इस दौरान उन्होंने अपने 7000 टेस्ट रन भी पूरे किए हैं। अब स्टोक्स के नाम 115 मैचों में 35.7 के औसत से 7032 रन हो गये हैं। उन्होंने इस दौरान 14 शतक और 35 अर्धशतक भी लगाये हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ चौथे मैच में 198 गेंद में ही 141 रन बनाए। वह सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं।

वहीं स्टोक्स के बारे में पूछे जाने पर कपिल ने कहा, "मैं तुलना नहीं करना चाहता। स्टोक्स एक अच्छे ऑलराउंडर हैं हालांकि मुझे अभी भी लगता है कि जडेजा उनसे आगे हैं। वह कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।" स्टोक्स टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 7000 रन और 200 विकेट हासिल करने वाले तीसरे ऑलराउंडर हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस और वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स ने ये उपलब्धि हासिल की थी। जडेजा ने इंग्लैंड की पहली पारी में चार विकेट लिए थे। जडेजा इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज हैं। उन्होंने सात पारियों में 86.75 के औसत से 347 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 89 रन रहा है। उन्होंने जारी सीरीज में चार अर्धशतक लगाए हैं।

गावस्कर बोले टीम शुभमन की, इसलिए वे ही लें चयन पर अंतिम फैसला

लंदन। भारतीय टीम के पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अंतिम ग्यारह के चयन का पूरा अधिकार कप्तान शुभमन गिल के पास होना चाहिये न कि कोच गौतम गंभीर के पास। गावस्कर ने कहा कि टीम कप्तान की होती है कोच की नहीं। इसलिए कप्तान की राय सबसे अहम होती है। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद कई लोगों ने नई भारतीय टेस्ट टीम को गंभीर की टीम करार दिया, जबकि चयनकर्ताओं ने शुभमन को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया था। इससे सवाल ये भी उठ रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कप्तान की पकड़ है या कोच हावी हैं?

टेस्ट के चौथे दिन जब, गावस्कर से सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या यह भारतीय टीम शुभमन या गंभीर की है। इसपर गावस्कर ने कहा कि उन्हें अपनी कप्तानी के दिनों में कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा, क्योंकि उस समय कोई मुख्य कोच नहीं था। इसकी जगह पर उन्होंने प्रबंधकों या सहायक प्रबंधकों से सुझाव मांगे, जो अक्सर पूर्व खिलाड़ी होते थे।

गावस्कर ने कहा, हमारे पास कोच नहीं थे। हमारे पास सिर्फ पूर्व खिलाड़ी ही मैनेजर या सहायक मैनेजर के तौर पर थे। वे ऐसे लोग थे जिनके पास जाकर आप बात कर सकते थे, लंच के समय, दिन के खेल के अंत में या मैच से पहले और वे केवल अपनी सलाह देते थे, फैसला हमें लेना होता था। इसलिए, मेरे लिए कप्तान और कोच के संयोजनप को समझना कठिन है। जब मैं कप्तान था, तब हमारे पास कोई भी पूर्व खिलाड़ी नहीं था।

गावस्कर ने कहा कि टीम चयन में अंतिम फैसला कप्तान का ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्पिनर कुलदीप यादव को अभी तक शुभमन के चाहते के बाद भी अवसर नहीं मिला है। इसके अलावा शार्दुल ठाकुर को सीरीज के पहले मैच के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था पर नीतीश रेड्डी की चोट के बाद फिर शामिल कर लिया गया। उन्होंने साथ ही कहा, वह कप्तान हैं। लोग उनके और उनकी कप्तानी के बारे में बात करेंगे। इसलिए उन्हें फैसले करने चाहिये। साथ ही कहा कि आजकल सभी चयन कप्तान की इच्छा से नहीं होते केवल ऐसा दिखाया जाता है कि व सहमत है जिससे लगे कि सब ठीक है।

कार्यालय:- कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्र 02 .बालाघाट (.प्र.म)

e-mail:- eeresbalaghat2@mp.gov.in, eeresbgtdiv2@rediffmail.com, Ph No. 07632-241864

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 05/ 2025-26

क्रमांक 1851/ निविदा/ग्रायांसे-2/2025-26 **बालाघाट दिनांक 21/07/2025**

म0प्र0 के राज्यपाल की ओर से दो लिफाफा पद्धति के आधार पर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारिक पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर मध्यप्रदेश सरकार के केन्द्रीयकृत पंजीयन पद्धति में अथवा अन्य राज्यों /केन्द्र सरकार के कार्य विभागों/ उपक्रमों/ संस्थाओं/ प्राधिकरण में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभाग द्वारा जारी टेंडर डाक्यूमेंट अपेंडिक्स 2.10 एवं संसोधन पर निम्नानुसार कार्यो हेतु ऑनलाईन मोहरबंद प्रतिशत दर दो लिफाफा पद्धति से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की दिनांक 11/04/2022 से प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित) के आधार पर निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	विकास खण्ड	निविदा की अनुमानित लागत	अमानत राशि	कार्य अवधि (वर्षाकाल सहित में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	आमंत्रण का क्रम	ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2025_RES_438792_1	पी.एम.श्री योजना अंतर्गत शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल जराहमोहगांव में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	कटंगी	1231000	24620	4 माह	2000	प्रथम	केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
2	2025_RES_438798_1	पी.एम.श्री योजना अंतर्गत शासकीय हायर सेकेण्डरी कन्या स्कूल लांजी में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	लांजी	1231000	24620	4 माह	2000	प्रथम	केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
3	2025_RES_438800_1	पी.एम.श्री योजना अंतर्गत शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल भानेगांव में अटल टिंगरिंग लेब हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	लांजी	1231000	24620	4 माह	2000	प्रथम	केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
4	2025_RES_438806_1	पी.एम.श्री योजना अंतर्गत शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल भेण्डारा में अटल टिंकरिंग लैब हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	खैर लांजी	1231000	24620	4 माह	2000	प्रथम	केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
5	2025_RES_438808_1	पी.एम.श्री योजना अंतर्गत शासकीय हायर सेकेण्डरी कन्या स्कूल किरनापुर में अटल टिंकरिंग लैब हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण	किरना पुर	1231000	24620	4 माह	2000	प्रथम	केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
6	2025_RES_438811_1	पी.एम.श्री योजना अंतर्गत शासकीय हायर सेकेण्डरी कन्या स्कूल जराहमोहगांव में अटल टिंकरिंग लैब हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	कटंगी	1231000	24620	4 माह	2000	प्रथम	केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
7	2025_RES_438814_1	पी.एम.श्री योजना अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल झाड़गांव-16 में कम्प्यूटर रूम हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	वारासिवनी	1231000	24620	4 माह	2000	प्रथम	केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
8	2025_RES_439070_1	पी.एम.श्री योजना अंतर्गत शासकीय हायर सेकेण्डरी कन्या स्कूल लांजी में खेल मैदान निर्माण कार्य	लांजी	412000	8240	3 माह	2000	प्रथम	केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली
		कुल योग		9029000	(शब्दों में- नब्बे लाख उनतीस हजार रूपये)				

1. **निविदा संबंधी तिथियां (Key Dates)**

		Date	Time
1. Purchase of Tender Start Date	-	30/07/2025	From 10.00 AM
2. Purchase of Tender End Date	-	07/08/2025	To 06.00 PM
3. Bid Submission Start Date	-	30/07/2025	From 10.00 AM
4. Bid Submission Start Date	-	07/08/2025	To 06.00 PM
5. Envelope A Open Date	-	11/08/2025	From 02.00 PM
6. Envelope C Open Date	-	13/08/2025	From 03.00 PM

उपरोक्त निविदा के निविदा प्रपत्र विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं दिनांक / समय की अनुसूची/अन्य जानकारियां वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

नोट:-

1. यदि निविदा में किसी प्रकार का संशोधन किया जाता है वह प्रकाशित नहीं किया जावेगा। किया गया संशोधन वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जी-16332/25

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

(मनोज कुमार धुर्वे)
कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग क्रमांक 02 बालाघाट (म.प्र.)

आयुष्मान स्कूल मिशन अब देश में लागू होगा

26 करोड़ स्कूली बच्चों को फायदा; 30 हजार स्कूलों में ट्रायल हो चुका

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश के 26 करोड़ स्कूली बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत स्कूल में ही जांचने जा रही है। आयुष्मान भारत स्कूल स्वास्थ्य मिशन का पहला ट्रायल त्रिपुरा में सफल रहा है। इसके तहत 30 पैरामीटर पर स्कूल में ही 18 साल तक के बच्चों की स्वास्थ्य मॉनिटरिंग की गई। इनमें चोट, हिंसा, बेइज्जती, असुरक्षित संबंध, मानसिक और भावनात्मक डिसऑर्डर, आक्रामकता, हड्डियों के विकार, दुबलापन-मोटापा, आंखों की रोशनी, त्वचा रोग, खून की कमी आदि की जांच-परख हुई।

इससे बच्चों की समय पर काउंसलिंग और मेडिकल जांचों की राह खुली। इसलिए अब इसे देशभर में लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। हालांकि 34 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 388 जिलों के 30 हजार स्कूलों में 1.50 करोड़ बच्चों पर भी ट्रायल चल रहे हैं। इसके परिणाम आने हैं। यह मिशन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय की संयुक्त पहल है, जिसे चरणबद्ध रूप से देशभर के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में लागू किया जाना है। शुरुआत छोटे राज्यों से होगी।

इन राज्यों में इसी वित्त वर्ष में लागू होगी योजना

दोनों मंत्रालयों से जुड़े अधिकारियों की मानें तो कुछ छोटे राज्यों जैसे पुद्दुचेरी, चंडीगढ़, मेघालय और मिजोरम जैसे राज्यों में चालू वित्त वर्ष के दौरान यह योजना लागू होगी, क्योंकि इन राज्यों में स्कूलों की मैपिंग आसान है। देशभर में इसे लागू करने से पहले कुछ तकनीकी व व्यवहारिक समस्याएं दूर की जानी हैं। जैसे- हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडर नामित करने में कहीं महिला और पुरुष शिक्षकों की पर्याप्त संख्या में कमी, वांक्षित उम्र (45 साल तक) का नहीं होना, वेलनेस डे (मंगलवार) का संतुलन नहीं बनना आदि।

क्या है आयुष्मान स्कूल मिशन

आयुष्मान स्कूल मिशन के तहत देशभर के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में पढने वाले बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच की जाती है। इसमें आंखों, दांतों, त्वचा, पोषण और अन्य सामान्य रोगों की जांच शामिल होती है। प्रत्येक छात्र की एक डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड प्रोफाइल तैयार की जाती है, जिससे उसकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को ट्रैक किया जा सके। अगर किसी छात्र में कोई बीमारी या कमी पाई जाती है, तो उसे नजदीकी सरकारी अस्पताल या विशेषज्ञ केंद्रों में रेफर किया जाता है, ताकि समय पर इलाज मिल सके। मिशन के तहत बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छता, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दी जाती है, जिससे वे खुद जागरूक बनें।

कोटेश्वर सेवा समिति द्वारा आज 31वॉ संगीतमय अखण्ड रामायाण पाठ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्रावण मास के पावन पर्व पर कोटेश्वर सेवा समिति लांजी के द्वारा तृतीय श्रावण सोमवार को कोटेश्वर धाम परिसर में अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन विगत कई 30 वर्षो से किया जा रहा है बतादे की कोटेश्वर सेवा समिति लांजी के द्वारा सन् 1995 से लगातार श्रावण मास के तीसरे श्रावण सोमवार को अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन करते आ रहे है। संगीतमय अखण्ड रामायाण पाठ का यह 31वॉ वर्ष है जिसके तहत आज 28 जुलाई को तृतीय श्रावण सोमवार को कोटेश्वर सेवा समिति के द्वारा संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ का शुभारंभ प्रातः 9 बजे से किया जायेगा। समिति द्वारा आयोजित इस अखण्ड रामायण पाठ के इस 31वें वर्ष में कोटेश्वर सेवा समिति के पदाधिकारी गण जिनमें राजा महिमेहरो, महेन्द्र गुड्डु कर्राहे, मनीष पाण्डे, अमित गोलू पाण्डे, उमाकांत उपराडे, दीपक अग्रवाल, जितेन्र्द विक्की तिडके, राकेश रणदिवे, अमित आसटकर, सचिन रावल, जीवन किरनापुरे, डेमेश्वर किरनापुरे, अजय उके, श्रीकान्त कचवाहे, धनेन्द्र जैतवार, अमित पशीने, इन्द्रजीत अहिरवार सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगणो के द्वारा श्रावण सोमवार 28 जुलाई को प्रातः 10 बजे से कोटेश्वर धाम परिसर में भगवान श्री कोटेश्वर भगवान के अभिषेक पूजन अर्चन के साथ संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ का शुभारंभ किया जायेगा। मुख्य यजमान मनीष पाण्डे तथा पंडित विश्वनाथ तिवारी के द्वारा संपूर्ण पूजन हवन करवाया जायेगा। दुसरे दिन 29 जुलाई को अखण्ड रामायाण पाठ के समापन के पश्चात हवन आदि कर प्रसाद वितरण आयोजक समिति के द्वारा किया जायेगा। उक्त संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ सेवती की पूनम भजन एवं रामायण मण्डली के द्वारा किया जायेगा।

पीएम मोदी ने सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर स्मारक सिक्का जारी कर कहा-

चोल साम्राज्य ने भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाया

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के अरियालुर जिले स्थित गंगैकोंडा चोलपुरम में चोल वंश के महान शासक सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर आयोजित ऐतिहासिक आदि तिरुवथिरई उत्सव के समापन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने राजेंद्र चोल के सम्मान में एक स्मारक सिक्का जारी किया।

पीएम मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन रविवार को तमिलनाडु के अरियालुर जिले में गंगैकोंडा चोलपुरम पहुंचे थे। वे यहां चोल वंश के महान सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम के जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऐतिहासिक आदी तिरुवथिरई उत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भाल लेने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने हेलीपैड से बृहदीश्वर मंदिर तक रोड शो भी किया। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर उपस्थित लोगों ने झंडे लहराकर और नारे लगाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। गांव को फूलों, पारंपरिक बैनरों और चोल-युग के प्रतीकों से सजाया गया था। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, कि यह भूमि राजराजा की आस्था की भूमि है और इलैयाराजा ने हम सभी को शिव भक्ति में डुबो दिया। उन्होंने कहा कि मैं काशी से सांसद हूं। और जब मैं ऊं नम: शिवाय सुनता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इसी के साथ चोल वंश के संदर्भ में पीएम मोदी ने कहा कि इतिहासकारों का मानना है कि चोल साम्राज्य का दौर भारत के स्वर्णिम-काल में से एक रहा। भारतीय परंपरा को भी चोल साम्राज्य ने आगे बढ़ाया था। यह साम्राज्य सिर्फ भारत तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने समुद्र पार भी भारतीय संस्कृति और शक्ति को पहुंचाया। ऐसे राजा राजेंद्र चोल को मैं नमन करता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि मैंने आज इस ऐतिहासिक मंदिर में 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की है। मेरी यही कामना है कि सभी को भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त हो।

सम्राट राजेंद्र चोल की विरासत

गंगैकोंडा चोलपुरम का अर्थ है— गंगा को जीतने वाले चोल का शहर। इसे सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम ने गंगा के मैदानों तक अपनी विजयी सैन्य यात्रा के बाद स्थापित किया था। उन्होंने इसे राजधानी बनाया और बृहदीश्वर मंदिर व चोलगंगम झील का निर्माण कराया, जो उनकी शक्ति और दूरदर्शिता के प्रतीक हैं।

स्मारक सिक्के का महत्व

गंगैकोंडाचोलपुरम विकास परिषद ट्रस्ट के अध्यक्ष आर. कोमागन के अनुरोध पर यह सिक्का जारी किया गया। यह सिक्का, राजेंद्र चोल के शासनकाल, स्थापत्य उपलब्धियों और दक्षिण-पूर्व एशिया तक उनके साम्राज्य के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मानित करता है।

उद्धव के जन्मदिन पर 13 साल बाद मातोश्री पहुंचे राज, सीएम ने कहा, खुशी का मौका

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर 13 साल बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे की मातोश्री पहुंचे। मातोश्री उद्धव ठाकरे का आवास है, जहां जन्मदिन की बधाई देने के लिए 13 साल में पहली बार राज ठाकरे पहुंचे। आखिरी बार 12 साल पहले बालासाहेब ठाकरे के निधन के समय राज ठाकरे मातोश्री गए थे। मुख?यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे खुशी का मौका बताया तो मंत्री नितेश राणे ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए इसे पतन बता दिया।

उद्धव ठाकरे ने रविवार को मुलाकात के दौरान राज ठाकरे को गले लगाया और उनकी पीठ थपथपाई। राज ठाकरे के साथ मनसे नेता बाला नांदगांवकर और नितिन सरदेसाई भी मौजूद थे। इस मौके पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर के साथ एक फोटो भी खिंचवाई।

एक अन्य तस्वीर में राज ठाकरे जन्मदिन के मौके पर उद्धव को फूलों का गुलदस्ता भेंट करते नजर आए। तस्वीरों में उद्धव ठाकरे अपने परिवार और शिवसेना नेताओं के साथ केक काटते दिखे। हालांकि, इस वीडियो में राज ठाकरे नजर नहीं आए। उद्धव और राज ठाकरे की मुलाकात पर मुख?यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, यह एक खुशी का मौका है, इसमें कोई राजनीतिक क्यों देखें? राज ठाकरे उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने गए थे, हमारी शुभकामनाएं भी उनके साथ हैं।

वहीं महाराष?ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने इसे लेकर कहा कि अगर परिवार साथ आ रहा है, तो किसी को बुरा मानने की जरूरत नहीं है। राज साहब ने बड़ा दिल दिखाया और उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर गए, लेकिन क्या उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे के जन्मदिन पर गए थे? उद्धव ठाकरे, जिन्होंने राज साहब को मातोश्री से हमेशा के लिए हटाने की साजिश रची थी। आज उन्हीं उद्धव ठाकरे को राज ठाकरे का स्वागत करना पड़ रहा है। इसे कहते हैं पतन।

साथ ही शिवसेना-यूबीटी के नेता अरविंद सावंत ने कहा कि यह खुशी का दिन है। राज ठाकरे जन्मदिन के मौके पर यहां (मातोश्री) आए हैं, इससे ज्यादा क्या खुशी होगी। यह दोनों महाराष्ट्र के हित के लिए एक साथ आए हैं।

शिवसेना नेता भास्कर जाधव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर राज ठाकरे का मातोश्री आना एक सकारात्मक संकेत है।

आज निकलेगी कोटेश्वर धाम के लिए कावड़ यात्रा

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। बोल बम सेवा समिति देवगांव के सदस्यों द्वारा देवनदी देवगांव से कोटेश्वर महादेव सावन माह के तीसरे सोमवार 28 जुलाई को वार्षिक कावड़ यात्रा निकाली जाएगी। इस संबंध मे मंगलवार को मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। आज 28 जुलाई को सुबह 5 बजे देवनदी से सैकड़ों के संख्या में श्रद्धालु कावड़ लेकर पैदल यात्रा शुरू करेंगे। 08 बजे मां किरनाई मंदिर किरनापुर में महाप्रसादी लेकर लांजी कोटेश्वर महादेव जल लेकर कावड़ यात्रा पहुंचेगी। बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़े, भजन मण्डली ,नृत्य मंडली और पारंपरिक झाकियां इस दौरान कावड़ यात्रा मे शामिल रहेंगी। यात्रा मार्ग पर कुछ स्थानों पर प्रसादी वितरण होगा। तथा जगह जगह कावड़ यात्रा का फूलों की वर्षा से स्वागत कर जलपान कराया जाएगा। वही कार्यक्रम का समापन महाआरती और महाप्रसादी के साथ होगा। बोल बम सेवा समिति देवगांव के सदस्यों जिसमें के बी राहंगडाले, अनिल चित्रीव, केशोराव तेलासे, महादेव बागडे, हरिश्चंद्र दौनोड़े, दलपत राहंगडाले, हीरालाल राहंगडाले, धनलाल बेलेकर, प्रेमलाल पन्द्रे, दिलीप बोहरे, मंगरुटेकाम, सोहनलाल राहंगडाले, भैयालाल बेलेकर, रेखलाल राहंगडाले, लक्ष्मण बेलेकर, लाला जी बोहरे,और भी अन्य सदस्यों ने बताया कि यह कावड़ यात्रा पिछले 15 वर्षों से निकाली जा रहा है।

महाप्रसाद का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष सद्भावना मित्र मण्डल लांजी के द्वारा तीसरे सोमवार को महाप्रसाद का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत आज 28 जुलाई को समिति के द्वारा महाप्रसाद आयोजित किया गया है। प्रतिवर्ष महाप्रसाद का आयोजन कोटेश्वर धाम परिसर के समीप किया जाता है लेकिन इस वर्ष अत्यधिक वर्षा के चलते स्थान परिवर्तित किया गया है। जो कि लांजी सालेटेकरी मार्ग पर स्थित गोंडवाना भवन तहसील कार्यालय के बाजू महाप्रसाद का आयोजन किया जायेगा। उक्त महाप्रसाद के आयोजन को लेकर सद्भावना मित्र मण्डल के अध्यक्ष युगेश रामटेक्कर, समिति संरक्षक गिरधारी लाल अग्रवाल, सचिव विधायक राजकुमार कर्राहे, नितिन पशीने, मधुकर आसटकर, रुपचन्द रामटेक्कर, सचिन अग्रवाल, कैलाशपुरी गोस्वामी, देवानन्द कुर्वे, राजा महिमेहरो, सतीश दुरुगकर, राजु मोहारे, विशाल दुग्गड़, बबलु शिवालिया, हुकुमचन्द जुझार, योगेन्द्र बबली मिश्रा, विशाल दुग्गड़, डॉ.राजेश रणदिवे, मोनु पशीने, अंकित अग्रवाल, मुकेश देवगड़े, गजानन बड़घैया, अंकित शर्मा, रोशन आसटकर, संतोष भार्गव, कमलेश बड?या, टेकचंद बिहोने, डॉ देवेश ऐड़े, ओमप्रकाश आसटकर, लक्ष्मण रामटेक्कर आदि के द्वारा समस्त भक्त गणो से उक्त महाप्रसाद ग्रहण करने की अपील की गई है।

सावरीकला में रिमझिम बारिश के बीच नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का हुआ आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा शासन के निर्देशन में 27 जुलाई को बरसते पानी में लांजी विकासखंड के ग्राम सांवरीकला में हरियाली यात्रा का आयोजन कर पेड़ लगाने का संदेश दिया गया। संतोष नगपुरे विकासखण्ड समन्वयक जन अभियान परिषद द्वारा स्वैच्छिक पौधारोपण करने तैयार नवांकुर सखियों को पौधे वितरित किए गए। सखी बहनें वर्ष भर शिशु पौधे को अपने घर के आंगन में सुरक्षित रखेगी और परिवार के सदस्य की भांति देखरेख व पालन पोषण करेगी। सखी बहनें अपने जन्म उत्सव या स्मृति दिवस पर सुरक्षित स्थानों पर इन पौधों का रोपण करेंगी। नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम में मंच का संचालन मुनेश पटले अध्यक्ष ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्था द्वारा किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को योजना के उद्देश्यों से अवगत कराया गया । कार्यक्रम में सखियों के साथ गांव के वरिष्ठ जन भी सम्मिलित हुए।

लांजी के तोषराम कनोजे ने जीते दो कांस्य पदक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के तोषराम कनोजे वर्तमान में खेल एवं युवा कल्याण विभाग रीवा में जिला खेल प्रशिक्षक कराते कोच के पद पर कार्यरत ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और कठिन परिश्रम के दम पर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। कोलकाता, पश्चिम बंगाल में 25 से 27 जुलाई 2025 तक आयोजित 9वीं अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक अपने नाम किए।

यह प्रतियोगिता कोलकाता के प्रतिष्ठित नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित की गई थी, जिसमें भारत सहित विभिन्न देशों के उत्कृष्ट कराटे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस उच्च स्तरीय और कठिन प्रतिस्पर्धा में श्री कनोजे ने फाइट और काता दोनों स्पर्धाओं में अपनी कुशलता और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक हासिल किए।

प्रतियोगिता का विवरण और उपलब्धि

9वीं अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में विश्व भर के कराटे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों और स्पर्धाओं में

कड़ा मुकाबला देखने को मिला। तोषराम कनोजे ने फाइट स्पर्धा में अपनी शारीरिक और मानसिक दृढ़ता का परिचय देते हुए प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर दी। वहीं काता स्पर्धा में उनकी तकनीकी निपुणता और अनुशासित प्रस्तुति ने निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। इन दोनों स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने न केवल अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि को साबित किया, बल्कि बालाघाट और मध्यप्रदेश को गौरवान्वित करने का कार्य भी किया।

तोषराम कनोजे का योगदान और प्रेरणा

खेल और युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश में जिला खेल प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत श्री कनोजे लंबे समय से कराटे के क्षेत्र में सक्रिय हैं। लांजी क्षेत्र के युवाओं को कराटे का प्रशिक्षण देकर उन्होंने कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार किया है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत समर्पण और कठिन परिश्रम का परिणाम है, बल्कि यह उन सभी युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है, जो खेल के क्षेत्र में अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं।

जिले में हर्ष का माहौल

श्री कनोजे की इस उपलब्धि से बालाघाट जिले, विशेषकर लांजी क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। स्थानीय निवासियों, खेल प्रेमियों और उनके शिष्यों ने उनकी इस सफलता पर गर्व व्यक्त किया है। जिला प्रशासन और खेल विभाग ने भी उनकी इस उपलब्धि की सराहना की है। यह उपलब्धि न केवल खेल के क्षेत्र में जिले की बढ़ती पहचान को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि छोटे शहरों और कस्बों से निकलकर भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा सकता है।

आगे की राह

तोषराम कनोजे ने अपनी इस सफलता को एक शुरुआत बताते हुए कहा कि वे भविष्य में और अधिक मेहनत करेंगे ताकि स्वर्ण और रजत पदक जीतकर देश का नाम और ऊंचा कर सकें। साथ ही, वे अपने शिष्यों को भी उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस उपलब्धि के लिए श्री कनोजे को जिले और प्रदेश के खेल प्रेमियों की ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही हैं। उनकी यह सफलता निश्चित रूप से मध्यप्रदेश के खेल परिदृश्य में एक नया अध्याय जोड़ेगी।

भारी बारिश से पचपेड़ी में धंसी सड़क, ग्रामीणों और प्रशासन ने बरती सतर्कता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। चांगोटोला थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पचपेड़ी में नैनपुर रोड पर अधिक वर्षा के चलते सड़क का एक हिस्सा अचानक से धंस गया। जिससे इस मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।उधर स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सड़क पर एक लाल कपड़ा लटकाकर संकेतक के रूप में उपयोग किया, जिससे आने-जाने वाले राहगीरों को सतर्क किया

जा सके।बताया गया कि लगातार बारिश के कारण हुई जहाँ सड़क का एक हिस्सा अचानक नीचे धंस गया।जिसपर मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत प्रशासन को मामले की सूचना दी। वहीं स्वयं भी सुरक्षा के उपाय करते हुए अस्थाई अलर्ट संकेत लगाए।ग्रामीणों की इस जागरूकता की सराहना की जा रही है, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना को रोका जा सकता है।उधर प्रशासन द्वारा मार्ग की मरम्मत व वैकल्पिक व्यवस्था पर भी विचार किया जा रहा है।

सिद्ध श्री जाग्रत हनुमान मंदिर में अखंड रामायण संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर १४ स्थित सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर जोड़ा पीपल में दो दिवसीय अखंड रामायण पाठ का समापन २७ जुलाई को किया गया। यह संगीतमय अखंड रामायण पाठ २६ जुलाई को सिद्ध श्री जाग्रत हनुमान मंदिर सेवा समिति एवं राम भक्तों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया था। जिसमें सुबह विधि विधान से भगवान हनुमान की पूजा अर्चना करने के बाद भगवान राम ,लक्ष्मण ,माता जानकी की पूजा कर अखंड रामायण पाठ प्रारंभ किया गया। यह संगीतमय रामायण पाठ अखंड रूप से करते हुए २७ जुलाई को दोपहर में रामायण का समापन कर संगीतमय भजन कीर्तन करने के उपरांत रामायण पाठ समाप्त कर विधि विधान से मंदिर में हवन पूजन किया गया।

तत्पश्चात महाआरती कर महाप्रसादी के रूप में भंडारे का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया। मंदिर समिति ने बताया कि श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष सुंदरकांड और अखंड रामायण पाठ का आयोजन मंदिर में किए जाते हैं। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अखंड रामायण पाठ पूजा अर्चना कर प्रारंभ किया गया था जिसका समापन हवन पूजन आरती एवं भंडारे के साथ किया गया है। इस प्रकार के आयोजन करने का उद्देश्य नगर में धर्म में वातावरण बनाए रखना है मंदिर में हर महीने भंडारा कार्यक्रम भी आयोजित होता है। यह अति प्राचीन मंदिर है जहां पर बड़ी संख्या में लोग हर दिन अपनी मनोकामना लेकर आते है। वहीं मनोकामना पूर्ति होने पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी करते हैं। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के धर्म प्रेमियों सहित गणमान्य नागरिकों के द्वारा उपस्थिति दर्ज कराकर भगवान हनुमान का आशीर्वाद ग्रहण किया गया।

सड़क किनारे बोरी में बंधा मिला नवजात शिशु का शव

तालाब किनारे रखी थी बंधी बोरी, शव मिलने से मचा हड़कंप, शव बरामद कर, मामले की जांच में जुटी कटंगी पुलिस

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कतरकना के शमशान घाट के पास एक दिल दहला देने वाली घटना समाने आई है।जहां पाथरवाडा रोड में 27 जुलाई रविवार की सुबह करीब 10बजे सड़क किनारे बोरी में बंधा नवजात शिशु का शव मिला है।जिसके बाद से गांव सहित पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।उधर मानवता को शर्मसार करने वाली घटना की सूचना के बाद पास के गांव में और कटंगी शहर काफी हलचल मच गई।जिसकी सूचना पर कटंगी पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर नवजात बच्चे के शव को बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है।हालांकि यह साफ नहीं है कि मिला नवजात बालक है या बालिका। बताया जाता है कि जिस तालाब किनारे, नवजात का शव मिला है, वह तालाब पाथरवाड़ा पंचायत में आता है। बोरियो के अंदर मिले नवजात की जानकारी के बाद, यहां लोगों की भीड़ लग गई।

रहागिरो ने बोरी खोलकर देखा, तो दिखा नवजात का शव

प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगी वार्ड नंबर 5 निवासी राम गुर्जर और कटंगी वार्ड नंबर 6 निवासी राजा ऐडे बीसापुर से कटंगी की तरफ आ रहे थे।जो कतरकना शमशान घाट रोड होते हुये पाथरवाडा मार्ग की ओर बढ़े तो उन्होंने देखा सड़क किनारे एक बोरी

पड़ी हुई थी जो बोरी कृषि काम में उपयोग आने वाले खाद बीज की बोरी के जैसे दिख रही थी दोनों ने सोचा बोरी किसी किसान की है उन्होंने बोरी को उठाया और खोल कर देखा तो उसके अंदर एक बड़ी सी झिल्ली थी और उसके भी अंदर एक सफेद रंग की झिल्ली थी जिसको खोलकर देखा तो उसने एक नवजात शिशु की लाश थी। जिसको देख दोनों घबरा गए जिसकी सूचना पुलिस को दी गई

सूचना मिलते ही मौके पर पहुची पुलिस

उधर इस पूरे मामले की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्यवाही कर शव को बरामद किया उसके बाद नवजात शिशु के शव को कटंगी पोस्टमार्टम हाउस लाया गया है।नवजात शिशु कहां से आया किसका है किसने जन्म दिया इन सब बातों को लेकर पुलिस मामले की जांच कर रही है वहीं पुलिस में मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

शव को गलाने डाला गया था नमक

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस झिल्ली में नवजात का शव था उसी के साथ नमक भी डाला गया था।ताकि शिशु का शव गल जाए।बताया गया कि शिशु का शव ज्यादा दिन पुराना नहीं है।लेकिन घटना कब की है इसकी जांच की जा रही है परंतु जिस मार्ग पर नवजात शिशु का शव मिला है वह एक रात पहले ही डाला गया है।

क्षेत्र में चल रही तरह-तरह की चर्चाएं

कटंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत नवजात शिशु का शव बोरी में बंधा मिलने के बाद तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई। चर्चा इस प्रकार भी हुई थी यहां नवजात शिशु किसी मां का नहीं हो सकता।यह किसी कुंवारी लड़की का है अनैतिक संबंध के चलते लड़की गर्भवती हुई होगी और इस घटना को (शिशु की बात) को छुपाने के लिए समाज में अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए उस युवती और उसके परिवार द्वारा मानवता को शर्मसार करने वाली घटना को अंजाम दिया गया और बोरी में बांधकर नवजात शिशु को सुनसान जगह में छोड़ दिया गया।

मामले की जांच जारी है- मर्सकोले

कटंगी थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि शव को बरामद कर, पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया है। फिलहाल पुलिस, मामले में तफ्तीश कर रही है और यह पता लगाने का, प्रयास कर रही है कि इस घटना को किसने अंजाम दिया है।

सांप के काटने से खार खोद रहा किसान हुआ अस्वस्थ

सर्पदंश से अस्वस्थ हुए मुकेश का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बरसाती सीजन में पूरे जिले से सर्पदंश के मामले लगातार समाने आ रहे है।जहां रोजाना ही सर्पदंश के मामलों में इजाफा देखा जा रहा है।लगातार बढ़ते जा रहे सर्पदंश के इन्ही मामलो के बीच रविवार को खेत में खार खोदने गए एक किसान को किसी अज्ञात सांप ने काटकर अस्वस्थ कर दिया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।सर्पदंश से अस्वस्थ हुए किसान का नाम थाना भरवेली ग्राम जागपुर निवासी 30 वर्षीय मुकेश पिता रामकिशोर मंडले बताया गया है। जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

स्वयं मोटरसाइकिल चला कर जिला अस्पताल आया मुकेश

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जागपुर निवासी मुकेश मंडले एलआईसी में काम करते हैं। जिनकी गांव में खेती-बाड़ी भी है जो एलआईसी के साथ साथ खेती किसानी का भी काम करते हैं। जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह करीब 7बजे वे अपने खेत में खार खोदने के लिए गए थे।जहां वे खार खोदने का काम कर रहे थे।इसी दरमियान सुबह करीब 10बजे किसी अज्ञात साँप ने कार्य के दौरान उनकी बाएं हाथ की उंगली में काट लिया और भाग गया।जिस पर मुकेश अपने घर गए और अपने परिजनों को जानकारी देकर स्वयं मोटरसाइकिल चलाते हुए जिला अस्पताल पहुंचे।जहां चिकित्सकों को जानकारी देने पर मुकेश को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

पति की प्रताड़ना से तंग आकर गर्भवती पत्नी ने गटका कीटनाशक

स्वयं के साथ-साथ 03 वर्षीय मासूम बेटी को भी खिलाया जहर, कीटनाशक के सेवन से मां बेटी बिगड़ी तबियत, दोनो का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार, चरित्र शक बतायी जा रही वजह

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खामघाट में पति की प्रताड़ना व चरित्र शक से तंग आकर एक गर्भवती महिला ने अपनी 03 वर्षीय मासूम बेटी को कीटनाशक पिलाकर, स्वयं भी उसी कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया।जहां कीटनाशक दवा के सेवन से मां बेटी दोनों की तबियत बिगड़ गई।जिनके अस्वस्थ होने पर उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। कीटनाशक के सेवन से अस्वस्थ हुई महिला का नाम ग्राम खामघाट निवासी 25 वर्षीय पुष्पा पति मनीष बिसेन बताया गया है।जिसकी 3 वर्ष की मासूम बेटी को जिला अस्पताल बच्चा वार्ड के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। तो वहीं महिला का भी जिला अस्पताल के महिला वार्ड में उपचार जारी है।

5 वर्ष पूर्व मंदिर में हुआ था विवाह

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र के केवाटोला में निवास करने वाली पुष्पा का विवाह करीब 5 वर्ष पूर्व लालबर्रा के खामघाट निवासी मनीष बिसेन के साथ हुआ था।बताया गया कि दोनों ने मंदिर में जाकर शादी की थी। इसके बाद से वे दोनों पति-पत्नी के रूप में साथ में रह रहे है।शादी के बाद उनकी एक 03 वर्षीय बेटी भी है जो उन्ही के साथ रहती है। बताया गया की शादी के बाद से ही पति मनीष बिसेन अत्यधिक मात्रा में शराब पीने लगा जो कभी चरित्र शक तो कभी किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद करता रहता है।पति-पत्नी के बीच आए दिनों विवाद व झगड़े होते रहते हैं। जानकारी के अनुसार आए दिनों की तरह रविवार की सुबह चरित्र शक को लेकर पति-पत्नी के बीच में विवाद हो गया। जहां पति के शराब के नशे मे विवाद करने से तंग आकर पत्नी पुष्पा ने पहले अपनी मासूम बेटी को पशु के कीड़े मारने की वाली दवा पिला दी और आवेश में आकर स्वयं भी इसी दवा का सेवन कर लिया।

करीब 7 माह की गर्भवती बताई जा रही पुष्पा

बताया गया कि अपनी बेटी को कीटनाशक दवा का सेवन कराने वाली पुष्पा करीब 7 माह की गर्भवती है। जिसने पति की प्रताड़ना से तंग आकर बेटी को कीटनाशक दवा का सेवन कराकर, स्वयं भी कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया है। बताया गया कि पति मनीष अक्सर नशे की हालत में चरित्र शक करता है और गाली गलौच कर मारपीट करता है। आए दिनों के लड़ाई झगड़े व प्रताड़ना से तंग आकर पुष्पा ने यह कदम उठाया है। जिसकी जानकारी मिलने पर पुष्पा की सास सुषमा बिसेन ने बहू और नातन को निजी वाहन से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है जहां उनका उपचार जारी है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट